सोशल मीडिया से जुड़ें
NewsTransportVishesh
Digital Edition

न्यूज ट्रांसपोर्ट विशेष

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

वर्ष : 1 अंक : 305, नई दिल्ली,मंगलवार,
28, नवंबर 2023 पेज : 8

NEWS NTV
TRANSPORT VISHESH
www.newstransportvishesh.com
सबसे तेज, सबसे पहले
आपको पहुंचाये
परिवहन क्षेत्र की सभी जानकारियां
09212122095
09811732095

शुभ संदेश

हर सुबह धूप कुछ याद दिलाती है; हर महकती खुशबू एक जादू जगाती है; ज़िन्दगी कितनी भी व्यस्त क्यों ना हो; पर सुबह सुबह अपनों की याद आ ही जाती है

संक्षिप्त खबरें

लक्ष्मण झूला मार्ग पर फैक्टरी में लगी भीषण आग, मौके पर पहुंच फायर ब्रिगेड काबू पाने में जुटी

देहरादून

ऋषिकेश में लक्ष्मण झूला मार्ग लंबे समय से फैक्टरी बंद पड़ी थी, लेकिन अचानक सोमवार सुबह फैक्टरी में आग लग गई। ऋषिकेश में लक्ष्मण झूला मार्ग पर टायरों पर रबड़ चढ़ाने की एक फैक्टरी में भीषण आग लग गई। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम आग पर काबू पाने में जुटी, लेकिन आग भीषण होने के कारण कड़ी मशक्कत करनी पड़ी।

सोमवार सुबह अचानक फैक्टरी में आग लग गई। फैक्टरी काफी समय से बंद बताई जा रही है। आग लगने के कारणों का अभी स्पष्ट पता नहीं चल पाया है।

अपहृत किशोर की हत्या, विरोध में रास्ता जाम; चार घंटे गोरखपुर-हाटा मार्ग पर बैठे रहे ग्रामीण

गोरखपुर,एसपी नार्थ मनोज अवस्थी ने कहा कि लापरवाही बरतने पर विवेचक वीरेंद्र यादव को निलंबित कर दिया गया है। अब सीओ चौरीचौरा विवेचना करेंगे। पूरे प्रकरण की जांच एसपी नार्थ को सौंपी गई है। दर्ज केस में पोस्टमार्टम के बाद हत्या की धारा बढ़ा दी जाएगी।

गोरखपुर जिले में पिपराइच क्षेत्र के बसंतपुर गांव से अपहृत राजू (17) की हत्या कर फेंका गया शव रविवार को गांव के बाहर कुशीनगर जिले की सीमा पर मिला। छिपाने के लिए शव को शवदाह गृह के पास झाड़ी में फेंका गया था। घटना के विरोध में ग्रामीणों ने पुलिस से शव के अवशेष को छीनकर गोरखपुर-हाटा मार्ग दोपहर एक बजे जाम कर दिया। उन्होंने पुलिस पर मामले में लापरवाही बरतने का आरोप लगाया। शाम पांच बजे कार्रवाई के आश्वासन पर जाम खत्म होने पर शव को कुशीनगर पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेजा। जानकारी के मुताबिक, पिपराइच इलाके के बसंतपुर गांव निवासी संजय कुमार का बेटा राजू बीते 18 नवंबर को घर से निकला था। राजू की मां माधुरी के मुताबिक, परिवार के लोगों ने उसे गांव के ही अर्जुन निषाद के बेटे के साथ साइकिल पर जाते हुए देखा। देर शाम अर्जुन का बेटा तो वापस आ गया, लेकिन राजू नहीं लौटा।

परिवार के लोगों ने उसके मोबाइल फोन पर कॉल करनी शुरू की तो बंद मोबाइल बंद मिला। इसके बाद परिवार के लोगों ने अर्जुन निषाद के बेटे से राजू के बारे में पूछना शुरू किया तो वह टाल-मटोल करने लगा। परेशान होकर माधुरी ने पिपराइच थाने में अर्जुन निषाद के बेटे पर अपहरण का केस दर्ज कराया। पुलिस को दिए प्रार्थनापत्र में बेटे के साथ अनहोनी की आशंका भी जताई थी।

आरोप है कि पुलिस ने मामले को गंभीरता से नहीं लिया और परिवार के लोगों को थाने दौड़ाती रही। इस बीच परिवार के लोग राजू के दोस्तों से लेकर रिश्तेदारों तक उसके बारे में पता करते रहे, लेकिन कुछ पता नहीं चला। रविवार की दोपहर कुछ लोगों ने कुशीनगर जिले के अहिरौली इलाके के बरवां बाबू गांव के पास सिर कटी लाश देखी। जबड़ा शरीर से दूर मिला। शव से दुर्गंध आ रही थी। ग्रामीणों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। शव जिस जगह पर मिला, वह कुशीनगर के अहिरौली थाना क्षेत्र में आता है, इस वजह से गोरखपुर के अलावा कुशीनगर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने जांच-पड़ताल शुरू की तो जेब से मोबाइल फोन और 520 रुपये बरामद हुए।

दस दिन बाद जिंदगी की जंग जीतकर बाहर आए थे दो मजदूर

एनटीवी, बिलासपुर

अभियान के पांचवें दिन दो मजदूरों से संपर्क हुआ। पाइप के जरिये कैमरा और मजदूरों को जरूरी चीजें पहुंचाई गईं। किरतपुर-नेरचौक फोरलेन पर बनी टीहरा टनल में 9 साल पहले उत्तरकाशी जैसा हादसा हुआ था। इसमें फंसे तीन मजदूरों के लिए चलाए बचाव अभियान में भी उत्तरकाशी जैसी दिक्कतें पेश आई थीं। मजदूरों को बाहर निकालने के लिए जयपुर से मंगवाई ड्रिलिंग मशीन अभियान को पूरा करने से पहले ही खराब हो गई थी। लेकिन फिर भी टनल में फंसे दो मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। इन मजदूरों ने घुप अंधेरे में 10 दिन और 10 रात तक जिंदगी की जंग लड़ी थी। तीसरा मजदूर हादसे के समय ही मलबे में दब गया था। उसका शव 10 माह बाद मिला था। 12 सितंबर 2015 की शाम करीब सवा 8 बजे निमार्णाधीन टीहरा टनल का एक हिस्सा धंस गया। इससे टनल में तीन मजदूर फंस गए। उन्हें निकालने के लिए तुरंत प्रयास शुरू हुए। पहले टनल के अंदर से मिट्टी निकाली जाने लगी, लेकिन जितनी मिट्टी निकाली जाती, उतनी फिर आ जाती। 13 सितंबर को सुरंग के ऊपर रास्ता बनाकर छोटी ड्रिलिंग मशीन लगाई गई। साथ ही जयपुर से हैवी बोरिंग मशीन भी मंगवा ली गई।

अभियान के पांचवें दिन छोटी ड्रिल मशीन से डाली गई 4 इंच डायामीटर (व्यास) वाली पाइप से दो मजदूरों से संपर्क हुआ। इसी पाइप के जरिये कैमरा और मजदूरों को जरूरी चीजें पहुंचाई गईं। इसी बीच जयपुर से हैवी बोरिंग मशीन भी पहुंच गई। लेकिन इस मशीन को पहाड़ी तक पहुंचाने तक काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। 17 सितंबर को हैवी बोरिंग मशीन से 1.2 मीटर वाले दायरे का छेद करने की शुरूआत की गई। मशीन ने दो दिनों के भीतर ही 36 मीटर से ज्यादा की ड्रिलिंग कर दी। लेकिन जब करीब छह मीटर

की ड्रिलिंग बाकी रह गई तो मशीन खराब हो गई और काम रोक देना पड़ा। ऊपर से बारिश की वजह से भी काम में बाधा पड़ी। मशीन के पुर्जे को मंगवाया गया। दो दिन बाद फिर ड्रिलिंग का काम शुरू हुआ। 22 सितंबर की सुबह काम पूरा हुआ। 42 मीटर लंबे छेद से एनडीआरएफ का जवान टनल में उतरा और दोनों मजदूरों को बारी-बारी रस्सी से बांधकर ऊपर भेजा। सबसे पहले मंडी का मणि राम और बाद में सिरमौर का सुरेश तोमर बाहर आया।

भगवान की शरण में भी गए थे अधिकारी

हादसे के समय टीहरा टनल में सेफ्टी सुपरवाइजर रहे तरसेम सिंह बताते हैं कि टनल में फंसे मजदूरों के सुरक्षित रहने के लिए और बचाव अभियान में कामयाबी मिलने के लिए प्रशासनिक और कंपनी प्रबंधन के अधिकारी भी भगवान की शरण में पहुंचे थे। उन्होंने टनल के ऊपर की ओर पहाड़ी पर स्थित पीर लखदाता और बाबा बालक नाथ मंदिर में पहुंचकर पूजा-अर्चना कर बचाव अभियान को जल्द कामयाबी मिलने की दुआ भी मांगी थी।

हादसे के दिन ही काम पर रखा था हृदय राम

तरसेम सिंह बताते हैं कि हादसे में जान गंवाने वाले मंडी के हृदय राम को हादसे के दिन ही ठेकेदार ने काम पर रखा था।

जब यह हादसा हुआ था तो हृदय राम की पहली शिफ्ट थी। हृदय राम का शव हादसे के 10 माह बाद तक मिला था, जब मलबा निकाला जा रहा था। तरसेम सिंह के अनुसार टनल से निकाले गए दोनों मजदूरों को बाद में प्रशासन की सिफारिश पर टनल बना रही कंपनी में पक्की नौकरी मिली। साथ ही हृदय राम के परिजनों को मुआवजा दिया गया और बच्चों की पढ़ाई का खर्च ने उठाया है।

सड़क हादसों में वृद्ध और आशा समेत चार की मौत, सिर में गंभीर चोट बनी मौत की वजह

सोनभद्र

पहली घटना राबर्ट्सगंज कस्बा चौकी क्षेत्र का है। मिजार्पुर जिले के संतनगर थाना क्षेत्र के ककरद गांव निवासी गुड्डू (25) पुत्र गंगाराम रविवार को एक कार्यक्रम में शामिल होने राबर्ट्सगंज आया था। देर रात लौटते समय शीतला मंदिर चौक के समीप उसकी बाइक विपरीत दिशा से आ रही तेज रफ्तार वाहन की चपेट में आ गई। हादसे में गुड्डू गंभीर रुप से घायल हो गया। जिले के अलग-अलग क्षेत्रों में रविवार की रात हुए सड़क हादसों में वृद्ध और आशा समेत चार लोगों की मौत हो गई। मृतकों में दो बाइक सवार भी शामिल हैं। दोनों ने हेलमेट नहीं पहन रखा था। सिर में गंभीर चोट उनकी मौत की वजह बनी। पहली घटना राबर्ट्सगंज कस्बा चौकी क्षेत्र का है। मिजार्पुर जिले के संतनगर थाना क्षेत्र के ककरद गांव निवासी गुड्डू (25) पुत्र गंगाराम रविवार को एक कार्यक्रम में शामिल होने राबर्ट्सगंज आया था। देर रात लौटते समय शीतला मंदिर चौक के समीप उसकी बाइक विपरीत दिशा से आ रही तेज रफ्तार वाहन की चपेट में आ गई। हादसे में गुड्डू गंभीर रुप से घायल हो गया। उसे जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। दूसरी घटना रायपुर थाना क्षेत्र की है। करहीं गांव निवासी आशा अशरफी देवी (52) गांव की एक महिला का प्रसव कराने के लिए अपने बेटे रणविजय के साथ बाइक से वैनी सीएचसी आ रही थी। रायपुर थाना मोड़ के समीप ब्रेकर पर बाइक असंतुलित होने पर पीछे बैठी आशा सड़क पर गिर गई। सिर में गंभीर चोट आई। उसे वैनी सीएचसी में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। तीसरी घटना बभनी थाना क्षेत्र की है। चौना संपर्क मार्ग पर रविवार की देर शाम चकसानी तिराहे पर अज्ञात वाहन से टकराकर बाइक सवार चक बगदरीसानी निवासी महेश कुमार (34) की मौत हो गई। महेश अपने पुराने घर से नए घर पर बाइक से जा रहा था। चकसानी तिराहे पर अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी। आसपास के लोग उसे सीएचसी बभनी ले गए, जहां प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। जिला अस्पताल से वाराणसी ले जाते समय रास्ते में उसकी मौत हो गई। पत्नी ममता देवी, मां का रो-रोकर बुरा हाल है। उसे तीन छोटे बच्चे हैं। मृतक के भाई राजेश कुमार की सूचना पर एसआई तेज बहादुर सिंह ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। चौथी घटना घोरावल के खरुआंव ब्लॉक के पास हुई।

एक ही बाइक के 62 चालान, 1.23 लाख जुमार्ना बकाया, बार-बार नियमों का उल्लंघन करने वालों की सूची जारी

लखनऊ

लखनऊ की ट्रैफिक पुलिस ने लगातार नियमों का उल्लंघन करने वालों की रिपोर्ट जारी की है। कई वाहनों के 10 से ज्यादा चाला किए गए। ट्रैफिक नियमों के पालन को लेकर वाहन चालक गंभीर नहीं हो रहे हैं। एक जनवरी से नवंबर में अब तक 496 वाहन चालकों ने 10 बार से ज्यादा ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन किया है। आईटीएमएस ने ये आंकड़े जारी किए हैं। डालीगंज के इरादतनगर निवासी इमरान की बाइक का 62 बार चालान हुआ। इमरान पर 1.23 लाख रुपये जुमार्ना बकाया है। ट्रैफिक पुलिस की रिपोर्ट बताती है कि बाइक, ई रिक्शा, बस, भार वाहन, कैब, निजी कार समेत अन्य वाहनों के चालक लगातार यातायात नियम तोड़ रहे हैं। कई तो ऐसे हैं, जो यातायात नियमों की कतई परवाह नहीं करते। इसमें तेज रफ्तार,

ट्रैफिक सिग्नल तोड़ने, रेड लाइट क्रॉस करने, स्टॉप लाइन पर पहुंचकर वाहन रोकने, हेलमेट नहीं पहनने, उल्टी दिशा में वाहन चलाने, बाइक पर तीन सवारी बैठाने के मामले शामिल हैं। आंकड़े बताते हैं कि बाइक सवारों के अलावा सबसे ज्यादा मनमानी तीन पहिया वाहन चालकों ने की है। मेरा इतनी बार चालान हो गया! इमरान से जब चालान के बारे में पूछा गया तो उन्होंने हैरानी जताई। उन्होंने कहा, मुझे तो पता ही नहीं चला कि इतनी बार चालान हुआ है। इनके 10-10 बार चालानः माल ढोने वाले एक वाहन का 10 बार चालान किया गया, जिस पर सबसे ज्यादा 2.13 लाख रुपये जुमार्ना है। प्रिज्म जॉनसंस लिमिटेड के नाम पर पंजीकृत इस वाहन का पता देवा रोड दर्ज है। इसी कंपनी के नाम दर्ज एक अन्य वाहन का भी 10 बार चालान किया गया है, जिस पर 1.24 लाख जुमार्ना हुआ है। वाहनों पर हुए जुमार्ने की कुल राशि करोड़ों रुपये बताई जा रही है। यातायात नियम तोड़ने वालों में निजी वाहनों की संख्या भी अधिक है। पर, वाहन चालक नोटिस मिलने के बाद भी जुमार्ना नहीं भर रहे हैं और लगातार नियमों को तोड़ रहे हैं। इस सबको देखते हुए ट्रैफिक पुलिस अब सख्ती की तैयारी कर रही है।

अब सेना तैयार... सुरंग के अंदर मैनुअल ड्रिलिंग में करेगी मदद, इस काम में महारथ टीम के पास

देहरादून

भारतीय सेना की इंजीनियरिंग रेजीमेंट के जवान व अधिकारी तकनीकी में महारथ रखते हैं। यह सभी मैनुअल ड्रिलिंग के काम में हाथ बंटाएंगे जिससे सुरंग के अंदर फंसे मजदूरों तक 800 मिमी पाइपों से एस्केप पैसेज तैयार करने का काम पूरा किया जा सकेगा। सिलक्यारा सुरंग के अंदर मैनुअल ड्रिलिंग के काम में भारतीय सेना की इंजीनियरिंग कोर मदद करेगी। रविवार सुबह सेना की इंजीनियरिंग रेजीमेंट मद्रास इंजीनियर ग्रुप (एमईजी) की एक टुकड़ी सिलक्यारा पहुंच गई है जो यहां मैनुअल ड्रिलिंग का जिम्मा संभालेगी।

दरअसल, सिलक्यारा सुरंग के अंदर फंसे 41 श्रमिकों को बचाने के लिए ऑगर मशीन से ड्रिलिंग का

काम किया जा रहा था। करीब 47 मीटर तक ड्रिलिंग कर मलबे में 800 मिमी के पाइप डाल दिए गए थे कि बीते शुक्रवार शाम को ऑगर मशीन के ब्लेड सरियों में फंस कर टूट गए जिसके बाद से ही मशीन से ड्रिलिंग का काम ठप हैं।

वहीं फंसे हुए ऑगर को बाहर निकालने के लिए लेजर, प्लाज्मा व गैस कटर से कटिंग का काम जारी है। ऑगर को बाहर निकालने के बाद मैनुअल ड्रिलिंग की जाएगी। इसके लिए खासतौर पर भारतीय सेना की मद्रास इंजीनियर ग्रुप की टुकड़ी को बुलाया गया है।

भारतीय सेना में एक इंजीनियरिंग रेजीमेंट

सूत्रों के अनुसार इस टुकड़ी में 30 जवान व अधिकारी शामिल हैं। जो कि तकनीकी में महारथ रखते हैं। यह सभी मैनुअल ड्रिलिंग के काम में हाथ बंटाएंगे। जिससे सुरंग के अंदर फंसे मजदूरों तक 800 मिमी पाइपों से एस्केप पैसेज तैयार करने का काम पूरा किया जा सकेगा। राहत एवं बचाव कार्य के प्रभारी कर्नल दीपक पाटिल का कहना है कि भारतीय सेना मैनुअल ड्रिलिंग के काम में मदद करती है तो यह बहुत अच्छा रहेगा।

मद्रास सेपर्स के नाम से हैं प्रसिद्ध

मद्रास इंजीनियर ग्रुप को मद्रास सेपर्स के नाम से भी जाना जाता है। यह भारतीय सेना में एक इंजीनियरिंग रेजीमेंट है। जो कि पैदल सेना के लिए पुल, हेलीपैड, नदी पर अस्थायी पुल आदि के निर्माण में सहायता देते हैं।

गोरखपुर-लखनऊ हाईवे पर आज शाम तक रहेगा रूट डायवर्जन, जानिए क्या है वजह...

बस्ती

गोरखपुर और बस्ती से आने वाले वाहनों को बस्ती से कलवारी, टांडा होते हुए पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे से लखनऊ की ओर भेजा जाएगा। गोरखपुर से लखनऊ की ओर जाने वाले वाहनों को खलीलाबाद से बखिरा, डुमरियागंज, गोंडा होते हुए भेजा जाएगा। बस्ती से अयोध्या-लखनऊ की तरफ जाने वाले वाहनों को डुमरियागंज, गोंडा, नवाबगंज होते हुए निकाला जाएगा। अयोध्या में कार्तिक पूर्णिमा स्नान के मद्देनजर गोरखपुर-लखनऊ फोरलेन पर रविवार आधी रात से वाहनों का रूट

बदल जाएगा। यह डायवर्जन सोमवार को शाम पांच बजे तक लागू रहेगा। इस दौरान सरकारी वाहनों, एंबुलेंस और शव लेकर आने-जाने वाहनों को छूट रहेगी। कार्तिक पूर्णिमा का स्नान रविवार को दोपहर 3:11 बजे से शुरू होकर सोमवार की दोपहर 2:36 बजे तक चलेगा। एसपी गोपाल कृष्ण चौधरी ने बताया कि कार्तिक पूर्णिमा स्नान के दौरान दूसरे जनपदों के वाहनों का अयोध्या से होकर आवागमन प्रतिबंधित रहेगा। यातायात पुलिस ने डायवर्जन की व्यवस्था प्रभावी करते हुए रूट तय कर दिया है। 26 की आधी रात से 27 नवंबर को शाम पांच बजे तक डायवर्जन लागू रहेगा। जरूरत के हिसाब से बैरियर लगाकर पर्याप्त पुलिस कर्मियों को तैनात किया जाएगा। लखनऊ से गोरखपुर और बस्ती जाने वाले वाहनों को बाराबंकी से जरवल रोड, गोंडा से मनकापुर, बभनान से हरैया, बस्ती से गोरखपुर की ओर डायवर्टन किया जाएगा। गोंडा व बलरामपुर से अयोध्या होते हुए लखनऊ और बाराबंकी जाने वाले वाहनों को नवाबगंज में रोक दिया जाएगा। इन्हें गोंडा से रामनगर होते हुए बाराबंकी व लखनऊ की ओर भेजा जाएगा। प्रयागराज व सुल्तानपुर से अयोध्या होकर बस्ती व गोरखपुर जाने वाले वाहनों को सुल्तानपुर से आंबेडकरनगर, कलवारी-बस्ती से गोरखपुर की ओर मोड़ दिया जाएगा।

आंबेडकरनगर से अयोध्या होकर बस्ती व गोरखपुर आने वाले वाहनों को आंबेडकरनगर से टांडा-कलवारी पुल होते हुए बस्ती भेजा जाएगा। रायबरेली व अमेठी से अयोध्या होकर बस्ती व गोरखपुर आने वाले वाहनों को जगदीशपुर-अयोध्या मार्ग से पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे वाया आंबेडकरनगर होते हुए बस्ती-गोरखपुर भेजा जाएगा।

डेडीकेटेड फ्रेट कॉरिडोर पर मालगाड़ियों को पलटाने की साजिश, 300 से ज्यादा फिटिंग क्लिप हुए चोरी

एनटीवी, मेरठ

डेडिकेटिड फ्रेट कॉरिडोर परियोजना को विफल करने के इरादे से बदमाश चोरी की वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। यही नहीं मालगाड़ियों को पलटाने की साजिश भी रची जा रही हैं। आलम यह है कि ट्रैक से तकरीबन तीन सौ फिटिंग क्लिक चोरी किए जा चुके हैं। डेडिकेटिड फ्रेट कॉरिडोर परियोजना को असफल करने की कोशिशें लगातार बढ़ रही हैं। खुर्जा से सहारनपुर के बीच कई घटनाओं में बदमाश करीब 150 करोड़ के विदेशी उपकरण चोरी कर चुके हैं। स्थानीय पुलिस चोरी की वारदात रोकने में नाकाम साबित हो रही है। इन अवरोधों के बीच बीच फ्रेट कॉरिडोर पर मालगाड़ियों का संचालन शुरू किया चुका है। इसके

बावजूद अब इन मालगाड़ियों को पलटाने की खतरनाक साजिश रची जा रही है। कुछ दिन पहले ही जानी क्षेत्र में रेलवे लाइन के 300 फिटिंग क्लिप चोरी हो चुके हैं। ऐसी स्थिति में मालगाड़ी के आवागमन के दौरान बड़े हादसे की आशंका से इन्कार नहीं किया जा सकता। हालांकि अधिकारी इसे शराबियों और असामाजिक तत्वों हरकत बता रहे हैं। कंपनी के एडमिन मैनेजर की ओर से मामले में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। रेलवे लाइन पर फिटिंग क्लिप को पटरी को स्थिर रखने के लिए किया जाता है। ट्रेनों की सुरक्षा की दृष्टि से यह काफी महत्वपूर्ण होती हैं। जिससे तेज गति से जा रही ट्रेन ट्रैक से सुरक्षित ढंग से गुजर सके। फिटिंग क्लिप हटने से पटरी से ट्रेन के उतरने की आशंका बढ़ जाती है। इससे बड़ा हादसा हो सकता है।

रोजाना हो रही चोरी की रिपोर्ट

थाने में दर्ज कराई रिपोर्ट में निर्माण कंपनी के अधिकारियों के मुताबिक डेडिकेटिड फ्रेट कॉरिडोर में तैनात कीमैन प्रतिदिन रेलवे लाइन का निरीक्षण करता है। कर्मचारी चरण सिंह की ओर से रोजाना चोरी की घटनाओं की रिपोर्ट दी जा रही है। जिले में चोरी की घटनाएं रोज हो रही हैं।

दिन रात का तापमान बढ़ा, बदलेग मौसम, एक्यूआई घटा लेकिन प्रदूषण से राहत नहीं

मेरठ

मेरठ का एयर क्वालिटी इंडेक्स नवंबर माह में लगातार खतरनाक स्तर पर चल रहा है। शनिवार को इसमें कुछ गिरावट देखने को मिली लेकिन शहरवासियों को प्रदूषण से राहत नहीं मिली। शुक्रवार को 424 एक्यूआई के बाद शनिवार को मेरठ को कुछ राहत मिली। शनिवार को एक्यूआई 358 दर्ज किया गया, लेकिन अभी भी यह खतरनाक स्तर पर है। शनिवार को शहर में पल्लवपुरम 408 एक्यूआई के साथ सबसे ज्यादा प्रदूषित रहा है। इसके साथ ही सुबह के समय शहर स्मॉग की चादर में लिपटा दिखाई दिया। मेरठ का एयर क्वालिटी इंडेक्स नवंबर माह में लगातार खतरनाक स्तर पर चल रहा है। खराब हवा में मेरठ कभी देश में पहले कभी दूसरे स्थान पर पहुंच जाता है। शनिवार को मेरठ का एयर क्वालिटी इंडेक्स 358 दर्ज किया गयाए जबकि शहर में गंगानगर

का एक्यूआई 321, जयभीमनगर का 345, बेगमपुल का 389, दिल्ली रोड का 395 एक्यूआई दर्ज किया गया। छावनी क्षेत्र में जला कूड़ा, नहीं लग रहा अंकुश मोदीपुरम। कूड़ा जलने से रोकने के लिए बनाई गई कमेटी नाकाम साबित हो रही हैं। शनिवार को छावनी क्षेत्र में कूड़ा जलाया गया। रेड क्वार्टर के पास कूड़ा जलने से धुएं का गुबार छाया रहा। इस बाबत क्षेत्रीय प्रदूषण अधिकारी भुवनेश प्रकाश यादव का कहना है कि जहां पर कूड़ा जलाया जा रहा है वहां पर जुमार्ना लगाया जाएगा।

सुरंग में फंसे 41 मजदूरों के पास बजी बीएसएनएल की घंटी, एक छोटा लैंडलाइन फोन भी पहुंचा...

सुरंग में 15 दिन से फंसे मजदूरों के पास रविवार को पहली बार बीएसएनएल की घंटी बजी।

देहरादून

12 नवंबर को मलबा आने की वजह से जब 41 मजदूर सुरंग के भीतर फंसे तो उनसे बातचीत का एकमात्र जरिया चार इंच का पाइप था, जिसमें बेहद धीमी आवाज आ रही थी। तीन दिन पहले एसडीआरएफ ने यहां कम्युनिकेशन डिवाइस लगाया। अब रविवार को बीएसएनएल ने भी अपना कम्युनिकेशन सेटअप

लगा दिया। सुरंग में 15 दिन से फंसे मजदूरों के पास रविवार को पहली बार बीएसएनएल की घंटी बजी। इसके लिए बीएसएनएल ने छह इंच के पाइप की मदद से अपनी लाइन पहुंचाने के साथ ही एक छोटा लैंडलाइन फोन भी पहुंचा दिया है।

अब बाहर बैठे रेस्क्यू अभियान के अधिकारी उनसे और बेहतर ढंग से संवाद स्थापित कर पा रहे हैं। 12 नवंबर को मलबा आने की वजह से जब 41 मजदूर सुरंग के भीतर फंसे तो उनसे बातचीत का एकमात्र जरिया चार इंच का पाइप था, जिसमें बेहद धीमी आवाज आ रही थी।

छोटे लैंडलाइन की मदद से की जा रही बातचीत

छह इंच का पाइप पहुंचने के बाद तीन दिन पहले एसडीआरएफ ने यहां कम्युनिकेशन डिवाइस लगाया, जिसके लिए माइक्रोफोन व स्पीकर भीतर भेजे गए थे। इसके माध्यम से लगातार मजदूरों से बातचीत की जा रही थी। रविवार को बीएसएनएल ने भी अपना कम्युनिकेशन सेटअप लगा दिया।

बीएसएनएल के डीजीएम पीके शर्मा ने बताया कि वहां एक्सचेंज स्थापित कर दिया गया है। बताया कि छह इंच के पाइप की मदद से भीतर लाइन पहुंचा दी गई है। एक छोटे लैंडलाइन की मदद से अब उनसे बातचीत की जा रही है।

कहा, जब कोई इधर से फोन करता है तो वहां घंटी बजती है। इसके बाद मजदूर उसके माध्यम से आसानी से बात कर पा रहे हैं। उन्होंने बताया कि मजदूरों को बाहर का नंबर बता दिया गया है। वे यहां बीएसएनएल के नंबर पर फोन कर पा रहे हैं। जब भी उन्हें कोई जरूरत होगी तो वह सीधे फोन घुमाएंगे और बचाव दल उस पर कार्रवाई कर सकेगा।

पंजाब की 'ऐश्वर्या राय' हर आउटफिट में दिखाती हैं जलवा

एनटीवी

पंजाब की ऐश्वर्या राय कही जाने वालीं पंजाब इंडस्ट्री की मशहूर एक्ट्रेस और सिंगर हिमांशी खुराना आज अपना 32वां जन्मदिन सेलिब्रेट कर रही हैं। वैसे तो वो पंजाब में काफी ज्यादा मशहूर थीं, लेकिन बिग बॉस में आने के बाद उन्होंने काफी नाम कमाया। बिग बॉस में आने के बाद उन्हें पूरे देश में अलग पहचान मिली।

अगर इनके करियर की बात करें तो महज 16 साल की उम्र से

हिमांशी काम कर रहीं हैं। उन्होंने इतनी कम उम्र में ही मॉडलिंग शुरू कर दी थी। अभी तक वो कई पंजाबी फिल्मों और म्यूजिक एल्बम में काम कर चुकी हैं।

जिस तरह से लोगों को उनकी एक्टिंग और गाने पसंद आते हैं, ठीक उसी तरह से उनका लुक्स लोगों को काफी पसंद आता है। आज के लेख में हम आपको हिमांशी खुराना के कुछ क्लासी लुक्स दिखाने जा रहे हैं, ताकि आप उससे टिप्स लेकर उन्हीं की तरह जलवा बिखेर सकें।

गाउन

शादियों का सीजन चल रहा है, अगर आप इस सीजन में गाउन खरीदने का सोच रहीं हैं तो हिमांशी खुराना के इस लुक्स से टिप्स ले सकती हैं। एक्ट्रेस और पंजाबी सिंगर इस गाउन में काफी प्यारी दिख रहीं हैं। इसके साथ उन्होंने एक दुपट्टा भी कैरी किया है।

साड़ी

साड़ी में तो हर लड़की खूबसूरत लगती है। ऐसे में आप अगर साड़ी पहनना चाहती हैं तो हिमांशी के इस लुक से टिप्स ले सकती हैं। प्लेन साड़ी के साथ अपोजिट रंग का ब्लाउज पहनकर हिमांशी काफी प्यारी लग रहीं हैं।

पैंट सूट

ज्यादातर लड़कियां आजकल इसी तरह का पैंट सूट पहनना पसंद करती हैं। ये काफी आरामदायक भी होता है। ऐसे में हिमांशी भी अक्सर इसी तरह के सूट में दिखाई देती हैं।

अनारकली सूट

ये अनारकली सूट हिमांशी के ऊपर देखने में और भी ज्यादा प्यारा लग रहा है।
ब्लैक और व्हाइट रंग के अनारकली सूट में हिमांशी काफी ज्यादा खूबसूरत लग रहीं हैं। इस सूट में ज्यादा काम भी नहीं है, सिर्फ ब्लैक रंग से बॉर्डर से इसका लुक निखरकर सामने आ रहा है।

ऑफ शोल्डर ड्रेस

शिमरी वाली इस ऑफ शोल्डर ड्रेस में हिमांशी काफी ज्यादा ग्लैमरस दिख रहीं हैं।
इस ड्रेस के साथ उन्होंने अपने बालों को हाफ कर्ल किया है। इस ड्रेस के साथ हील्स भी कमाल की लग रहीं हैं।

पटियाला सूट

हिमांशी खुराना एक पंजाबी लड़की हैं। ऐसे में उनके पास पटियाला सूट ना हो, ये तो हो ही नहीं सकता।
इस ऑरेंज रंग के पटियाला सूट में हिमांशी काफी खूबसूरत दिख रहीं हैं। फुल स्लीव का ये सूट बहुत ही ज्यादा खूबसूरत है।

फलों के अलावा इन सब्जियों की मदद से भी चेहरा चमका सकते हैं आप, जानें इसका सही तरीका

एनटीवी

हम सभी को अक्सर ये सलाह मिलती है कि अपनी डाइट में ज्यादा से ज्यादा फलों और सब्जियों को शामिल करें। इनके सेवन से शरीर अंदर से तंदरूस्त बनता है। ऐसे में बड़े से लेकर बच्चे तक अपने खाने में फल और ज्यादा से ज्यादा सब्जियों का इस्तेमाल करते हैं। शरीर की आंतरिक तंदरूस्ती मजबूत करने के साथ बाहर से भी त्वचा की रंगत निखारना बेहद जरूरी होता है।
बाहरी त्वचा की रंगत निखारने के लिए बाजार में कई प्रकार के फलों से बने फेसपैक मिल जाते हैं, पर क्या आप जानते हैं कि सब्जियों के बने फेसपैक के इस्तेमाल से भी आपकी त्वचा खिल उठेगी। इसके लिए आपको ज्यादा मेहनत करने की जरूरत भी नहीं हैं।
आज के लेख में हम आपको सब्जियों के बनें कुछ फेसपैक बनाना बता रहे हैं। इन सब्जियों के फेसपैक के नियमित इस्तेमाल से आपकी त्वचा खिल उठेगी। इनका इस्तेमाल करना और इन फेसपैक को बनाना बेहद ही सरल है।

खीरे का फेसपैक

इसे बनाने के लिए आपको आधा खीरा चाहिए होगा। इसके साथ ही चौथाई कप ठंडी ग्रीन टी की भी आपको जरूरत पड़ेगी।

ऐसे करें तैयार

इसे बनाने के लिए सबसे पहले खीरे को छीलकर पीस लें। इसके बाद इसमें ठंडी ग्रीन टी को मिलाकर चेहरे पर लगाएं। तकरीबन दस मिनट के बाद आपको चेहरा धो लेना है। आप इसका इस्तेमाल हफ्ते में एक बार कर सकते हैं।

टमाटर का पैक

टमाटर का पैक तैयार करने के लिए आपको एक टमाटर का पल्प चाहिए। इसके साथ ही एक टीस्पून गुलाब जल और चौथाई टीस्पून नींबू के रस की आपको जरूरत पड़ सकती है।

ऐसे करें तैयार

एक कटोरे में इन सभी चीजों को मिलाकर इससे अपने चेहरे पर मसाज करें। मसाज करने के बाद तकरीबन 5 मिनट चेहरे को ऐसे ही रखें और फिर चेहरा धो लें। अगर आप 15 दिन में इस पैक का इस्तेमाल करेंगे तो आपकी त्वचा खिल उठेगी।

पालक का फेसपैक

इसे तैयार करने के लिए आपको साफ किए हुए पालक की थोड़ी सी पत्तियों की जरूरत पड़ेगी। इसके साथ ही इसमें मिलाने के लिए आपको आधा केला चाहिए होगा।

ऐसे करें तैयार

इस पैक को तैयार करने के लिए सबसे पहले इन दोनों चीजों को मिक्सी में पीस कर पेस्ट बना लें। इसके बाद इसे दस मिनट के लिए चेहरे पर लगाएं। दस मिनट के बाद चेहरे को गुनगुने पानी से धो लें।

खूबसूरत बाल पाने के लिए इस आसान तरीके से घर पर करें हेयर स्पा, मिलेगी बेहतरीन शाइन

अगर आप भी घर पर हेयर स्पा करना चाहते हैं, तो बता दें कि आप कम खर्चे में आसानी से घर पर भी हेयर स्पा कर सकते हैं। हम आपको घर पर हेयर स्पा करने का तरीका बता रहे हैं। इससे आप स्मूथ और शाइनी हेयर पा सकते हैं।
हर मौसम में अपने बालों का ख्यास ख्याल रखना पड़ता है। बालों का ख्याल रखने के लिए हम सभी ना जाने कितने हेयर प्रोडक्ट और हेयर ट्रीटमेंट का इस्तेमाल करते हैं।
वहीं अगर बात बालों की देखभाल की हो, तो इसके लिए हमें मार्केट में कई तरह की टेक्नोलॉजी मिल जाती है। लेकिन इनके अपने कुछ नुकसान भी होते हैं। ऐसे में अगर आप भी चाहते हैं कि आप बिना किसी नुकसान के बालों की देखभाल करना चाहते हैं, तो आप कम खर्चे में आसानी से घर पर भी हेयर स्पा कर सकते हैं।

इंस्टा पर्सनल लोन ऑफर

एक रिपोर्ट के मुताबिक हेयर स्पा हमारे बालों को कई तरह से फायदा पहुंचाता है। वहीं ऑलिव ऑयल बालों को कई तरह से फायदा पहुंचाता है। ऐसे में अगर आप भी हर पर हेयर स्पा लेना चाहते हैं। तो यह आर्टिकल आपके लिए है, आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको घर पर हेयर स्पा करने का तरीका बता रहे हैं। इससे आप स्मूथ और शाइनी हेयर पा सकते हैं।

आवश्यक सामग्री

ऑलिव ऑयल- 2 से 3 चम्मच

केले- 2 से 3

ऑलिव ऑयल के फायदे

आपको बता दें कि ऑलिव ऑयल में एंटी-फंगल तत्व पाए जाते है, जो आपके बालों को डैंड्रफ से बचाने में सहायक होता है।

वहीं ऑलिव ऑयल आपके बालों को अल्ट्रावायलेट किरणों से बचाने के साथ ही बालों को मॉइश्चराइज देने का काम करता है।

ऑलिव ऑयल के रोजाना इस्तेमाल से बाल शाइनी और स्मूथ होते हैं।

बालों में केला अप्लाई करने के फायदे

बता दें कि बालों में केला अप्लाई करने से आपके बाल स्मूथ और शाइनी बनते हैं। क्योंकि केले में विटामिन सी पाया जाता है।

इससे बालों की फ्रिजीनेस कम होती है।

केले में मौजूद एंटीमाइक्रोबियल गुण आपके बालों को डैमेज होने से बचाता है।

इसमें मौजूद एंटी-फंगल प्रॉपर्टी खुजली को कम करने में मदद करता है।
इस तरह से केला और ऑलिव ऑयल बालों को अच्छे से पोषण देने में मदद करता है।

कैसे करें हेयर स्पा

घर पर हेयर स्पा करने के लिए सबसे पहले 2-3 केले को एक बाउल में मैश कर लें।

फिर मैश किए हुए केले में 3 चम्मच ऑलिव ऑयल मिक्स कर लें।

इसके बाद इसको अपने बालों की लेंथ में अप्लाई करें।
फिर इसे बालों में 15-20 मिनट तक लगा रहने दें।
इसके बाद 10 मिनट बालों को स्टीम करें और फिर तौलिए की मदद से बालों को कवर कर लें।
अब 10 मिनट तक तौलिए से कवर करने के बाद पानी की मदद से बालों को धो लें।
बालों को धोने के दौरान शैंपू और कंडीशनर जरूर करें, जिससे बाल अच्छे से साफ हो जाएं।
इस दौरान आप एक बात का ध्यान रखें कि अगर आपकी स्किन सेंसिटिव है, तो आपको पहले एक्सपर्ट्स की सलाह जरूर लेनी चाहिए। उसके बाद ही आपको कोई नुस्खा आजमाना चाहिए।

उत्तराखंड में बर्फबारी और बारिश, दिल्ली-एनसीआर में भी आज होगी बरसात, जम्मू-हिमाचल में ऐसा रहेगा मौसम

एनटीवी

दिल्ली-एनसीआर दिल्ली समेत उत्तर भारत में ठंड का असर साफ दिख रहा है। दिल्ली के अलावा एनसीआर और उत्तर भारत के कई राज्यों में मौसम विभाग की ओर से पूवार्नुमान बता दिया है। उम्मीद की जा रही है सोमवार को मौसम में बदलाव के बाद कुछ इलाकों में हल्की बारिश या बूंदाबांदी हो सकती है। देश की राजधानी दिल्ली में ठंड का अहसास होने लगा है। जहां एक तरफ प्रदूषण का स्तर खराब स्थिति में बना हुआ है तो वहीं मौसम में लगातार बदलाव देखा जा रहा है। दिल्ली के अलावा एनसीआर और उत्तर भारत के कई राज्यों में मौसम विभाग की ओर से पूवार्नुमान बता दिया गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि दिल्ली एनसीआर में मौसम सर्द होने के कारण प्रदूषण के कण वातावरण में फैल नहीं पाए। दिन में हल्की धूप जरूर खिली, लेकिन शाम ढलते हल्की ठंड ने प्रदूषण के स्तर को बढ़ा दिया। दिल्ली-एनसीआर में आज बारिश की संभावनाउम्मीद की जा रही है सोमवार को मौसम में बदलाव के बाद कुछ इलाकों में हल्की बारिश या बूंदाबांदी हो सकती है। इससे प्रदूषण में गिरावट हो सकती है। भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान के मुताबिक, बीते रविवार को दिल्ली में मुख्य सतही हवा 08-04 किमी प्रति घंटे की गति से दक्षिण पूर्व व पूर्व दिशा से चली। सुबह के समय आंशिक रूप से बादल छाए रहे। साथ ही धुंध से मौसम कुछ सर्द हुआ। मौसम में ठंडक के कारण स्थानीय प्रदूषण के कण आसमान में फैल नहीं पाए जिस कारण स्थिति खराब हुई। दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण से अभी राहत नहीं वहीं सोमवार को प्रमुख सतही हवाएं पूर्वोत्तर दिशा से आने की संभावना है। हवा की गति 4-16 किमी प्रति घंटे रह सकती है। सुबह के समय आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे और कुछ स्थानों पर बहुत हल्की बारिश या बूंदाबांदी हो सकती है।

बारिश के कारण तापमान में गिरावट के साथ प्रदूषण स्तर में सुधार की उम्मीद है। संस्थान के मुताबिक रविवार को दिल्ली की वायु गुणवत्ता बेहद खराब श्रेणी में रही। सोमवार को भी स्थिति में ज्यादा सुधार की संभावना नहीं है। आशंका की जा रही है कि दिल्ली में अलग छह दिनों तक प्रदूषण का स्तर बेहद खराब श्रेणी में रहने की आशंका है। आधी दिल्ली में गंभीर हुआ प्रदूषण का स्तर जानकारी के लिए बता दें कि मौसमी बदलाव के बाद दिल्ली की हवा फिर से गंभीर हो गई है। रविवार को एनसीआर में दिल्ली सबसे ज्यादा प्रदूषित रही। यहां एक्यूआई 400 के करीब दर्ज किया गया जो बेहद खराब है। शनिवार के मुकाबले वायु गुणवत्ता सूचकांक सात अंक ज्यादा है। दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण स्तर के साथ लगभग आधे केंद्रों पर एक्यूआई गंभीर श्रेणी में रहा। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक आईटीओ पर 410, मंदिर मार्ग पर 407, पंजाबी बाग पर 442, नार्थ कैंपस में 419, नेहरू नगर में 430, पटपड़गंज में 436, अशोक विहार में 448, सोनिया विहार में 440, जहांगीरपुरी में 459, रोहिणी में 434, विवेक विहार में 450, ओखला में 410, वजीरपुर में 469, बवाना में 441, मुंडका में 435, आनंद विहार में 433 और बुराडी में 410 एक्यूआई दर्ज किया गया। उत्तर भारत का मौसम वहीं दूसरी तरफ उत्तर प्रदेश में बारिश और ठंड को लेकर चेतावनी जारी कर दी गई है। मौसम विभाग के अनुसार, 27 नवंबर को पश्चिमी यूपी में बारिश की संभावना है। इससे पहले 2014 में न्यूनतम तापमान 5.9 डिग्री पहुंचा था। शुक्रवार यानी एक दिसंबर से पछुआ हवाओं का प्रभाव कम होने से पारे में बढ़ोतरी होगी। मौसम विभाग ने बताया कि उत्तराखंड में 28 नवंबर को बारिश हो सकती है। उत्तराखंड के यमुनोत्री धाम सहित यमुना घाटी में बादल छाए हुए हैं। यमुनोत्री धाम के आसपास बर्फबारी शुरू हो गई है।

मयूर विहार में दिल्ली पुलिस ने किया एनकाउंटर, अर्श डल्ला गैंग के दो शूटर मुठभेड़ के बाद दबोचे

एनटीवी

देश की राजधानी दिल्ली में रविवार देर रात दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल और गैंगस्टर के बीच मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ में एक बदमाश के पैर में गोली लगी है। उसे गिरफ्तार कर पुलिस ने इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। कनाडा में रहने वाले खालिस्तानी आतंकवादी अर्शदीप डल्ला के गिरोह के गुर्गों के साथ पुलिस की मुठभेड़ रविवार और सोमवार की आधी रात को दिल्ली के मयूर विहार इलाके में हुई, पुलिस सूत्रों के मुताबिक दोनों शूटर पंजाब के एक मामले में पैरोल खत्म होने के बाद से फरार थे, उन्होंने एक पंजाबी गायक पर हमला करने की योजना बनाई थी, स्पेशल सेल ने दोनों को दबोचा है, एक बदमाश के पैर में गोली लगी है। पुलिस को मिली गुप्त सूचना के बाद गैंगस्टर अर्शदीप सिंह डल्ला के दो शार्पशूटर राजप्रीत सिंह राजा और वीरेंद्र सिंह विम्मी को गिरफ्तार कर लिया गया है। मुठभेड़ के बाद दोनों को अक्षरधाम मंदिर रोड

पर मयूर विहार के समाचार अपार्टमेंट के पास के गिरफ्तार किया है। मुठभेड़ के दौरान शार्पशूटरों की तरफ से पांच बार फायरिंग की गई। पुलिस ने बताया कि दो बुलेट पुलिस कर्मी को लगी हैं। जवाबी कार्रवाई के दौरान पुलिस टीम ने छह राउंड फायरिंग की। इसी भुठभेड़ के दौरान शार्पशूटर वीरेंद्र सिंह के दाए पैर में गोली लग गई। जिसकी वजह से वह घायल हो गया। दोनों आरोपियों को मुठभेड़ के बाद एलबीएस अस्पताल में भर्ती किया गया है। जहां दोनों चल रहा है। पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि मुठभेड़ के दौरान आरोपियों के पास से दो बंदूक मिली है और 13 जिंदा कारतूस बरामद हुए हैं। इसके अलावा चोरी की बाइक भी बरामद की है। दिल्ली पुलिस ने विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि साल 2023 में इन दोनों शार्पशूटर को अर्शदीप डल्ला ने पंजाबी गायक एली मांगट की हत्या का काम सौंपा था। लेकिन इस मिशन ने दोनों कामयाब नहीं हो पाए थे।

संक्षिप्त खबरें

आठ साल पुरानी डाली थी आपत्तिजनक पोस्ट, पंजाब से दबोचा

दिल्ली-एनसीआर

उत्तर प्रदेश पुलिस ने आठ साल पुरानी आपत्तिजनक पोस्ट डालने पर एक यूट्यूबर के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस ने आरोपी की पहचान कर पंजाब से हिरासत में लिया है।कोतवाली क्षेत्र में आठ साल पहले हुए एक मामले की आपत्तिजनक पोस्ट यूट्यूब चैनल पर अपलोड करने के आरोप में यूट्यूबर के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। उत्तर प्रदेश के अंबेडकर नगर निवासी आरोपी इंद्रजीत यादव को पंजाब से हिरासत में लेकर पुलिस पूछताछ कर रही है। पुलिस पिछले दो माह से उसकी तलाश कर रही थी। दनकौर क्षेत्र के एक दलित व्यक्ति की वर्ष 2015 में बाइक लूट ली गई थी। आरोप है कि पुलिस ने इस मामले में पीड़ित की शिकायत पर केस दर्ज नहीं किया था। इसके कारण पीड़ित ने अपने परिवार की महिलाओं और पुरुषों के साथ मिलकर कोतवाली के पास नग्न अवस्था में प्रदर्शन किया था। जिसका वीडियो कुछ लोगों ने बना लिया था। करीब आठ साल बाद घटना का वीडियो और कंटेंट एक यूट्यूब चैनल पर अपलोड किया गया। जिसमें बताया गया कि परिवार के साथ पुलिस ने काफी बर्बरता की है। इसकी जानकारी होने पर स्थानीय पुलिस ने मामले की जांच करनी शुरू कर दी। इसके बाद यूट्यूबर ने उक्त वीडियो को डिलीट कर दिया।

आखिर कैसे होगा प्रदूषण पर नियंत्रण, 50% पद खाली, राज्यों को नोटिस भेजकर एनजीटी ने किया जवाब तलब

दिल्ली-एनसीआर

देश के कमोबेश सभी प्रदेशों और केंद्रित शासित राज्यों में प्रदूषण नियंत्रण के लिए बने बोर्ड और कमेटियों में 50 फीसदी से अधिक पद खाली पड़े हैं। प्रदूषण की जांच के लिए बनीं प्रयोगशालाएं भी मानकों को पूरा नहीं करतीं। दो तिहाई से अधिक लैब को सक्षम एजेंसियों से प्रमाणित तक नहीं कराया गया है। एक ओर प्रदूषण बेकाबू हो रहा है। वहीं दूसरी तरफ देश के कमोबेश सभी प्रदेशों और केंद्रित शासित राज्यों में प्रदूषण नियंत्रण के लिए बने बोर्ड और कमेटियों में 50 फीसदी से अधिक पद खाली पड़े हैं। प्रदूषण की जांच के लिए बनीं प्रयोगशालाएं भी मानकों को पूरा नहीं करतीं। दो तिहाई से अधिक लैब को सक्षम एजेंसियों से प्रमाणित तक नहीं कराया गया है। प्रदूषण नियंत्रण की खराब हालत पर अब नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अलावा यूपी, पंजाब, दिल्ली सहित 36 प्रदेश और केंद्र शासित राज्यों को नोटिस जारी किया है। सभी राज्य सरकारों से ट्रिब्यूनल ने प्रशासनिक और तकनीकी पदों के अलावा प्रयोगशालाओं में मौजूद संसाधनों पर जवाब देने के लिए आदेश किया है। एनजीटी ने इस हालात पर स्वतः संज्ञान लिया है। चेयरमैन जस्टिस प्रकाश श्रीवास्तव, विशेषज्ञ सदस्य डॉ. ए सेंथिल वेल की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि राज्य सरकार अपनी रिपोर्ट में बताएं कि संबंधित प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड अथवा कमेटी और उनकी लैब में स्वीकृत स्टाफ और तैनाती के अलावा क्या संसाधन उनके पास उपलब्ध हैं। अत्यधिक प्रदूषण वाले हॉट-स्पॉट को चिह्नित करने के लिए

साइबर सिटी में घर खरीदना हो सकता है महंगा, प्रस्तावित कलेक्टर रेट में 70% तक बढ़ोतरी

- इस वर्ष प्रॉपर्टी बाजार में आए उछाल का असर प्रशासन के प्रस्तावित कलेक्टर रेट पर भी दिखाई दे रहा है जिससे साइबर सिटी में अगले वर्ष से घर खरीदना और महंगा हो सकता है।

एनटीवी

दिल्ली-एनसीआर रविवार को जिला प्रशासन की ओर से वर्ष 2024 के लिए प्रॉपर्टी के नए कलेक्टर रेट प्रस्तावित किए गए हैं। इस पर लोगों से सात दिसंबर तक प्रस्तावित दरों पर आपत्तियां मांगी गई हैं। इस वर्ष प्रॉपर्टी बाजार में आए उछाल का असर प्रशासन के प्रस्तावित कलेक्टर रेट पर भी दिखाई दे रहा है जिससे साइबर सिटी में अगले वर्ष से घर खरीदना और महंगा हो सकता है। रविवार को जिला प्रशासन की ओर से वर्ष 2024 के लिए प्रॉपर्टी के नए कलेक्टर रेट प्रस्तावित किए गए हैं। इस पर लोगों से सात दिसंबर तक प्रस्तावित दरों पर आपत्तियां मांगी गई हैं। बादशाहपुर, फर्रुखनगर, वजीराबाद, मानेसर, सोहना, पटौदी और हरसरू क्षेत्र में प्रस्तावित किए गए नए प्रॉपर्टी रेट में वजीराबाद क्षेत्र में नाथूपुर, डीएलएफ क्षेत्र में सबसे अधिक दर प्रस्तावित है। गांव से शहर के बीच की परिपाटी बन रहे इस क्षेत्र में रिहायशी और व्यावसायिक दोनों ही क्षेत्र में प्रॉपर्टी के दाम में 60 से 70 फीसदी बढ़ी हुई कीमतें प्रस्तावित की गई हैं। जिला प्रशासन की ओर से ग्रामीण व शहरी क्षेत्र में प्रस्तावित नए कलेक्टर रेट डिस्ट्रिक्ट वेबसाइट पर डाले गए हैं। लोग सात दिसंबर तक कलेक्टर रेट पर अपनी आपत्तियां व सुझाव दे सकेंगे। दावे व आपत्तियों को सुनने के बाद प्रशासन की तरफ से कलेक्टर रेट सरकार के पास भेज दिए जाएंगे। जिला स्तर पर प्रस्तावित कलेक्टर रेट अब आपत्तियां आने के बाद संशोधित किए जाएंगे। इसके लिए जनता से आपत्तियां मांगी गई हैं। आपत्तियों व सुझावों के लिए जिला लघु सचिवालय स्थित एचआरए शाखा में कमरा नंबर 212 में संपर्क कर सकते हैं। जिला राजस्व अधिकारी पूनम बब्बर ने बताया कि दर्ज आपत्तियों पर सुझाव पर विचार किया जाएगा। इसके लिए अलग अलग कमेटियां काम करेंगी। सभी तरह के सुझाव को ध्यान में रखते हुए नए प्रस्तावित रेट व सुझाव राज्य सरकार को भेजे जाएंगे। सरकार की ओर से निर्धारित कमेटी अपनी प्रक्रिया पूरी कर प्रशासन को सूचना भेजेगी। बादशाहपुर में 80 फीसदी तक बढ़ी हुई कीमतें प्रस्तावित प्रशासन की ओर से सुझाए गए बादशाहपुर में कृषि और व्यावसायिक जमीन की दर में 40 से 80 फीसदी बढ़ी हुई कीमतें प्रस्तावित की गई हैं।

ट्रेड फेयर में 1.5 लाख से ज्यादा लोग पहुंचे, आज आखिरी दिन; भीड़ बढ़ने की उम्मीद

एनटीवी

दिल्ली-एनसीआर सोमवार को मेले का आखिरी दिन है, शाम करीब पांच बजे समापन समारोह होगा। प्रगति मैदान में दोपहर बाद मेला देखने आने वाले लोगों की भीड़ तेजी से बढ़ी। हरेक एंट्री गेट पर लंबी कतार रही। पार्किंग में वाहनों की भरमार रही। सभी हॉल भीड़ से भरे हुए थे। ट्रेड फेयर में रविवार को 1.5 लाख से ज्यादा लोग पहुंचे और जमकर खरीदारी की। एक दिन में प्रगति मैदान में आयोजित किसी मेले में आने वाली ये रिकार्ड भीड़ है। सोमवार को मेले का आखिरी दिन है, शाम करीब पांच बजे समापन समारोह होगा। मेले में विभिन्न उत्पादों पर भारी छूट दी जा रही। मेला आयोजक आईटीपीओ को आखिरी दिन भी जमकर भीड़ जुटने की उम्मीद है, क्योंकि गुरुनानक देव की जयंती की छुट्टी है। प्रगति मैदान में दोपहर बाद मेला देखने आने वाले लोगों की भीड़ तेजी से बढ़ी। हरेक एंट्री गेट पर लंबी कतार रही। पार्किंग में वाहनों की भरमार रही। सभी हॉल भीड़ से भरे हुए थे। फूड स्टॉल में जगह नहीं मिलने पर लोग खुले मैदान में बैठ कर खाना खाते दिखे। उत्तराखंड, केरल, उत्तर प्रदेश और खादी के पवेलियन में गुड़, चावल, दाल, मसाले, गर्म कपड़े, धूप बत्ती, अगरबत्ती, होम्योपैथिक और आयुर्वेदिक दवा और किचन के सामान की जमकर बिक्री हुई। होम डेकोर और हैंडलूम के सामान खरीदने में महिलाओं ने खूब दिलचस्पी दिखाई। युवा वर्ग ने कपड़े, जूते और परफ्यूम खरीदने में दिलचस्पी दिखाई। बनारस का पेड़ा, मथुरा की बर्फी, गाजियाबाद के मिल्क शेक और छाछ की जमकर बिक्री हुई। हॉल पांच की पहली मंजिल पर किड्स जोन में बच्चे प्ले स्टेशन, स्लाइडिंग, राइडिंग के मजे ले रहे। वीडियो गेम के लिए बच्चे अपनी बारी का इंतजार करते दिखे। थकान मिटाने के लिए वाटर लाइट, साउंड शो ट्रेड फेयर में मनोरंजन के लिए भी कई इंतजाम हैं। एंफीथियेटर में सांस्कृतिक कार्यक्रम हो रहे, वाटर, लाइट, साउंड शो देखने के लिए भीड़ उमड़ रही। हॉल एक के नजदीक फाउंटेन के पास बैठकर लोग संगीत का आनंद ले रहे और अपनी थकान मिटा रहे। ज्वेलरी और धातुओं की मूर्तियों की बिक्री भी खूब सोने, चांदी, टेराकोटा, स्टोन व फैब्रिक जूलरी और धातुओं की मूर्तियों की बिक्री भी जमकर हो रही। असम पवेलियन में महिलाओं और पुरुषों के लिए ऊनी स्वेटर, मफलर, टोपी, शॉल, स्कार्फ और फुटवियर की मांग खूब है। इसी तरह जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश के पवेलियन में भी ऊनी कपड़ों की एक से बढ़कर एक वैरायटी बिक रहीं हैं। जैविक रेशम से निर्मित साड़ियां, धोती, कुर्ते, दुपट्टा, सलवार की भी असम पवेलियन में भरमार है। पांच हजार से 1.5 लाख रुपये तक की साड़ियां, दुपट्टे की कीमत 1500 से 3 हजार रुपए तक, जैकेट 4000 रुपये तक मिल रही। आधुनिक तकनीक से की जाने वाली खेती में ड्रोन शामिल होगा देश में अब आधुनिक तकनीक से की जाने वाली खेती में ड्रोन शामिल होने वाला है। लिहाजा वह दिन दूर नहीं है जब खेतों में ड्रोन उड़ते नजर आएंगे। ड्रोन से बूस्टर डोज, नैनो यूरिया और कीटनाशक का छिड़काव किया जा सकेगा। प्रगति मैदान में अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में यह ड्रोन किसानों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। हरियाणा मंडप में हिसार स्थित उत्तरी क्षेत्र कृषि मशीनरी प्रशिक्षण एवं परीक्षण संस्थान के स्टॉल पर इस ड्रोन को देखने ही नहीं, बल्कि इसके बारे में जानकारी लेने वालों का तांता लगा रहता है।

दिल्ली में चार अस्पतालों के चक्कर काटने के बाद भी नहीं मिला उपचार

एनटीवी

दिल्ली-एनसीआर वह पिता को बचाने के लिए राजधानी के एक नहीं चार अस्पतालों में लेकर गए, मगर किसी भी अस्पताल को उनके पिता पर दया नहीं आया और इलाज के अभाव में केशव के पिता ने दम तोड़ दिया। यूपी के बिजनौर निवासी केशव के पिता को दिल की गंभीर बीमारी थी। वह पिता को बचाने के लिए राजधानी के एक नहीं चार अस्पतालों में लेकर गए, मगर किसी भी अस्पताल को उनके पिता पर दया नहीं आया और इलाज के अभाव में केशव के पिता ने दम तोड़ दिया। स्थिति खराब होने पर उन्हें आईसीयू व वेंटिलेटर की जरूरत पड़ी, लेकिन उपलब्धता न होने पर अस्पतालों ने भर्ती करने की जगह दूसरे अस्पताल में जाने का सुझाव दिया। परेशान होकर एक निजी अस्पताल में भर्ती करवाया जहां पिता ने दम तोड़ दिया। दरअसल उत्तर प्रदेश के बिजनौर से केशव के पिता को दिल की बीमारी थी। शुक्रवार को स्थिति गंभीर होने के बाद पहले यूपी के निजी अस्पताल में लेकर गए। वहां से उन्हें एम्स भेजा गया। एम्स की इमरजेंसी में आईसीयू व वेंटिलेटर बेड न होने पर दूसरे अस्पताल में जाने को कहा गया। वहां से सफदरजंग और फिर जीबी पंत के अलावा अन्य अस्पताल में भी आईसीयू व वेंटिलेटर बेड न मिलने पर यूपी के निजी अस्पताल में पिता ने दम तोड़ दिया। वहीं डॉक्टरों ने की माने तो एम्स में सभी मरीजों को भर्ती करना संभव नहीं है। एम्स में रोजाना 850 से अधिक मरीज आते हैं, जबकि 50 बेड की ही उपलब्धता है। इसके अलावा कुछ लोगों को अन्य सहयोग की मदद से इलाज मिलता है। ऐसे में बड़ी संख्या में मरीजों को बेड के अभाव में रेफर करना पड़ता है। वहीं सफदरजंग अस्पताल प्रशासन का कहना है कि आईसीयू व वेंटिलेटर बेड का अभाव है। अस्पताल में रोजाना काफी संख्या में मरीज आते हैं और सभी को आईसीयू व वेंटिलेटर उपलब्ध करवा पाना संभव नहीं है। पायलट प्रोजेक्ट भी नहीं भर पाया उड़ान रेफरल नीति के लिए पायलट प्रोजेक्ट के तहत दो अस्पतालों को जोड़ने की दिशा में भी काम नहीं हो पाया। एम्स ने पायलट प्रोजेक्ट के तहत द्वारका स्थित इंदिरा गांधी अस्पताल और एनडीएमसी के चरक पालिका अस्पताल में सुविधा शुरू करने की दिशा में प्रयास किया था। इसके लिए एम्स के डॉक्टरों ने इन अस्पतालों में जाकर इमरजेंसी चिकित्सा की ट्रेनिंग भी दी, लेकिन यह प्रोजेक्ट भी ठंडे बस्ते में चला गया। इस बारे में इंदिरा गांधी अस्पताल के निदेशक डॉ. ईश्वर सिंह का कहना है कि अभी इस दिशा में कोई ठोस काम नहीं हो पाया है। जबकि डॉक्टरों का कहना है कि अस्पताल अपने मरीज का लोड ही संभाल नहीं पा रहा है। 5.7 % मरीजों को मिल पाता है बेडएम्स ने मरीजों को दूसरे अस्पतालों में रेफर करने के लिए दिल्ली के 20 अस्पतालों के साथ एक साल पहले अक्टूबर में बैठक की थी। एम्स के निदेशक डॉ. एम श्रीनिवास की अध्यक्षता में हुई बैठक को एक साल से अधिक का समय हो गया, लेकिन अभी तक रेफरल नीति नहीं बन पाई है। एम्स के सूत्रों का कहना है कि यह मामला पूरी तरह से ठंडे बस्ते में चला गया है। कुछ माह पूर्व दिल्ली के अस्पतालों के साथ उचित रेफरल नीति बनाने के लिए उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने एम्स निदेशक डॉ. एम श्रीनिवास, मुख्य सचिव, एनडीएमसी के चेयरमैन, स्वास्थ्य के प्रधान सचिव, स्वास्थ्य निदेशालय के महानिदेशक, अस्पतालों के चिकित्सा निदेशक के साथ उच्चस्तरीय बैठक की थी।

दिल्ली सरकार पर भाजपा का वार, गौरव भाटिया बोले- भ्रष्टाचार केजरीवाल की गारंटी

एनटीवी

दिल्ली-एनसीआर दिल्ली सरकार पर एक बार फिर भारतीय जनता पार्टी ने निशाना साधा है। भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने प्रेस वार्ता के दौरान कहा कि भ्रष्टाचार केजरीवाल की गारंटी है। जल बोर्ड में घोटाला किया जा रहा है। ठेके का पैसा बढ़ेगा तो लूट तो मचेगी। भाजपा ने दिल्ली जल बोर्ड में घोटाले को लेकर केजरीवाल सरकार को घेरा है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने प्रेस वार्ता के दौरान एक और बड़े घोटाले का दावा किया है। उन्होंने पीसी के दौरान कहा कि भ्रष्टाचार केजरीवाल की गारंटी है। जल बोर्ड में घोटाला किया जा रहा है। ठेके का पैसा बढ़ेगा तो लूट तो मचेगी। प्रेस वार्ता के दौरान गौरव

भाटिया ने कहा कि भ्रष्टाचार का कोई पर्याय है, घोटालों के लिए कोई जाना जाएगा। लूट का कोई एक्सपर्ट, कमीशन खोरी में कोई एक्सपर्ट है तो वह दिल्ली सरकार है। क्राइम मास्टर गोगो अरविंद केजरीवाल जी पूछते हैं मेरी कमीशन क्या है। दिल्ली जल बोर्ड में जो घोटाला हुआ है। उन्होंने आगे कहा कि सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट निर्माण को लेकर घोटाला हुआ है। जिसमें दो काम होने थे एक अपग्रेडेशन और दूसरा अपग्रेडेशन के साथ क्षमता को बढ़ाना। जिसकी लागत 900 करोड़ के आस पास थी।

देर रात तेज रफ्तार कार ने छह मजदूरों को रौंदा, एक की मौत और पांच घायल

एनटीवी

दिल्ली-एनसीआर हादसे में मूलरूप से सीतापुर के लहरपुर गांव निवासी इस्लाम (22) की मौत हो गई जबकि पांच अन्य घायल हो गए। घायलों में इस्लामुद्दीन, तौसिफ और इमामुद्दीन की हालत गंभीर बनी हुई है। उन्हें सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सेक्टर-83 में शनिवार आधी रात को तेज रफ्तार कार ने कंपनी से पैदल लौट रहे छह कर्मचारियों को टक्कर मार दी। हादसे में मूलरूप से सीतापुर के लहरपुर गांव निवासी इस्लाम (22) की मौत हो गई जबकि पांच अन्य घायल हो गए। घायलों में इस्लामुद्दीन, तौसिफ और इमामुद्दीन की हालत गंभीर बनी हुई है। उन्हें सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं मामूली रूप से घायल शईक और तालिब को प्राथमिक इलाज के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। कोतवाली फेज टू पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर कार की तलाश में जुट गई है। कोतवाली फेज-2 स्थित प्लास्टिक का सामान बनाने वाली कंपनी में काम करने वाले छह कर्मचारी शिफ्ट खत्म होने के बाद शनिवार रात करीब 1:15 बजे घर जा रहे थे। सेक्टर-83 में एप्पल कंपनी के सामने सफेद रंग की

तेज रफ्तार कार ने उन्हें टक्कर मार दी। पुलिस ने सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया। अस्पताल में इलाज के दौरान इस्लाम ने दम तोड़ दिया। वहीं पांचों घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। गंभीर रूप से घायल तीन को दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल रेफर कर दिया गया है। नोएडा सेंट्रल जोन के एडीसीपी हृदयेश कठेरिया के मुताबिक घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाले जा रहे हैं। जल्द ही कार और चालक की पहचान कर ली जाएगी। उन्होंने कहा कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर परिजनों को सूचित कर दिया गया है। ऑडी की टक्कर से युवक की मौत एक अन्य घटना में सूरजपुर कोतवाली क्षेत्र के खोदना गांव में बरात में आए युवक इरफान की ऑडी कार की टक्कर से मौत हो गई। घटना 23 नवंबर की है। इरफान के भाई फुरकान की शिकायत पर पुलिस ने ऑडी चालक के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। जारचा पुलिस को दी शिकायत में गांव पटाडी निवासी फुरकान ने कहा है कि बड़ा भाई इरफान दोस्त की शादी समारोह में शामिल होने के लिए सूरजपुर आया था। खोदना गांव में ऑडी कार ने इरफान को टक्कर मार दी। हादसे में बुरी तरह घायल इरफान को अस्पताल ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वारदात के बाद इरफान के ऑडी कार पर खड़े होकर डांस करने और चालक के अचानक कार चलाने से गिरकर मौत होने की सूचना वायरल हुई थी।

एसोसिएशन की जल बोर्ड को चिट्ठी, काम बंद का एलान, अधिकारियों ने दी सफाई

- इस कारण ठेकेदारों ने एक बैठक में पानी का रिसाव, जल आपूर्ति का रखरखाव समेत अन्य कार्य सोमवार से बंद करने का निर्णय लिया है।

एनटीवी

दिल्ली-एनसीआर दिल्ली में ठेकेदारों का बकाया भुगतान नहीं मिलने पर सोमवार से काम नहीं करने का एलान किया है। जिसकी वजह से जलापूर्ति और सीवर व्यवस्था प्रभावित होने का खतरा है। इस संबंध में उनकी ठेकेदार वेलफेयर एसोसिएशन ने जल बोर्ड के अधिकारियों को पत्र लिखकर अवगत कराया है। राजधानी में पेयजल आपूर्ति के साथ-साथ सीवर व्यवस्था प्रभावित होने का खतरा पैदा हो गया है। दरअसल दिल्ली जल बोर्ड की योजनाओं को अमलीजामा पहनाने वाले ठेकेदारों ने भुगतान न होने पर कार्य नहीं करने का एलान किया है। इस संबंध में उनकी ठेकेदार वेलफेयर एसोसिएशन ने जल बोर्ड के अधिकारियों को पत्र लिखकर अवगत कराया है। एसोसिएशन ने कहा कि जल बोर्ड ने बकाया भुगतान जारी नहीं किया

है। एसोसिएशन के महासचिव विनय मंगला ने बताया कि भुगतान न किए जाने की वजह से ठेकेदारों को कई वित्तीय कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इस कारण ठेकेदारों ने एक बैठक में पानी का रिसाव, जल आपूर्ति का रखरखाव समेत अन्य कार्य सोमवार से बंद करने का निर्णय लिया है। वहीं, वह व्यवस्थित सीवरेज व सीवरेज प्रणाली के रखरखाव व ट्यूबवेल और पंपिंग स्टेशनों का संचालन भी नहीं करेंगे। आतिशी ने उपराज्यपाल को लिखी थी चिट्ठी उन्होंने चेतावनी दी कि जब तक भुगतान नहीं होगा, वह कार्य शुरू नहीं करेंगे। गत दिनों जल मंत्री आतिशी ने उपराज्यपाल को एक पत्र लिखकर अवगत कराया था कि मुख्य सचिव के इशारे पर वित्त सचिव की ओर से दिल्ली जल बोर्ड को फंड जारी नहीं किया जा रहा है। इस कारण राजधानी में पेयजल प्रभावित होने के साथ-साथ सीवर व्यवस्था चौपट होने का खतरा हो गया है, क्योंकि ठेकेदारों को बकाया भुगतान नहीं दिया जा रहा है और वे वह कभी भी कार्य बंद कर सकते है। उनके इस कदम के बाद राजधानी में राजनीतिक घमासान मच गया था। जल संकट पर जल बोर्ड ने दी सफाई इस बीच दिल्ली जल बोर्ड ने कहा कि राजधानी में पेयजल आपूर्ति व सीवर व्यवस्था प्रभावित होने का कोई खतरा नहीं है। उसके इस बयान के बाद भाजपा ने आतिशी पर गुमराह करने का आरोप लगाते हुए उन पर चौतरफा हमला बोला था। फंड नहीं मिलने पर फिर खटखटाएंगे उपराज्यपाल का दरवाजा नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के वित्त विभाग से दिल्ली जल बोर्ड को फंड नहीं मिलने पर अब बोर्ड के उपाध्यक्ष सोमनाथ भारती सामने आए है। उन्होंने खुलासा किया कि केजरीवाल सरकार पिछले तीन महीनों से जल बोर्ड के लिए फंड जारी कराने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है, मगर बोर्ड को फंड नहीं दिया जा रहा है। वह इस संबंध में एक बार फिर उपराज्यपाल का दरवाजा खटखटाएंगे। सोमनाथ भारती ने जारी एक बयान में कहा कि जल मंत्री ने बोर्ड को फंड जारी करने के लिए वित्त विभाग को बार-बार निर्देशित किया है और यहां तक कि इसे सुनिश्चित करने के लिए उपराज्यपाल को भी पत्र लिखा है। इसके अलावा वित्त मंत्री के बार-बार निर्देश के बावजूद वित्त विभाग ने पिछले तीन महीने से फंड जारी नहीं किया है।

संक्षिप्त खबरें

50 हजार का इनामी 13 साल बाद गिरफ्तार

साहिबाबाद। कोतवाली पुलिस ने 2010 में चालक को नशीला पदार्थ सुंघाकर ट्रक चोरी करने वाले 50 हजार के इनामी राजू उर्फ साहिब आलम उर्फ वंशी करमी को गिरफ्तार किया है। वह घटना के बाद 13 साल तक बिहार मे फरारी काट रहा था। एसीपी रजनीश उपाध्याय ने बताया कि चंपारण बिहार के राजू उर्फ साहिब आलम की तलाश में जगह-जगह दबिश दी गई। लोकेशन ट्रेस होने पर टीम ने उसे मोतिहारी बिहार से गिरफ्तार किया है। ब्यूरो देर रात तक डीजे बजाने पर मुकदमा दर्जकौशांबी। वैशाली सेक्टर-एक में रास बैंक्वेट हॉल के पास देर रात तक डीजे बजाने पर अज्ञात पर मुकदमा दर्ज किया गया है। उपनिरीक्षक का कहना है कि इलाके से बिना अनुमति देर रात तक डीजे बजाने की सूचना मिली थी। पुलिस मौके पर पहुंची तो संचालक भाग गया। उस पर मुकदमा किया गया है। वहीं, उपनिरीक्षक जितेंद्र कुमार ने शिकायत दी कि फरुखनगर से तेज आवाज में डीजे बजाकर लोग आ रहे थे। सूचना पर पहुंचे तो जाम की वजह से डीजे संचालक गाड़ी लेकर भाग गया। ब्यूरो

हवन पूजन कराकर चार लोगों की घर वापसी का दावा

साहिबाबाद। भोपुरा के एक मंदिर में रविवार को हिंदू रक्षा दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष पिंकी चौधरी ने चार लोगों को हवन-पूजन कराकर उनकी सनातन धर्म में वापसी का दावा किया है। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष पिंकी चौधरी ने दावा किया कि हिंदू रक्षा दल की ओर से मंदिर में पूजा-पाठ कराकर आसिफ को आकाश चौहान, खातून को प्रिया चौहान, नाजिया को अर्चना जबकि उसके पांच साल के बेटे को आर्यन नाम देकर हिंदू धर्म में वापसी कराई है। तीनों लोगों ने उनके पास पहुंचकर जीवनभर सनातन धर्म की पद्धति पर चलने का प्रण लिया था। तीनों की आस्था और विश्वास देखकर सनातन धर्म में वापसी कराई है। जल्द ही सभी के उप जिलाधिकारी के कार्यालय से सनातन नाम के कागजात तैयार कराए जाएंगे। इस दौरान प्राची सक्सेना, श्रवण चंदेल, उजाला मलिक, रोहन राजपूत, देव पंडित मौजूद रहे।

ठेकेदार पर लगाया 5.84 लाख रुपये हड़पने का आरोप

गाजियाबाद। राजनगर एक्सटेंशन निवासी एक महिला ने ठेकेदार पर 5.84 लाख रुपये हड़पने का आरोप लगाया है। आरोप है कि तगादा करने पर आरोपी ने उनके साथ छेड़छाड़ करते हुए मारपीट की। कोर्ट के आदेश पर नंदग्राम थाने में मुकदमा दर्ज हुआ है। महिला का कहना है कि उनकी फर्म टीएमटी बार्स, बाइंडिंग वायर आदि बेचने का काम करती है। वीवीआईपी एड्रेसेज सोसाइटी निवासी यशवंत कुमार के साथ उनका कारोबार था। यशवंत कुमार ने उनकी फर्म से 14.82 लाख रुपये का माल खरीदा था। जिसमें से 8.98 लाख रुपये का भुगतान कर दिया लेकिन 5.84 लाख रुपये नहीं दिए। रुपये मांगने पर उसने मारपीट की। एसीपी नंदग्राम रवि कुमार सिंह का कहना है कि महिला ने नंदग्राम थाने में कोई शिकायत नहीं दी थी। कोर्ट के आदेश पर केस दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

दबिश देने आई नोएडा एसओजी पर मसौता में हमला, पुलिसवालों की गन्नों से सुताई

- इसमें दरोगा राहुल और हेड कांस्टेबल वरुण घायल हो गए। जिस क्रेटा गाड़ी में पुलिस टीम आई थी, उसमें भी तोड़फोड़ की। पुलिस टीम का कहना है

एनटीवी

दिल्ली-एनसीआर खेत से गन्ने तोड़कर पुलिसवालों को बुरी तरह से पीटा गया। इसमें दरोगा राहुल और हेड कांस्टेबल वरुण घायल हो गए। जिस क्रेटा गाड़ी में पुलिस टीम आई थी, उसमें भी तोड़फोड़ की। गाजियाबाद के मसूरी में मोबाइल लूट के मामले में रविवार दोपहर करीब तीन बजे दबिश देने के लिए आई नोएडा के सेक्टर-63 की स्पेशल आपरेशन ग्रुप (एसओजी) टीम पर गांव के लोगों ने हमला बोल दिया। खेत से गन्ने तोड़कर पुलिसवालों को बुरी तरह से पीटा गया। इसमें दरोगा राहुल और हेड कांस्टेबल वरुण घायल हो गए। जिस क्रेटा गाड़ी में पुलिस टीम आई थी, उसमें भी तोड़फोड़ की। पुलिस टीम का कहना है कि उनकी गाड़ी के सामने एक कार आ गई थी। उसे हटाने के लिए कहने पर उसमें सवार चार युवकों ने हमला किया। उनके शोर मचाने पर और लोग भी आ गए। उनका साथ देते हुए उन्होंने भी पीटा। डीसीपी ग्रामीण विवेक यादव ने बताया कि जांच में पता चला कि गांव के ही रहने वाले मूले चौहान, विशाल, अंकित, अभिषेक और रिंकू ने 40-50 ग्रामीणों के साथ मिलकर हमला किया है। अंकित व अभिषेक पूर्व प्रधान सतीश के बेटे हैं। आरोपियों को पकड़ने के लिए टीम गठित करके दबिश दी जा रही है। दरोगा राहुल ने मसूरी थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। पुलिस ने अभिषेक को हिरासत में ले लिया है। अन्य तीन नामजद आरोपी घर पर नहीं मिले हैं। उनके आसपास के लोग भी घर पर ताला लगाकर चले गए हैं। हमले के बाद गाजियाबाद और नोएडा पुलिस भी गांव में पहुंच गई थी। हमलावर एक कार और एक ट्रैक्टर छोड़कर भाग गए। दोनों को पुलिस ने कब्जे में ले लिया है। नोएडा पुलिस ने बताया कि लूट का एक मोबाइल मसौता में चलने की जानकारी मिली थी। उसकी तलाश में ही यहां टीम आई थी। सादे कपड़ों में थे पुलिसवाले हमले की घटना में नोएडा पुलिस की बड़ी लापरवाही सामने आई। एसओजी के चार सदस्यों में से तीन ने पुलिस की वर्दी नहीं पहन रखी थी। सिर्फ एक सिपाही पुलिस की वर्दी में था। पुलिसवाले जिस क्रेटा गाड़ी में आए, उस पर कोई नंबर प्लेट भी नहीं थी। इतना ही नहीं, गाेएडा पुलिस ने गांव में दबिश देने से पहले मसूरी थाना पुलिस को सूचना भी नहीं दी। नियम के अनुसार पहले थाने में आमद दर्ज कराई जाती है। पूर्व में भी इस तरह की घटनाएं हो चुकी हैं जब पुलिस बिना सूचना के दूसरे जिले में आई और मुश्किल में पड़ गई। डीसीपी ग्रामीण विवेक यादव ने बताया कि नोएडा पुलिस के आने की थाने पर पूर्व में कोई सूचना नहीं थी।

पत्नी से पीछा झुड़ाने के लिए भेजी मृत अवस्था की फोटो

लोनी। ट्रोनिका सिटी थाना क्षेत्र के पूजा कॉलोनी में पांच दिनों से लापता व्यक्ति ने अपनी मृत अवस्था की फोटो एक रिश्तेदार को भेजी। जब यह फोटो पत्नी को मिली तो वह पुलिस के पास पहुंच गई। पुलिस ने लापता व्यक्ति को बरामद कर परिजनों को सूचना दी। पूछताछ में व्यक्ति ने बताया कि उसने पत्नी से पीछा छुड़ाने के लिए फोटो भेजी थी। पूजा कॉलोनी निवासी मेहताब मजदूरी करते हैं। कुछ दिनों पहले वह घर से बिना बताए कहीं चले गए थे। शुक्रवार को मेहताब ने अपने एक रिश्तेदार को व्हाट्सएप पर फोटो भेजी, जिसमें वह मृत अवस्था में दिख रहे हैं। रिश्तेदार ने मेहताब की पत्नी को यह फोटो भेज दिया। पति की फोटो देखकर पत्नी सदमे में आ गई और रोने लगी। फोन करने पर स्विच ऑफ आ रहा था। उसने पुलिस को जानकारी दी। पुलिस ने जांच की तो पता चला कि मेहताब जिंदा है। एसीपी लोनी सूर्यबली मोर्या ने बताया कि मेहताब से पूछताछ करने पर पता चला कि वह अपनी पत्नी से परेशान था। उससे अलग होने के लिए इस तरह की फोटो भेजी। उसने फोटो अपने रिश्तेदार से ही खिंचवाए थे। पुलिस रिश्तेदार की तलाश में जुटी है। संवाद दो चोरों को किया गिरफ्तार लोनी। पुलिस ने चेकिंग के दौरान दो चोरों को गिरफ्तार किया है।

कार में पेट्रोल की टंकी में मिला गांजा, दो तस्कर

एनटीवी

कौशांबी। थाना पुलिस ने ईडीएम मॉल के पास से दिल्ली-एनसीआर और पश्चिमी यूपी में गांजे का तस्करी करने वाले गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। तस्करी के लिए सेंट्रो कार में पेट्रोल की टंकी की जगह बॉक्स और मडगार्ड के ऊपर करीब 20 लीटर का पेट्रोल टैंक फिट कराया था। पूछताछ में आरोपियों ने दिल्ली-एनसीआर सहित पश्चिमी यूपी में गांजे की तस्करी के लिए कई गिरोह से जुड़े होने की बात कबूली है। नौशाद पर मुरादाबाद के भगतपुर और बिलारी थाने के अलावा इटावा के इकदिल थाने में गोवध निवारण अधिनियम व पशु क्रूरता के तीन मुकदमे दर्ज हैं। के रहने वाले कफील अहमद सिद्दीकी और शामली कांधला थाना क्षेत्र के गांव गांगरू निवासी नौशाद के रूप में हुई है। दोनों उड़ीसा और अन्य राज्यों से गांजे की तस्करी करते हैं। तस्करी के लिए मैकेनिक के जरिये सेंट्रो कार में पेट्रोल की टंकी की जगह बॉक्स और मडगार्ड के ऊपर करीब 20 लीटर का पेट्रोल टैंक फिट कराया था। पूछताछ में आरोपियों ने दिल्ली-एनसीआर सहित पश्चिमी यूपी में गांजे की तस्करी के लिए कई गिरोह से जुड़े होने की बात कबूली है। नौशाद पर मुरादाबाद के भगतपुर और बिलारी थाने के अलावा इटावा के इकदिल थाने में गोवध निवारण अधिनियम व पशु क्रूरता के तीन मुकदमे दर्ज हैं।

अधिवक्ता और पुलिसकर्मी के मकान से लाखों के गहने-नकदी चोरी

एनटीवी

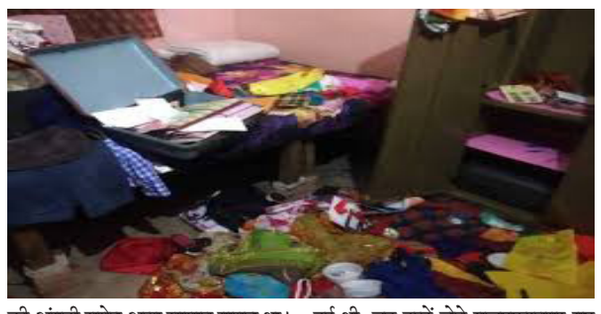

गाजियाबाद। नंदग्राम थाना क्षेत्र में चोरों ने दो मकानों के ताले तोड़कर लाखों के गहने व नकदी चोरी कर लिए। चोरों ने हाईकोर्ट के अधिवक्ता और एक पुलिसकर्मी के घर को निशाना बनाया। उस दौरान दोनों ही परिवार घर पर नहीं थे। वापस लौटने पर उन्हें चोरी का पता चला तो उन्होंने नंदग्राम थाने में मुकदमा दर्ज कराया। गणेशपुरम कॉलोनी गांव मोरटी नंदग्राम निवासी तरुण कुमार तोमर दिल्ली हाईकोर्ट में प्रैक्टिस करते हैं। उनका कहना है कि 18 नवंबर की सुबह वह घर पर ताला लगाकर कोर्ट चले गए थे। जरूरी काम होने के कारण वह घर नहीं लौटे। 20 नवंबर को जब वह घर पहुंचे तो उन्हें घर के ताले टूटे मिले और अंदर सामान बिखरा मिला। उन्होंने अलमारी व सभी जगह देखा तो 55 हजार की नकदी समेत गहने, चांदी, प्लेटिनियम डायमंड की अंगूठी समेत अन्य सामान गायब था। उनका करीब छह लाख का नुकसान हुआ है। मामले में उन्होंने डायल 112 पर पुलिस को सूचना देकर मुकदमा दर्ज कराया। दूसरी घटना नंदग्राम के उत्तरांचल नगर एसबीएम रोड पर हेड कांस्टेबल मित्रसैन के यहां हुई। मित्रसैन मूलरूप से मुजफ्फरनगर के रहने वाले हैं। वह गाजियाबाद के शालीमार गार्डन थाने में तैनात हैं। उनका कहना है कि उनकी पत्नी बच्चों को लेकर मुजफ्फरनगर गई हुई थी, वह उन्हें लेने मुजफ्फरनगर गए थे। इसी दौरान चोरों ने ताले तोड़कर 25 हजार रुपये की नकदी समेत करीब डेढ़ लाख के गहने व कीमती दस्तावेज चोरी कर ले गए। घटना 15 नवंबर की है। 16 नवंबर को जब वह वापस लौटे तो उन्हें चोरी का पता चला। ट एसीपी नंदग्राम रवि कुमार सिंह ने का कहना है कि चोरों की तलाश के लिए टीमें लगी हैं। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज चेक की जा रही है।

पीएम विश्वकर्मा योजना के तहत मिलेगा भत्ता व ऋण

गाजियाबाद। शिल्पकारों की सहायता के लिए शुरू की गई पीएम विश्वकर्मा योजना में 16 तरह के काम करने वाले कारीगर आवेदन कर सकेंगे। जिला उद्योग केंद्र के माध्यम से इस योजना के लिए आवेदन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इस योजना में इन कर्मकारों को प्रशिक्षण के दौरान 15 हजार रुपये का भत्ता दिया जाएगा। इसके बाद आत्मनिर्भर बनाने के लिए एक लाख रुपये तक का ऋण सिर्फ पांच फीसदी ब्याज दरों पर दिलाया जाएगा। उपायुक्त उद्योग श्रीनाथ पासवान ने बताया कि इस योजना में सुथार, नाव बनाने वाले, अस्त्र बनाने वाले, लोहार, ताला बनाने वाले, हैमर और टूलकिट बनाने वाले, सुनार, कुम्हार, मूर्तिकार, जूता बनाने वाले, राजमिस्त्री, डलिया, चटाई और झाड़ू बनाने वाले, खिलौने बनाने वाले, सैलून संचालक, मालाकार, धोबी, दर्जी और मछली का जाल बनाने वाले कारीगर आवेदन कर सकते हैं। इसके लिए आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र, कारीगर से संबंधित दस्तावेज, मोबाइल नंबर, बैंक खाते का विवरण, आय प्रमाण पत्र और जाति प्रमाण पत्र देना होगा।

मसौता में दबिश देने आई एसओजी पर हमला

एनटीवी

गाजियाबाद/मसूरी। मोबाइल लूट के मामले में रविवार दोपहर करीब तीन बजे दबिश देने के लिए आई नोएडा के सेक्टर-63 की स्पेशल आपरेशन ग्रुप (एसओजी) टीम पर गांव के लोगों ने हमला बोल दिया। खेत से गन्ने तोड़कर पुलिसवालों को बुरी तरह से पीटा गया। इसमें दरोगा राहुल और हेड कांस्टेबल वरुण घायल हो गए। हमलावरों ने वरुण से पिस्टल भी छीन ली। जिस क्रेटा गाड़ी में पुलिस टीम आई थी, उसमें भी तोड़फोड़ की। पुलिस टीम का कहना है कि उनकी गाड़ी के सामने एक कार आ गई थी। उसे हटाने के लिए कहने पर उसमें सवार चार युवकों ने हमला किया। उनके शोर मचाने पर और लोग भी आ गए। उनका साथ देते हुए उन्होंने भी पीटा। डीसीपी ग्रामीण विवेक यादव ने बताया कि जांच में पता चला कि गांव के ही रहने वाले मूले चौहान, विशाल, अंकित, अभिषेक और रिंकू ने 40-50 ग्रामीणों के साथ मिलकर हमला किया है।अंकित व अभिषेक पूर्व प्रधान सतीश के बेटे हैं। आरोपियों को पकड़ने के लिए टीम गठित करके दबिश दी जा रही है। दरोगा राहुल ने मसूरी थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। पुलिस ने अभिषेक को हिरासत में ले लिया है। अन्य तीन नामजद आरोपी घर पर नहीं मिले हैं। उनके आसपास के लोग भी घर पर ताला लगाकर चले गए हैं। हमले के बाद गाजियाबाद और नोएडा पुलिस भी गांव में पहुंच गई थी। हमलावर एक कार और एक ट्रैक्टर छोड़कर भाग गए। दोनों को पुलिस ने कब्जे में ले लिया है। नोएडा पुलिस ने बताया कि लूट का एक मोबाइल मसौता में चलने की जानकारी मिली थी। उसकी तलाश में ही यहां टीम आई थी। सादे कपड़ों में थे पुलिसवाले, गाड़ी पर नहीं थी नंबर प्लेट हमले की घटना में नोएडा पुलिस की बड़ी लापरवाही सामने आई। एसओजी के चार सदस्यों में से तीन ने पुलिस की वर्दी नहीं पहन रखी थी। सिर्फ एक सिपाही पुलिस की वर्दी में था। पुलिसवाले जिस क्रेटा गाड़ी में आए, उस पर कोई नंबर प्लेट भी नहीं थी। इतना ही नहीं, नोएडा पुलिस ने गांव में दबिश देने से पहले मसूरी थाना पुलिस को सूचना भी नहीं दी। नियम के अनुसार पहले थाने में आमद दर्ज कराई जाती है। पूर्व में भी इस तरह की घटनाएं हो चुकी हैं जब पुलिस बिना सूचना के दूसरे जिले में आई और मुश्किल में पड़ गई। डीसीपी ग्रामीण विवेक यादव ने बताया कि नोएडा पुलिस के आने की थाने पर पूर्व में कोई सूचना नहीं थी। दुकानें बंद, सड़कों पर सन्नाटा पुलिसकर्मियों पर हमले के बाद जैसे ही मसूरी और नोएडा सेक्टर- 63 की पुलिस मसौता गांव में पहुंची, वैसे ही सन्नाटा पसर गया। धड़ाधड़ शटर गिर गए और दुकानें बंद हो गईं। लोगों ने घर भी बंद कर लिए। पुलिस ने आरोपियों की तलाश में दबिश देना शुरू किया तो गांव के लोग डरे हुए नजर आए। रात तक यही स्थिति बनी रही।

डायमंड फ्लाईओवर के पास बैंक्वेट हॉल में लगी आग

गाजियाबाद। कविनगर क्षेत्र के पांडव नगर में डायमंड फ्लाईओवर के पास मार्शल महल बैंक्वेट हॉल में रविवार तड़के आग लग गई। उस दौरान साइट सुपरवाइजर तरुण और सुरक्षा गार्ड ही वहां थे। अचानक चिंगारी भड़कने से लगी आग धीरे-धीरे पूरे हॉल में फैल गई। सूचना पर मौके पर पहुंची दमकल विभाग की 10 गाड़ियों की मदद से कर्मियों ने दो घंटे में आग पर काबू पाया। बैंक्वेट हॉल कविनगर क्षेत्र के गांव काजीपुरा निवासी इंद्रपाल सिंह का है। सुपरवाइजर तरुण ने बताया कि वह और एक सुरक्षा गार्ड ड्यूटी पर थे। बैंक्वेट हॉल में इंटीरियर डिजाइनिंग का काम चल रहा था। शनिवार रात करीब आठ बजे लेबर काम करके चली गई थी। करीब सवा तीन बजे जैसे ही वह अंदर गए तो वहां आग लगी मिली। मुख्य अग्निशमन अधिकारी राहुल पाल ने बताया कि बैंक्वेट हॉल में फाइबर शीट लगी होने के कारण आग तेजी से फैल गई और काफी हिस्सा आग की चपेट में आ गया। नगर कोतवाली, साहिबाबाद और वैशाली फायर स्टेशन गाड़ियां मंगाई गईं।

आवंटित फ्लोर बदल सकेंगे बीमार और असहाय

एनटीवी

दिल्ली-एनसीआर ग्रेटर नोएडा में यमुना प्राधिकरण की बहुमंजिला हाउसिंग सोसाइटी की आगामी योजनाओं में गंभीर रूप से बीमार या असहाय व्यक्ति को फ्लोर परिवर्तन की सुविधा मिलेगी। फ्लोर परिवर्तन के लिए आवेदन करने वाले व्यक्ति की जांच पड़ताल के लिए एक कमेटी गठित की जाएगी। वाजिब कारण होने पर ही फ्लोर परिवर्तन किया जाएगा। यमुना प्राधिकरण की बहुमंजिला हाउसिंग सोसाइटी की आगामी योजनाओं में गंभीर रूप से बीमार या असहाय व्यक्ति को फ्लोर परिवर्तन की सुविधा मिलेगी। इससे संबंधित प्रस्ताव तैयार किया गया है, जो आगामी 18 दिसंबर को होने वाली बोर्ड बैठक में रखा जाएगा। इसके अलावा प्राधिकरण सोसाइटियों में निशुल्क के अलावा दूसरी पॉर्किंग के लिए जगह खरीदने की अनिवार्यता को खत्म करने जा रहा है। प्राधिकरण की आवासीय योजनाओं में फ्लैट और भूखंडों का आवंटन लकी ड्रा के माध्यम से किया जाता है। ऐसे में गंभीर बीमारी और शारीरिक रूप से अक्षम व्यक्ति को उस समय सबसे ज्यादा दिक्कत होती है कि जब उसे पहली और दूसरी मंजिल से ऊपर फ्लैट आवंटित हो जाता है। हाल ही में पैर में जोड़ों के दर्द से जूझ रहे एक बुजुर्ग व्यक्ति को आठवीं मंजिल से ऊपर फ्लैट आवंटित कर दिया गया था। बुजुर्ग फ्लोर परिवर्तन कराने के लिए काफी समय से प्राधिकरण के चक्कर लगा रहे थे। बुजुर्ग की परेशानी को देखते सीईओ डॉ.अरुणवीर सिंह ने अपने अधिकार का प्रयोग करते हुए फ्लोर परिवर्तन तो कर दिया, लेकिन अन्य अधिकारी इस पर सहमत नहीं थे। दरअसल आवंटन के बाद फ्लोर परिवर्तन का कोई प्रावधान नहीं है। कमेटी करेगी फ्लोर परिवर्तन का फैसला फ्लोर परिवर्तन के लिए आवेदन करने वाले व्यक्ति की जांच पड़ताल के लिए एक कमेटी गठित की जाएगी। वाजिब कारण होने पर ही फ्लोर परिवर्तन किया जाएगा। गंभीर बीमारी या किसी अन्य तरह से असहाय होने के कारण बताने होंगे। इसमें अहम बात यह भी कि फ्लोर परिवर्तन तभी होगा जब उस फ्लोर पर फ्लैट उपलब्ध होगा। दूसरे सहमति के आधार पर भी परिवर्तन किया जा सकता है। बहुमंजिला हाउसिंग सोसाइटियों में बीमार व गंभीर स्थिति वाले आवंटियों को फ्लोर परिवर्तन की सुविधा प्रदान की जाएगी। साथ ही कार पॉर्किंग के लिए जगह खरीदने की अनिवार्यता को भी खत्म किया जाएगा। यह आवंटी की इच्छा पर निर्भर करेगा। - डॉ. अरुणवीर सिंह, सीईओ यमुना प्राधिकरण पॉर्किंग खरीदने की अनिवार्यता होगी खत्म यमुना प्राधिकरण बहुमंजिला हाउसिंग सोसाइटी की योजना में अपने आवंटियों को एक कार पॉर्किंग निशुल्क उपलब्ध कराता है, जबकि एक खरीदनी होती है। इसको लेकर कुछ आवंटियों की शिकायत रहती है कि जब उनके पास एक पॉर्किंग की सुविधा है तो दूसरी का क्या करेंगे। इसको देखते हुए प्राधिकरण ने पॉर्किंग खरीदने की अनिवार्यता को खत्म करने का फैसला लिया है। निशुल्क के अलावा दूसरी पॉर्किंग के लिए जगह खरीदना आवंटी की इच्छा पर निर्भर रहेगा। हालांकि इसका लाभ आगामी योजनाओं के आवंटियों को मिलेगा। पॉर्किंग के लिए कम से कम 1 लाख रुपए जमा करने होते हैं।

तेज रफ्तार कार ने 6 लोगों को मारी टक्कर

एनटीवी

नोएडा। सेक्टर-83 में शनिवार आधी रात को तेज रफ्तार कार ने कंपनी से पैदल लौट रहे छह कर्मचारियों को टक्कर मार दी। हादसे में मूलरूप से सीतापुर के लहरपुर गांव निवासी इस्लाम (22) की मौत हो गई जबकि पांच अन्य घायल हो गए। घायलों में इस्लामुद्दीन, तौसिफ और इमामुद्दीन की हालत गंभीर बनी हुई है। उन्हें सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं मामूली रूप से घायल शईक और तालिब को प्राथमिक इलाज के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। कोतवाली फेस टू पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर कार की तलाश में जुट गई है। कोतवाली फेज-2 स्थित प्लास्टिक का सामान बनाने वाली कंपनी में काम करने वाले छह कर्मचारी शिफ्ट खत्म होने के बाद शनिवार रात करीब 1:15 बजे घर जा रहे थे। सेक्टर-83 में एप्पल कंपनी के सामने सफेद रंग की तेज रफ्तार कार ने उन्हें टक्कर मार दी। पुलिस ने सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया। अस्पताल में इलाज के दौरान इस्लाम ने दम तोड़ दिया। वहीं पांचों घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। गंभीर रूप से घायल तीन को दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल रेफर कर दिया गया है। नोएडा सेंट्रल जोन के एडीसीपी हृदयेश कठेरिया के मुताबिक घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाले जा रहे हैं। जल्द ही कार और चालक की पहचान कर ली जाएगी। उन्होंने कहा कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर परिजनों को सूचित कर दिया गया है। करीब 15 मिनट तक सड़क पर तड़पते रहे घायल शनिवार रात को हुए हादसे के बाद घायल छह कर्मचारी सड़क पर करीब 15 मिनट तक तड़पते रहे। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया। घायल युवकों ने पुलिस को बताया कि हादसे के वक्त कार की रफ्तार तेज थी। उन्होंने बचने की कोशिश की मगर असफल रहे। कार की टक्कर से ऑटो चालक घायल नोएडा। सेक्टर-62 के पास एक कार की टक्कर से ऑटो चालक घायल हो गया। घायल चालक जलपुरा निवासी आकाश को अस्पताल में भर्ती कराया गया है

नो पावर कट जोन में रोजाना चार घंटे काटी जा रही बिजली

- उसके लिए भी लंबा इंतजार करना पड़ रहा है। - रवि भूषण खत्री, तत्कालीन अध्यक्ष, लघु उद्योग भारती औद्योगिक क्षेत्र सहित पूरे शहर में बेहतर बिजली आपूर्ति का प्रयास जारी है।

एनटीवी

फरीदाबाद। ठंड बढ़ने के बावजूद लोगों को बिजली कटौती से राहत नहीं मिल रही है। नो पावर कट जोन होने के बावजूद रोजाना तीन से चार घंटे बिजली गुल रहती है, जिससे उद्यमियों की परेशानी बढ़ गई है। ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रैप) लागू होने से जनरेटर चला नहीं सकते हैं, जिससे उद्योगों में उत्पादन क्षमता प्रभावित हो रही है। उत्पादन क्षमता में 20 से 30 फीसदी की गिरावट आई है। रविवार को भी कई क्षेत्रों में तीन से चार घंटे बिजली सप्लाई ठप रही। इस दौरान बिजली कंट्रोल रूप में करीब 700 शिकायतें दर्ज की गईं। सरकार की तरफ से औद्योगिक नगरी फरीदाबाद से 24 घंटे बिजली सप्लाई के दावे किए जाते हैं। पिछले वर्ष मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने शहर में नो पावर कट जोन की बात कही थी, लेकिन स्थिति बिल्कुल अलग है। सरप्लस बिजली होने के दावों के बीच रोजाना 3 से 4 घंटे बिजली कटौती की जा रही है। सरकार कहती है कि बिजली कट फाल्ट, ट्रिपिंग और ब्रेक डाउन के कारण लग रहे हैं, अघोषित बिजली कटौती रोकने के लिए निगम के पास कोई पुख्ता इंतजाम नहीं हैं, जिससे मजबूरीवश उद्यमियों को डीजी सेट पर उद्योगों को चलाने पड़ते हैं। शहर में छोटे-बड़े करीब 28 हजार उद्योग हैं। इनमें सबसे अधिक उद्योग आईएमटी, सेक्टर-24, 25, सेक्टर-58 और सरुरपुर क्षेत्र में स्थित हैं। कहने के लिए तो शहर में सरप्लस बिजली है, लेकिन मजबूत इंफ्राट्रक्चर नहीं होने के कारण लोड बढ़ते ही फाल्ट, ब्रेक डाउन, ट्रिपिंग हो जाती है। हालांकि ग्रैप लागू होने के कारण अनेक उद्योगों ने पीएनजी कनेक्शन ले लिए हैं। बड़े उद्योगों ने ड्यूल फ्यूल किट और रेट्रोफिटिंग किट लगवा ली है, लेकिन अभी भी बिजली जाने पर 75 फीसदी उद्योग डीजल जनरेटर पर चलते हैं। इन इलाकों में समस्या अधिक सरुरपुर, सेक्टर 24, 25, न्यू डीएलएफ, कृष्णा नगर, एसजीएम नगर, गुरुकुल, डीएलएफ इंडस्ट्रियल एरिया। बिजली कट लगने से कंपनी में काफी काम प्रभावित होता है। प्लास्टिक और मोलडिंग मशीनों के बिजली जाने पर एक बार बंद होने के बाद दोबारा उसी तापमान पर पहुंचने में एक घंटे का समय लग जाता है। इस दौरान कर्मियों को खाली बैठना पड़ता है। इसका असर प्रोडक्शन पर पड़ा रहा है। - वीरभान शर्मा, अध्यक्ष, फरीदाबाद आईएमटी इंडस्ट्रीज एसोसिएशन हमारी प्लास्टिक के पार्ट्स बनाने की कंपनी है। पहले के मुकाबले बिजली व्यवस्था में काफी सुधार हुआ है, लेकिन समस्या अभी भी बरकरार है। पीएनजी जेनसेट लेने की हमारी क्षमता नहीं, ड्यूल फ्यूट किट भी बाजार में करीब 5 लाख की है। उसके लिए भी लंबा इंतजार करना पड़ रहा है। - रवि भूषण खत्री, तत्कालीन अध्यक्ष, लघु उद्योग भारती औद्योगिक क्षेत्र सहित पूरे शहर में बेहतर बिजली आपूर्ति का प्रयास जारी है। शहर में कोई पावर कट नहीं लग रहा। फॉल्ट होने की सूचना मिलने पर तुरंत सही कराया जाता है। - नरेश कक्कड़, अधीक्षण अभियंता, बिजली निगम

आईटीसी रिवर्सल से भरी राज्यकर विभाग की तिजोरी, पांच कंपनियों से 540 करोड़ जमा कराए

- इस रकम को सरकार के खाते में जमा कराने के लिए डिप्टी कमिश्नर मृत्युंजय सिंह और सपना गुप्ता समेत सभी उपायुक्तों को जिम्मेदारी दी गई।

एनटीवी

गाजियाबाद। बिना आईटीसी क्लेम किए पांच बड़ी कंपनियों के खातों में पड़ी 540 करोड़ की रकम राज्यकर विभाग के अधिकारियों ने प्रदेश सरकार के खाते में जमा कराई है। इनमें से 396 करोड़ की रकम टीएचडीसी (टिहरी हाइड्रो डेवलपमेंट कारपोरेशन) इंडिया लिमिटेड ने सरकार के खाते में ट्रांसफर की है। इसके अलावा चार अन्य फर्मों से लंबे समय से बिना क्लेम खातों में पड़ी रकम सरकार के खाते में ट्रांसफर कराई गई है। राज्यकर विभाग के गाजियाबाद के जोन-2 में आईटीसी रिवर्सल के रूप में एकमुश्त जमा कराई गई अब तक की यह सबसे बड़ी रकम है। दरअसल, गाजियाबाद में कई ऐसी बड़ी कंपनियां पंजीकृत हैं जो जीएसटी चुकाकर अपने उत्पादों के लिए कच्चा माल खरीदती हैं लेकिन उनकी ओर से तैयार करके बेचे जाने वाले उत्पाद जीएसटी के दायरे से या तो बाहर है या उन पर जीएसटी की दर कम है। ऐसे में इन कंपनियों के पोर्टल पर जीएसटी का इनपुट क्रेडिट दर्शाया जा रहा है, लेकिन नियमानुसार यह कंपनियां इस आईटीसी (इनपुट क्रेडिट टैक्स) के लिए क्लेम नहीं कर सकती हैं। राज्यकर विभाग के जोन-दो के अपर आयुक्त ग्रेड-1 दिनेश कुमार मिश्रा ने बताया कि ऐसी कंपनियों के प्रबंधन से वार्ता कर आईटीसी की इस रकम को सरकार के खाते में जमा कराने के लिए डिप्टी कमिश्नर मृत्युंजय सिंह और सपना गुप्ता समेत सभी उपायुक्तों को जिम्मेदारी दी गई। अधिकारियों ने प्रबंधन के साथ बैठक कर उन्हें तकनीकी सुविधा दिलाकर यह 540 करोड़ की रकम सरकार के खातों में जमा कराई। उन्होंने बताया कि पावर सेक्टर में काम करने वाली टिहरी हाइड्रो डेवलपमेंट कॉरपोरेशन इंडिया लिमिटेड से 396 करोड़ रुपये जमा कराए जाने के साथ-साथ बुलंदशहर में पंजीकृत फर्म गाजियाबाद-अलीगढ़ एक्सप्रेसवे प्राइवेट लिमिटेड, वेस्टर्न यूपी पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड, रेस्तरां ब्रांड एशिया लिमिटेड, क्रॉसले रेमेडीज समेत कई अन्य फर्मों से भी बड़ी रकम आईटीसी रिवर्सल के माध्यम से जमा कराई गई है। उन्होंने बताया कि अभी अन्य कंपनियों का डाटा खंगाला जा रहा है। प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया आईटीडीसी इंडिया लिमिटेड की ओर से सबसे ज्यादा 396 करोड़ की रकम आईटीसी रिवर्सल के माध्यम से यूपी सरकार के खाते में जमा कराए जाने पर राज्यकर विभाग के अपर आयुक्त ग्रेड-1 दिनेश कुमार मिश्रा ने कंपनी प्रबंधन को सम्मानित किया। उन्होंने प्रबंधन के अधिकारी को प्रशस्ति पत्र देकर आभार जताया।

Skoda ने Slavia और Kushaq का नया वेरिएंट किया लॉन्च, जानिए कीमत और खासियत

एनटीवी

नई दिल्ली। चेक ऑटो दिग्गज ने र्ँ्न्नँ ने अपने दो फ्लैगशिप प्रोडक्ट Slavia और Kushaq के नया वेरिएंट पेश किया है। इसे Elegance नाम दिया गया है, जो मूल रूप से इन दोनों मॉडलों का एक नया ब्लैक एडिशन है। Skoda ने Kushaq Elegance को 18.31 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) की शुरूआती कीमत पर लॉन्च किया है, जो ऑटोमैटिक वर्जन के लिए 19.51 लाख रुपये तक जाती है।

Elegance Edition में क्या खास ? स्कोडा ने कुशाक एसयूवी और स्लाविया सेडान दोनों को ऑल-ब्लैक थीम में पेश किया है। कुशाक एलिगेंस और स्लाविया एलिगेंस वेरिएंट कुछ कॉस्मेटिक अपडेट के साथ आएंगे, जो इसे मौजूदा वर्जन से अलग बनाते हैं। इनमें नए डुअल-टोन अलॉय व्हील, ग्रिल पर क्रोम गार्निश, स्टीयरिंग व्हील के साथ-साथ बी-पिलर पर एलिगेंस बैजिंग आदि शामिल हैं। हुड के तहत, दोनों मॉडल स्कोडा के 1.5-लीटर टीएसआई पेट्रोल इंजन द्वारा संचालित होंगे। कुशाक और स्लाविया एलिगेंस संस्करण मैनुअल और डीएसजी ट्रांसमिशन दोनों विकल्पों के साथ आएंगे।

Slavia और Kushaq को मिलते हैं कई एडिशन स्कोडा कुशाक और स्लाविया पहले से ही स्टैंडर्ड वेरिएंट के अलावा कई विशेष संस्करण संस्करणों के साथ पेश किए गए हैं। इसके चार वेरिएंट हैं, जो मानक के अलावा पेश किए गए हैं। इनमें लावा ब्लू, मैट संस्करण, मोंटे कार्लो और ओनिक्स संस्करण शामिल हैं। लॉन्च होने वाला कुशाक और स्लाविया का आखिरी वेरिएंट ओनिक्स संस्करण और एम्बिशन प्लस था, जिसे इस साल की शुरूआत में त्योहारी अवधि के दौरान पेश किया गया था। सितंबर में लॉन्च किया गया, कुशाक ओनिक्सप्लस वेरिएंट 11.59 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) की कीमत पर आता है और इसे एसयूवी के एंट्री-लेवल संस्करण से एक ऊपर रखा गया है। 1.0-लीटर टीएसआई पेट्रोल इंजन द्वारा संचालित, ये संस्करण नए 16-इंच के अलॉय व्हील, विंडो, ग्रिल और टेलगेट पर क्रोम इंसर्ट जैसे कॉस्मेटिक अपडेट के साथ आता है। सितंबर में लॉन्च की गई स्लाविया एम्बिशन प्लस को 12.49 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) की शुरूआती कीमत पर पेश किया गया है। मैनुअल और ऑटोमैटिक दोनों ट्रांसमिशन विकल्पों के साथ उपलब्ध, टॉप-एंड संस्करण की कीमत 13.79 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) है। स्लाविया एम्बिशन प्लस संस्करण में भी समान कॉस्मेटिक अपडेट मिलते हैं, जिनमें ज्यादातर क्रोम गार्निश शामिल हैं। हुड के तहत, ये 1.0-लीटर टीएसआई पेट्रोल यूनिट के साथ आती है।

Maruti Suzuki की गाड़ियों को सस्ते में खरीदने का आखिरी मौका! इस दिन से बढ़ जाएंगे सभी मॉडलों के दाम

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी कार निमार्ता कंपनी Maruti Suzuk अपने सभी मॉडलों की कीमत बढ़ाने जा रही है। यदि आप जल्द ही मारुति सुजुकी कार खरीदने की योजना बना रहे हैं, तो आपके पास इसे महंगा होने से पहले घर चलाने के लिए सिर्फ एक महीने का समय बचा है। कंपनी ने आज यानी 27 नवंबर को घोषणा की है कि वह नए साल से अपने मॉडलों की कीमत में बढ़ोतरी करेगी।

कब बढ़ेंगी कीमतें ?

मारुति सुजुकी ने कहा है कि कार की कीमतों में नवीनतम बढ़ोतरी बढ़ती उत्पादन लागत के कारण लागू की जाएगी। कंपनी द्वारा बढ़ाई जाने वाली नई कीमतें अगले साल 1 जनवरी से लागू होंगी। हालांकि, Maruti Suzuk ने यह स्पष्ट नहीं किया है कि क्या नई प्राइस हाइक कंपनी के सभी मॉडलों पर लागू होगी या फिर नहीं ?

कंपनी ने क्या कहा ?

सोमवार को मारुति सुजुकी की एक नियामक फाइलिंग में कहा गया कि कुल मुद्रास्फीति और कमोडिटी की कीमतों में वृद्धि और लागत में वृद्धि के कारण बढ़ोतरी आवश्यक हो गई है। हालांकि, कार निमार्ता ने आश्वासन दिया कि वह खरीदारों पर इसके प्रभाव को कम करने के लिए कदम उठा रही है। इसमें कहा गया है, ₹हालांकि कंपनी लागत कम करने और वृद्धि की भरपाई करने के लिए अधिकतम प्रयास करती है, लेकिन उसे कुछ वृद्धि का भार बाजार पर डालना पड़ सकता है। यह मूल्य वृद्धि विभिन्न मॉडलों में अलग-अलग होगी।

कितने बढ़ेंगे दाम ? मारुति सुजुकी ने प्रस्तावित मूल्य वृद्धि की मात्रा निर्दिष्ट नहीं की है। कार निमार्ता वर्तमान में छोटी से मध्यम आकार की कारें बेचता है, जिनमें से कुछ कॉम्पैक्ट या बड़े सेगमेंट में हैं।

अमेरिका में पहली बार ईवी की बिक्री पार कर सकती है 10 लाख का आंकड़ा, जानें वजह

नई दिल्ली

इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की बढ़ती लोकप्रियता खास तौर पर चीनी और यूरोपीय ऑटोमोटिव बाजारों में देखी जा रही है। लेकिन संयुक्त राज्य अमेरिका भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन की सरकार बैटरी से चलने वाले पर्सनल मोबिलिटी ऑप्शंस को लोकप्रिय बनाने और वहां लगातार बढ़ते सपोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। देश 2023 में ईवी की बिक्री 10 लाख यूनिट्स के आंकड़े को पार करने के लिए तैयार है, जो किसी भी कैलेंडर वर्ष में पहली बार होगा।

यहां टॉप पोजिशन पर टेस्ला है जो अपनी उत्पादन और डिलीवरी क्षमताओं को बढ़ा रही है। अकेले सितंबर में, कंपनी ने अमेरिका में ग्राहकों को 59,000 यूनिट्स की डिलीवरी की। कुल मिलाकर, महीने में लगभग 1.36 लाख ईवी डिलीवर की गईं। यह अमेरिका में इस महीने की कुल वाहन बिक्री का लगभग 11 प्रतिशत है।

विज्ञापन

2023 के दौरान अब तक देखे गए रुझान के अनुसार, बिजनेस कंसल्टेंसी फर्म एटलस पब्लिक पॉलिसी का अनुमान है कि दिसंबर के आखिर तक अमेरिका में लगभग 14 लाख ईवी बेची जा सकती हैं। इसका यह मतलब हो सकता है कि देश में कुल नई कारों की बिक्री में ईवी की हिस्सेदारी लगभग नौ प्रतिशत होगी, जो एक नई ऊंचाई है। अमेरिका में इंटरनल कंबशन इंजन (क्ष्ठए) वाले तुलनीय मॉडल के मुकाबले एश मॉडल का औसत मूल्य प्रीमियम लगभग 3,800 डॉलर या लगभग 3.15 लाख रुपये है। आने वाले समय में इसके कम होने की संभावना है। लेकिन जिस चीज ने ईवी को पहले ही मदद की है, वह टेस्ला जैसे निमार्ताओं द्वारा अपने ईवी मॉडल की कीमतों में कटौती करने का फैसला है। बढ़ी हुई उत्पादन क्षमताओं ने यह भी सुनिश्चित किया है कि डीलर लॉट पर ज्यादा यूनिट्स उपलब्ध हों। जिसकी वजह से अक्सर बेहतर सौदे और ऑफर मिलते हैं। जो इच्छुक ग्राहकों को आकर्षित करने और डील फाइनल करने के लिए प्रेरित करता है। इस समय चीन न सिर्फ दुनिया का सबसे बड़ा वाहन बाजार है बल्कि सबसे बड़ा ईवी बाजार भी है। यहां कुल नई कारों की बिक्री में ईवी की हिस्सेदारी करीब 26 फीसदी है। भारत में, अब तक सभी नई कारों की बिक्री में ईवी की हिस्सेदारी सिर्फ 2 प्रतिशत से कुछ ज्यादा है।

Hyundai का अपने ग्राहकों को बड़ा तोहफा, Special Service Camp में मिल रहा जबरदस्त डिस्काउंट और रिवार्ड ऑफर

नई दिल्ली। Hyundai Motor India Limited ने अपने वाहनों के लिए एक नए सर्विस कैंप की घोषणा की है। कंपनी ने इसे रें९३ उंगी उ'ल्लू नाम दिया है और ये 20 से 29 नवंबर 23 के बीच आयोजित किया जाएगा। ग्राहक 1,500 से अधिक हुंडई सर्विस सेंटरों में बिक्री के बाद की सेवा पर ऑफर और छूट का लाभ उठा सकेंगे। इसे अलावा ग्राहकों को हर दिन प्राइज जीतने का मौका भी मिल सकता है। आइए, पूरी खबर के बारे में जान लेते हैं।

Hyundai दे रही ये ऑफर्स

Hyundai की ओर से मुफ्त 70-पॉइंट चेक-अप, मैकेनिकल पार्ट्स पर 10 प्रतिशत की छूट, मैकेनिकल लेबर पर 20 प्रतिशत तक की छूट, व्हील अलाइनमेंट और बैलेंसिंग पर 15 प्रतिशत की छूट, इंटीरियर पर 20 प्रतिशत की छूट दी जा रही है। एक्सटीरियर ब्यूटिफिकेशन और ड्राई वॉश पर 20 प्रतिशत की छूट मिल रही है। इसके अलावा 1000 से अधिक ग्राहक रौं” क्ल्र्लं की ओर से रिवार्ड भी जीत सकते हैं।

वर्ष 2023 हुंडई मोटर इंडिया के लिए एक मील का पत्थर वर्ष रहा है। हमारी नवीनतम प्रविष्टि एसयूवी - एक्सटर ने उद्योग में तूफान ला दिया है और पहले से ही लगभग 100,000 बुकिंग के साथ जबरदस्त प्रतिक्रिया प्राप्त हुई है। क्ष्ठक्द्ध 5 को भी 2023 की शुरूआत में लॉन्च होने के बाद से अब तक 1000 से अधिक वाहनों की बिक्री के साथ एक आश्चर्यजनक प्रतिक्रिया मिली है। इस उत्सव को और अधिक बढ़ाते हुए, हमें राष्ट्रव्यापी 'हुंडई स्मार्ट केयर क्लिनिक' अभियान की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है जो कई प्रकार के लाभ प्रदान करता है।

Hyundai की Samarth पहल

आपको बता दें कि निमार्ता ने हाल ही में दिव्यांग लोगों के लिए Samarth पहल शुरू की है। समर्थ पहल का उद्देश्य विकलांग लोगों के लिए जागरूकता पैदा करना और एक जन आंदोलन बनाना है। निमार्ता अपनी वेबसाइट को दिव्यांगों के अनुकूल बनाएगा, जिससे सभी के लिए समान ऑनलाइन पहुंच सुनिश्चित होगी। पहुंच में आसानी के लिए सभी डीलरशिप और सर्विस सेंटर दिव्यांगों के अनुकूल बन जाएंगे।

जब शहर के ट्रैफिक में चलानी हो कार, तो रखें इन बातों का ध्यान, नहीं होंगे परेशान

एनटीवी

ऑफिस आने-जाने सहित अन्य कामों के लिए लोग कारों का उपयोग करते हैं। लेकिन ट्रैफिक के बीच कार को किन बातों का ध्यान रखते हुए चलाया जा सकता है। आइए जानते हैं। देश में हर साल लाखों की संख्या में कारों की बिक्री होती है। साथ ही अन्य वाहनों की संख्या में भी बढ़ोतरी के कारण सड़कों पर अक्सर भारी ट्रैफिक मिलता है। ऐसे में ट्रैफिक के बीच कार को चलाना काफी चुनौती भरा होता है। हम इस खबर में आपको बता रहे हैं कि ट्रैफिक में किन बातों का ध्यान रखकर कार चलानी चाहिए।

बिना वजह एक्सीलरेटर ना दबाएं

ट्रैफिक के बीच कार के एक्सीलरेटर को बिना वजह नहीं दबाना चाहिए। इससे इंजन पर बिना वजह भार पड़ता है और तेल की खपत भी होती है। जिससे आपका खर्च भी बढ़ता है। इसके अलावा ट्रैफिक के बीच ऐसा करने से अन्य वाहन सवार भी परेशान हो सकते हैं।

क्लच का इस तरह करें उपयोग

ट्रैफिक के बीच अगर आप कार चलाते हैं, तो आपको क्लच का भी समझदारी से उपयोग करना चाहिए। अगर कार को गियर में रखकर आप क्लच को दबाएं रखते हैं, तो इससे कार के इंजन पर भी अतिरिक्त भार पड़ता है और ईंधन की खपत भी ज्यादा होती है। साथ ही गलती से क्लच से पैर हटने पर हादसा होने का खतरा भी होता है। वहीं क्लच को दबाए रखने के कारण थकावट भी जल्दी होने लगती है।

बार-बार लेन ना बदलें

ट्रैफिक में लंबे समय तक फंसे रहने के बाद लोग बार-बार लेन बदलकर ट्रैफिक से निकलने की कोशिश करते हैं। जबकि ऐसा करना ना सिर्फ आपके लिए बल्कि अन्य वाहनों के लिए परेशानी भरा हो सकता है। अपनी लेन में ही वाहन चलाने पर अन्य वाहनों को भी ट्रैफिक से निकलने में कम समय और असुविधा नहीं होती। लेकिन अगर बार-बार आप लेन बदलते हैं तो फिर आपको ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है और अन्य वाहनों को भी असुविधा होती है।

गाड़ी में करें यह काम

अगर आप ट्रैफिक के बीच फंसे हुए होते हैं तो आपको सबसे पहले खुद को शांत रखना होता है। साथ ही आप कार में अपनी पसंद का म्यूजिक सुन सकते हैं और पानी भी पी सकते हैं। जिससे आप ट्रैफिक के बीच भी तरोताजा रह सकें।

कुछ ऐसी होगी महिंद्रा की पहली 7-सीटर इलेक्ट्रिक कार, लॉन्च से पहले जानें डिटेल्स

एनटीवी

नई दिल्ली। Mahindra & Mahindra की ओर से 2024 कैलेंडर वर्ष में कम से कम पांच नई एसयूवी लॉन्च करने की तैयारी है। इसमें कंपनी की पहली 7-सीटर इलेक्ट्रिक कार वश्.ी8 शामिल है और इसकी लॉन्च टाइमलाइन बहुत पहले ही सामने आ गई थी। पिछले कुछ महीनों में, वश्700 आधारित इलेक्ट्रिक एसयूवी के कुछ स्पाई शॉट्स सामने आए हैं। आइए, इसके बारे में जान लेते हैं।

Mahindra XUV.e8 ब्रांड की जीरो-एमीशन एसयूवी की एक नई सीरीज पेश करेगी और इसके बाद कंपनी की पहली इलेक्ट्रिक कार वश्400 को भी अगले साल नया रूप मिलेगा। वश्.ी8 को वश्400 के ऊपर स्थित किया जाएगा और यह आगामी टाटा कर्ववी ईवी, मारुति सुजुकी ईवीएक्स और इसके टोयोटा सिब्लिंग, 2026-बाउंड एलिवेट ईवी और हुंडई व किआ की ई-एसयूवी को टक्कर देगी।

Mahindra XUV.e8 का डिजाइन वश्700 जैसा है, लेकिन इसे अधिक विकसित तरीके से डिजाइन किया गया है। कैमो पहनने के बावजूद ये इलेक्ट्रिक एसयूवी अपने टेल लैंप डिजाइन को दिखाती है, जो इसके आईसी-इंजन वर्जन के समान है। हालांकि, फ्रंट फेसिया में बोनट के नीचे एक पूर्ण-चौड़ाई वाला रनिंग एलईडी लाइट बार दिया गया है।

वर्टिकल स्टेक्ड लाइटिंग एलीमेंट और लाइट बार कॉन्सेप्ट के समान नजर आते हैं ट्विन पीक्स कॉपर बैज वाला शट-ऑफ ग्रिल सेक्शन व लोअर बम्पर इनटेक अन्य मुख्य आकर्षण हैं। केबिन में ट्रिपल-स्क्रीन लेआउट, माउंटेड कंट्रोल के साथ टू-स्पोक फ्लैट-बॉटम स्टीयरिंग व्हील, ड्राइव मोड सेलेक्टर, एक बड़ा आर्मरेस्ट और एक गियर लीवर मिलता है।

बैटरी, मोटर और रेंज

Mahindra XUV.e8 IYu INGLO आर्किटेक्चर पर आधारित किया जाएगा और इसमें सिंगल और डुअल इलेक्ट्रिक मोटर कॉनफि गरेशन के साथ 60-80 ‘हँ बैटरी पैक का उपयोग किया जाएगा। एक बार चार्ज करने पर इसकी ड्राइविंग रेंज 450 किमी से अधिक होने की उम्मीद है। मिडसाइज इलेक्ट्रिक एसयूवी स्पेस में अगले दो से तीन वर्षों में तगड़ा कंपटीशन देखने को मिलेगी और शुरूआती मूवर्स में से एक होने के नाते, महिंद्रा वश्.ी8 पर ट्रिगर खींच रहा है, क्योंकि इसे दिसंबर 2024 में पेश किया जाएगा।

भाजपा की नींद

उन्हें नग्नता परोसना पड़ रहा है। और वो लाइक और व्यू के आसमान में उड़ने के लिए नग्नता परोस स्वयं के मान सम्मान स्वाभिमान का सौदा आसानी से कर रही है। कुछ चप्पल छाप यूट्यूबर्स लोग केवल व्यू पाने के लिए हमारी आस्था पर इस तरह के अश्लीलता वाले थम्बनेल लगाते हैं। किससे क्या कहें? जीवन का चरमसुख अब निर्भर हो गया है।

अखिलेश को लेकर यह सोच इसलिए बन रही है, क्योंकि उन्होंने ऐलान कर दिया है कि समाजवादी पार्टी राज्य की 80 में से 65 सीटों पर खुद उतरेगी। पंद्रह सीटों को छोड़कर अखिलेश यादव ने गठबंधन की गुंजाइश तो छोड़ी है। अखिलेश के साथ विधानसभा चुनाव लड़ चुके सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के ओमप्रकाश राजभर अखिलेश का साथ छोड़ चुके हैं। जिस तरह बहन जी यानी मायावती ने जिस तरह ह्यएकला चलो रे का राग अपना रखा है, उससे अखिलेश मान चुके हैं कि बहुजन समाज पार्टी से इस बार गठबंधन संभव नहीं है। पिछले लोकसभा चुनाव में दोनों पार्टियों के बीच गठबंधन था। तब इसे बुआ-बबुआ का गठबंधन माना जा रहा था। साल 2017 के विधानसभा चुनावों में अखिलेश यादव की पार्टी का कांग्रेस के साथ गठबंधन था, तब उस गठबंधन को राहुल गांधी के साथ के चलते यूपी के लड़के कहा गया था। वैसे तो हर चुनाव में हर राजनीतिक दल के लिए गुंजाइश होती ही है। लेकिन यह भी नहीं भूलना चाहिए कि देश में अतीत में ये दोनों गठबंधन भारतीय जनता पार्टी के सामने काम नहीं आए। पिछले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के साथ समाजवादी पार्टी का साफ गठबंधन नहीं था। लेकिन यह भी सच है कि समाजवादी पार्टी ने अमेठी और रायबरेली में अपने उम्मीदवार नहीं उतारे थे। लगता है कि पिछले दो विधानसभा चुनावों और लोकसभा चुनावों के अनुभव से अखिलेश सीखने की कोशिश कर रहे हैं। बेशक नीतीश कुमार और ममता बनर्जी की पहल पर अखिलेश ने विपक्षी इंडी गठबंधन में शामिल होने के लिए कदम बढ़ाया। लेकिन जिस तरह मध्य प्रदेश में कांग्रेस ने उन्हें किनारे किया, उससे वे नाराज हैं। अखिलेश अपनी नाराजगी जाहिर करने से नहीं हिचकते। कमलनाथ के बयान के बाद जिस तरह अखिलेश ने तीखी प्रतिक्रिया जताई, उससे साफ है कि कांग्रेस को लेकर इस बार वे सहज नहीं हैं। लेकिन भारतीय जनता पार्टी को चुनौती देने के लिए वे कांग्रेस का साथ ले सकते हैं। लेकिन कांग्रेस का जैसा रवैया है, जिस तरह विधानसभा चुनावों में कांग्रेस ने गठबंधन में शामिल दलों को अनदेखा किया है, इसलिए वे कांग्रेस के साथ भी भरे मन से जा सकते हैं। क्योंकि अखिलेश नहीं चाहते कि चुनावों में विगत के दो लोकसभा चुनावों की तरह उनकी हालत हो। विपक्षी गठबंधन में ममता बनर्जी के बाद शायद अखिलेश ही ऐसे नेता हैं, जो पूरी शिद्दत के साथ अपनी चुनावी तैयारी में व्यस्त हैं। उन्होंने उत्तर प्रदेश में पीडीए के फॉर्मूले पर काम शुरू किया है। पी यानी पिछड़ा, डी यानी दलित और ए यानी अल्पसंख्यक। अखिलेश अपने कार्यकर्ताओं से इस ए के साथ आधी दुनिया यानी महिलाओं को भी जोड़ने की बात कर रहे हैं। समाजवादी पार्टी का वोट बैंक एमवाई यानी मुस्लिम-यादव के गठजोड़ पर केंद्रित रहा है। अतीत में राज्य की गैर यादव पिछड़ी जातियों का भी उसे साथ मिलता रहा है। लेकिन भारतीय जनता पार्टी के उभार के बाद गैर यादव पिछड़ी जातियों का बड़ा हिस्सा उसके साथ आ गया है। कोइरी, निषाद, कान्दू, गोड़, नाई, खरवार, नोनिया, कुर्मी आदि जातियों का एक बड़ा हिस्सा अब भाजपा के साथ है। बहुजन समाज पार्टी की स्थिति खराब होने की एक बड़ी वजह उसके दलित वोट बैंक में पड़ी दरार है। अब दलितों में ज्यादातर जाटव वर्ग ही बहुजन समाज पार्टी के साथ हैं। डोम, बसफोर, धोबी, दुसाध या पासवान जैसी जातियों का रुझान पिछले कुछ चुनावों में भारतीय जनता पार्टी के साथ दिखा है। अखिलेश की निगाह गैर जाटव दलित और गैर यादव पिछड़ी जातियों पर भी है। चूंकि राजभर और नोनिया जातियां साथ आती रही हैं और ओमप्रकाश राजभर अब भाजपा के साथ हैं, इसलिए इनमें सेंध लगाना अखिलेश के लिए आसान नहीं होगा। पिछले कुछ चुनावों में महिलाओं ने खुलकर भाजपा का साथ दिया है। अखिलेश को अब आभास हो गया है कि उनकी चुनौती बड़ी है। 2012 का विधानसभा चुनाव जीतने और कम उम्र में मुख्यमंत्री का पद पा लेने के बाद राजनीति की पथरीली चुनौतियों को वे उतनी गहराई से शायद नहीं समझ पाते थे, जितनी समझ उनके पिता मुलायम सिंह की थी। लेकिन लगातार चार चुनावों में पिछड़ने के बाद लगता है कि वे राजनीति को ठीक से समझने लगे हैं। इसीलिए वे अपनी तरह से राजनीति को धार दे रहे हैं। शायद यही वजह है कि वे अपने तरीके से अपनी राजनीति को आगे बढ़ा रहे हैं।

तेरी मेरी उसकी बात

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

कल की ही बात है। वैसे भी हमारे यहाँ बरसों बीत जाने पर भी ह्यकल की ही बात हैह्न कहने का चलन अनंत काल से चला आ रहा है। हम अपने कल को कभी बासी नहीं पड़ने देते। हमारा कल हमेशा तरोताजा रहता है और रहेगा भी। विश्वास न हो तो तरोताजगी के बलात्कार, भ्रष्टाचार, अन्याय और क्रूरता की पावन खबरों से पटे अखबार के पन्नों या फिर गलाफाड़ प्रचार करते टीवी एंकरों को ही देख लें। हमारे यहाँ तारीखें बदलती हैं, घटनाएँ नहीं। यही तो हमारी तरोताजगी का सबसे बड़ा प्रमाण है। हाँ तो मैं अपने कल की बात बता रहा था। पड़ोस की बहन ने मुझे राखी बांधी थी। औपचारिकता के तौर पर उसने मेरी आरती उतारी, मिठाई खिलाया। मैंने भी उपहार देकर अपनी जिम्मेदारी निभा दी। मैं उनके घर से जैसे ही निकलने वाला था कि मेरी नजर वहाँ पड़े समाचार पत्र पर पड़ी। बड़े-बड़े अक्षरों पर लिखा था शहर में गैंगरेप। पहले तो मैंने इस खबर की कड़े शब्दों में निंदा की जैसा कि हर नेता करता है। किंतु खबर की चीड़फाड़ करते समय मैंने अपनी असलियत व्यक्त करते हुए कहा, ये लड़कियाँ भी जब तक इस तरह के जींस, टी शर्ट और अंगदिखाऊ कपड़े पहनेंगी तब तक उनके साथ इसी तरह की घटनाएँ घटेंगी। थोड़ी देर पहले तक गैंगरेपियों को डाँटने वाला मैं, पीड़िता को डाँटने लगा। उस पर आरोप मढ़ने लगा। मेरी यह सब बातें बहन ध्यान से सुन रही थी। उसने हँसते हुए कहा, आप तो पूरी तरह नेता जैसी बातें करने लगे हो। लगता है बहुत जल्द चुनाव लड़ने वाले हो। मैंने हँसते हुए कहा, ऐसी कोई बात नहीं है। वैसे ये सारी बातें उन लड़कियों के बारे में है, जो इस तरह के कपड़े पहनती हैं। तुम तो हरगिज ऐसी नहीं हो। तुम्हें देखकर जमाने को सीखना चाहिए। इतना कहते हुए मै बाहर निकल ही रहा था कि मुझे जींस पहनी रमा दिखायी दी। वह हमारे पड़ोस में रहती है। मैंने उसे देखकर उसके कपड़ों की तारीफ कर दी और कहा, तुम इन कपड़ों में खूब फबती हो। इतना कहते हुए मैं अपने घर लौट आया।

सोशल मीडिया पर नग्नता का नंगा नाच

लेखक : डॉ. सत्यवान सौरभ

उन्हें नग्नता परोसना पड़ रहा है। और वो लाइक और व्यू के आसमान में उड़ने के लिए नग्नता परोस स्वयं के मान सम्मान स्वाभिमान का सौदा आसानी से कर रही है। कुछ चप्पल छाप यूट्यूबर्स लोग केवल व्यू पाने के लिए हमारी आस्था पर इस तरह के अश्लीलता वाले थम्बनेल लगाते हैं। किससे क्या कहें? जीवन का चरमसुख अब फॉलोअर्स पाने और कमेंट आने पर निर्भर हो गया है। फेसबुक जैसे प्लेटफॉर्म पर आज ो अनुगृहित करती दिखाई देती है

जीवन का चरमसुख अब फॉलोअर्स पाने और कमेंट आने पर निर्भर हो गया है। फेसबुक जैसे प्लेटफॉर्म पर नग्न अवस्था में तस्वीरें शेयर कर आज लड़कियां लाइक कमेंट पाकर खुद को अनुगृहित करती दिखाई देती है मानो जीवन की सबसे अहम और जरूरी ऊंचाई को उन्होंने पा लिया हो। इस नग्नता को हम आधुनिकता के इस दौर में न्यू फैशन कहते हैं। सोशल मीडिया पर फैशन की उबाल आई तो सोशल नेटवर्क पर युवा पीढ़ी ने खुद को खूबसूरत युवतियों से पीछे पाया, फिर क्या युवकों ने खुद की नग्नता का नंगा नाच शुरू किया कहा मैं पीछे कैसे ? युवा अपने यौवन को दिखाते घूम रहे हैं मैं किसी से कम नहीं। पहले के जमाने में बड़े बुजुर्ग इस तरह की हरकतों पर नकेल कसते थे। खैर जमाना आधुनिक है इस लिए समाज इसे स्वीकारता और आनंदित होता है। ऐसे बिगड़ैल यूट्यूबर के इंटरव्यूज होना और भी अचरज की बात है।सोशल मीडिया पर आजकल जो ये फॉलोवर बढ़ाने के लिए जो नग्नता परोसी जा रही है। क्या उसमें परोसने वाले ही दोषी हैं? क्या उसको लाइक और शेयर करने वाले दोषी नहीं हैं ? मेरे हिसाब से तो वो ज्यादा दोषी हैं। अगर हम ऐसी पोस्ट या वीडियो को लाइक शेयर करना ही बंद कर दें तो क्या ये बंद नहीं हो सकता ? पूरा देश नग्नता के लिए फिल्मों को दोष देता है परंतु आज सोशल मीडिया (सामाजिक पटल) पर इतनी भयंकर नग्नता है कि हमारी जो भारतीय फिल्में को भी शर्म आ जाए। आज कोई भी सोशल प्लेटफार्म अछूता नहीं है फूहड़पन और नग्नता से। सोशल मीडिया के अंधे दौर में कुछ लाइक और व्यू पाने के लिए हमारे समाज की नारियों को कैसे लक्षित किया जा रहा है और उन्हें नग्नता परोसना पड़ रहा है। और वो लाइक और व्यू के आसमान में उड़ने के लिए नग्नता परोस स्वयं के मान सम्मान स्वाभिमान का सौदा आसानी से कर रही है। कुछ चप्पल छाप यूट्यूबर्स लोग केवल व्यू पाने के लिए हमारी आस्था पर इस तरह के अश्लीलता वाले थम्बनेल लगाते हैं। किससे क्या कहें? जीवन का चरमसुख अब फॉलोअर्स पाने और कमेंट आने पर निर्भर हो गया है। फेसबुक जैसे प्लेटफॉर्म पर नग्न अवस्था में तस्वीरें शेयर कर आज लड़कियां लाइक कमेंट पाकर खुद को अनुगृहित करती दिखाई देती है, मानो जीवन की सबसे अहम और जरूरी ऊंचाई को उन्होंने पा लिया हो। इस नग्नता को हम आधुनिकता के इस दौर में न्यू फैशन कहते हैं। सोशल मीडिया पर फैशन की उबाल आई तो सोशल नेटवर्क पर युवा पीढ़ी ने खुद को खूबसूरत युवतियों से पीछे पाया, फिर क्या युवकों ने खुद की नग्नता का नंगा नाच शुरू किया और कहा, मैं पीछे कैसे ? युवा अपने यौवन को दिखाते घूम रहे हैं मैं किसी से कम नहीं। ऐसे बिगड़ैल यूट्यूबर के इंटरव्यूज होना और भी अचरज की बात है। पहले के जमाने में बड़े बुजुर्ग इस तरह की हरकतों पर नकेल कसते थे। खैर जमाना आधुनिक है इस लिए समाज इसे स्वीकारता और आनंदित होता है। पर ये बहुत ही गम्भीरता से सोचने का विषय है - हमारे घरों के छोटे-छोटे बच्चे किस दिशा में जा रहे हैं। माता-पिता क्यों जानबूझ कर अनदेखा कर रहें हैं? क्यों नहीं अपने बच्चों को टाईम और संस्कार देना चाहते हैं? क्यों अपने हाथो अपने बच्चो को दलदल में धकेल रहें हैं। आजकल के माता-पिता बहुत ज्यादा मार्डन है और उन्हें नंगापन, बॉयफ्रेंड और मार्डन परिवेश बेहद आकर्षित करती है। ये आने वाली पीढ़ी और समाज के लिए घातक सिद्ध होगा। टीनएजर लड़कियों की मनःस्थिति को अपने खास मकसद के मुताबिक ढाला जा रहा है। अब तो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मस आभासी नग्नता के अड्डे बने हुए हैं। वल्गर रील्स और वीडियोस तो अब हर घर के टीनेजरस बना ही रहे हैं। अब तो ऐसा महसूस होने लगा है कि वैश्यावृति के अड्डे भी नये विकल्पों के साथ हवस परस्त मर्दो के लिए उपलब्ध हो गए हैं। सोशल मीडिया पर आजकल जो ये फॉलोवर बढ़ाने के लिए जो नग्नता परोसी जा रही है। क्या उसमें परोसने वाले ही दोषी हैं? क्या उसको लाइक और शेयर करने वाले दोषी नहीं हैं ? मेरे हिसाब से तो वो ज्यादा दोषी हैं। अगर हम ऐसी पोस्ट या वीडियो को लाइक शेयर करना ही बंद कर दें तो क्या ये बंद नहीं हो सकता ? आज सामाजिक विकार अपने सफर के सफलतम पड़ाव में है। रोकथाम की कोई गुंजाइश नही है। अब तो प्रलय ही इसकी गति को रोक सकती है। सोशल मीडिया में रील्स पर नग्न और अश्लील नृत्य की नौटंकी करने वाली बेटियों से निवेदन है कि चंद कागज के टुकड़ों के लिए अपने परिवार और धर्म की इज्जत तार-तार ना करो। पैसे आपको आज नृत्य के लिए नही अपितु नग्नता परोसने के लिए दिए जा रहे है ताकि पूरे समाज को एक दिन रसातल में धकेल कर नीचा दिखाया जा सके। हमारी संस्कृति ही नहीं बचेगी तो तो हमारे राष्ट्र का और आने वाली पीढ़ियों का दुगुर्णों से विनाश होने से कोई बचा नहीं सकता है। अभी समझे कि संस्कृति क्या है और इसे बचाना क्यों जरूरी है। यह हमारे राष्ट्र का स्वाभिमान है।

क्या आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मानवता के लिए खतरा है

लेखक :विजय गर्ग

जिन्होंने कहा था कि यदि कोई मशीन मशीन के रूप में पहचाने बिना किसी इंसान के साथ बातचीत में संलग्न हो सकती है, तो इसने मानव बुद्धि का प्रदर्शन किया है। एलेक्सा जैसे उपकरणों और चैटजीपीटी जैसे सॉफ्टवेयर का विकास संभवतः शोधकताओं द्वारा ट्यूरिंग परीक्षण के मानदंडों को पूरा करने की कोशिश का परिणाम है। सबसे पहले, अल की थोड़ी समझ आवश्यक है। अल, अपने वर्तमान अवतार में, परिष्कृत पैटर्न पहचान से अधिक कुछ नहीं है। प्रोग्राम उपभोक्ता व्यवहार, भाषण, पाठ, तस्वीरों, मेडिकल डायग्नोस्टिक स्कैन आदि में पैटर्न की तलाश करते हैं।

यदि आप आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर लेखों से भरे नहीं हैं, तो आप शायद चट्टान के नीचे रह रहे हैं। इनमें से कई लेख मशीनों द्वारा मानव जाति पर कब्जा करने पर आधारित एक डायस्टोपियन भविष्य की तस्वीरें उठाते हैं। यदि आप मानव जाति के भविष्य के बारे में पर्याप्त रूप से आशंकित हैं, तो मुझे अपना विश्लेषण प्रस्तुत करने का प्रयास करना चाहिए कि अल क्या है और क्या नहीं है, और यह निकट भविष्य में हमारी दुनिया को कैसे आकार दे सकता है। अल कोई हालिया घटना नहीं है, हालांकि चैटजीपीटी जैसे विशिष्ट हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर के मामले में इसने हाल ही में अधिक लोकप्रियता हासिल की है। यह शब्द पहली बार 1956 में स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय के कंप्यूटर वैज्ञानिक जॉन मैकार्थी द्वारा गढ़ा गया था। उन्होंने इसे ₹बुद्धिमान मशीनें बनाने का विज्ञान और इंजीनियरिंग₹ के रूप में परिभाषित किया। तब से, कई वैज्ञानिकों और इंजीनियरों ने इस क्षेत्र में काम किया है और हमने अनुसंधान के लिए धन की कमी के कारण कई बार व्यस्त गतिविधियों के साथ-साथ शुष्क दौर भी देखा है। दूसरा शब्द जो मैं संक्षेप में प्रस्तुत करना चाहता हूं वह ट्यूरिंग टेस्ट है, जिसका नाम एलन ट्यूरिंग के नाम पर रखा गया है, जिन्होंने कहा था कि यदि कोई मशीन मशीन के रूप में पहचाने बिना किसी इंसान के साथ बातचीत में संलग्न हो सकती है, तो इसने मानव बुद्धि का प्रदर्शन किया है। एलेक्सा जैसे उपकरणों और चैटजीपीटी जैसे सॉफ्टवेयर का विकास संभवतः शोधकताओं द्वारा ट्यूरिंग परीक्षण के मानदंडों को पूरा करने की कोशिश का परिणाम है। सबसे पहले, अल की थोड़ी समझ आवश्यक है। अल, अपने वर्तमान अवतार में, परिष्कृत पैटर्न पहचान से अधिक कुछ नहीं है। प्रोग्राम उपभोक्ता व्यवहार, भाषण, पाठ, तस्वीरों, मेडिकल डायग्नोस्टिक स्कैन आदि में पैटर्न की तलाश करते हैं। सॉफ्टवेयर को शब्दों, चित्रों, संख्याओं और स्कैन के एक बहुत बड़े डेटाबेस का उपयोग करके पैटर्न को पहचानने के लिए ₹प्रशिक्षित₹ किया जाता है। उदाहरण के लिए, यदि कोई ग्राहक नियमित आधार पर किसी रिटेल आउटलेट से कुछ उत्पाद खरीदता है, तो एएल इस खरीद पैटर्न का पता लगाने में सक्षम होगा और ग्राहक को उसकी प्राथमिकताओं से मेल खाने वाले अनुकूलित मेल/विज्ञापन भेजे जा सकते हैं। जब चेहरे की पहचान की बात आती है, तो चित्र को कई बिंदुओं या पिक्सेल में विभाजित किया जाता है। सॉफ्टवेयर पैटर्न निर्धारित करने के लिए पिक्सेल का विश्लेषण करता है जो चेहरे की विशेषताओं के बारे में जानकारी देता है। फिर सॉफ़्टवेयर उस पैटर्न की तुलना करेगा जिस पर उसे प्रशिक्षित किया गया है, यह निर्धारित करने के लिए कि क्या दोनों तस्वीरें एक ही व्यक्ति की हैं। अल द्वारा विकसित उत्तरों की सटीकता, या शुद्धता इसे प्रशिक्षित करने के लिए उपयोग किए गए डेटा पर निर्भर है। प्रशिक्षण सॉफ्टवेयर में बड़ी मात्रा में डेटा फीड करके किया जाता है, फिर सॉफ्टवेयर को पूछे गए प्रश्न का उत्तर देने दिया जाता है। उत्तर की सटीकता के संबंध में मानवीय प्रतिक्रिया प्रदान करके, सॉफ़्टवेयर को ₹प्रशिक्षित₹ किया जाता है ताकि वह अपने अगले प्रयास में पैटर्न को समझने की अपनी क्षमता में सुधार कर सके। प्रशिक्षण में उपयोग किए गए डेटा में अंतराल और कमियों के कारण एएल द्वारा गलतियाँ करने के पर्याप्त सबूत हैं। ये गलतियाँ अमेरिका में चेहरे की पहचान में हुई हैं जहाँ कार्यक्रम ने गलत तरीके से किसी व्यक्ति को उस अपराध में संदिग्ध के रूप में पहचाना है जो उसके द्वारा नहीं किया गया है। एएल कार्यक्रमों के ऐसे कई उदाहरण हैं जो जाति, लिंग, उम्र आदि के आधार पर स्पष्ट पूर्वाग्रह दिखाते हैं, जब सॉफ़्टवेयर को प्रशिक्षित करने के लिए उपयोग किया जाने वाला डेटाबेस खराब या पक्षपातपूर्ण रहा हो। सॉफ़्टवेयर की जटिलता के बावजूद, उनमें से कोई भी 100% विश्वसनीय नहीं है। कुछ लोग कह सकते हैं कि दोनों ही मनुष्य नहीं हैं। किसी सॉफ़्टवेयर को निर्णय लेने देने में दो प्रमुख खतरे हैं। सबसे पहले, अधिकांश अल सॉफ्टवेयर एक ब्लैक बॉक्स की तरह हैं। प्रोग्राम द्वारा प्रयुक्त तर्क पर प्रश्न उठाना संभव नहीं है। ये करता हैहमें ऑडिटट्रेल करने की अनुमति न दें। दूसरा, लोग सॉफ़्टवेयर के आउटपुट पर बहुत विश्वास करते हैं और इस पर सवाल नहीं उठाते हैं, यह मानते हुए कि कंप्यूटर इंसानों की तरह गलतियाँ नहीं कर सकते हैं। लेकिन जैसा कि मैंने उल्लेख किया है, ऐसे कई उदाहरण हैं जहां अल ने त्रुटि की है। संपूर्ण मानव कार्य की जिम्मेदारी पूरी तरह से एक कंप्यूटर प्रोग्राम को सौंप देना गलत होगा, खासकर तब जब हम प्रोग्राम की विश्वसनीयता के बारे में आश्वस्त नहीं हैं। यदि त्रुटि के परिणामस्वरूप किसी व्यक्ति को गलत विश्वास हो जाता है, तो मानवीय दृष्टिकोण से परिणाम बहुत बड़े होते हैं। हम जो कर सकते हैं और शायद करना भी चाहिए, वह है मानव कार्य के दोहराव वाले घटक को स्वचालित करना। यह मानव को इनपुट प्रदान करके अधिक मूल्य जोड़ने के लिए स्वतंत्र करेगा जो कंप्यूटर नहीं कर सकते। इसका एक अच्छा उदाहरण हवाई जहाजों में ऑटो पायलट का प्रयोग है। किसी विमान को उड़ाने का सबसे लंबा और सबसे उबाऊ हिस्सा वह होता है

चीन में फैली रहस्यमय बीमारी से भारत पूरी तरह अलर्ट मोड में आया

लेखक :किशन भावनानी

इसलिए आज हम मीडिया प्रेस और पीआईबी में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, चीन में बच्चों में फैली श्वास की रहस्यमय बीमारी पर डब्लूएचओ सहित पूरी दुनियां अलर्ट हुई है इसको रेखांकित करना जरूरी है। साथियों बात अगर हम कोविड-19 के बाद नई इस रहस्यमय बीमारी की दस्तक की करें तो, चीन में कोरोना महामारी के बाद एक नई बीमारी ने दस्तक दे दी है।

वैश्विक स्तरपर पूरी दुनियां अभी कोविड-19 महामारी से उबर भी नहीं पाई है कि फिर एक बार मेडिकल इमरजेंसी की आहट सुनाई दे रही है, क्योंकि उत्तरी चीन के बच्चों में तथाकथित निमोनिया जैसी रहस्यमय बीमारी तेजी से फैल रही है, स्थिति यहां तक है कि एक दिन में सात हजार से अधिक केस आने से स्थिति विस्फोटक होते जा रही है और अब डब्लूएचओ ने भी कमेंट कर बेहतर प्रतिक्रिया तंत्र की तलाश करने का दबाव बनाया जा रहा है तो अब पूरी दुनियां अलर्ट हो गई है,क्योंकि कोविड महामारी के भयंकर नतीजे में लाखों नागरिकों की जान जा चुकी है इसलिए अब भारत भी अलर्ट मोड में आ गया है। दिनांक 26 नवंबर 2023 को दो पृष्ठों के प्रेस रिलीज, पीआईबी में जानकारी दी गई है। राज्य केंद्र शासित प्रदेशों को केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव ने इस संबंध में पत्र जारी कर खास निर्देश दिए हैं। चूंकि कोविड के नतीजे पूरी दुनियां भुगत चुकी है इसलिए इस रहस्यमय बीमारी पर अलर्ट रहना जरूरी है, इसलिए आज हम मीडिया प्रेस और पीआईबी में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, चीन में बच्चों में फैली श्वास की रहस्यमय बीमारी पर डब्लूएचओ सहित पूरी दुनियां अलर्ट हुई है इसको रेखांकित करना जरूरी है। साथियों बात अगर हम कोविड-19 के बाद नई इस रहस्यमय बीमारी की दस्तक की करें तो, चीन में कोरोना महामारी के बाद एक नई बीमारी ने दस्तक दे दी है। इस बीमारी का बच्चों पर ज्यादा असर पड़ रहा है। इस बीमारी की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि वहां की सरकार ने कई स्कूलों को बंद करने का आदेश दिया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय भी इसे लेकर अलर्ट हो गया है। किसी द्वारा फैलाई गई कोरोना महामारी से दुनिया अभी पूरी तरह से उबरी भी नहीं है कि अब एक और बड़ी मेडिकल इमरजेंसी की आहट सुनाई देने लगी है. इस बार फिर वही बीमारी का जनक बनता नजर आ रहा है। उत्तरी चीन के बच्चों में निमोनिया की बीमारी तेजी से फैल रही है. आलम यह है कि स्थिति विस्फोटक हो गई है। चीन में डॉक्टर कोरोना की तर्ज पर एक और बीमारी के खतरे से सहमे लोगों को भ्रम नहीं फैलाने की सलाह दे रहे हैं। साथियों बात अगर हम केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी खास निदेर्शों की करें तो, केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव द्वारा राज्यों और केंद्र-शासित प्रदेशों को लिखे गए एक पत्र में, उन्हें जन स्वास्थ्य और अस्पताल की तैयारियों की तुरंत समीक्षा करने की सलाह दी गई है। मानव संसाधन, अस्पताल में फ्लू के लिए दवाएं और टीके, मेडिकल ऑक्सीजन, एंटीबायोटिक औषधियों, व्यक्तिगत सुरक्षा के उपकरणों, टेस्टिंग किट एवं रिएजेंट, ऑक्सीजन प्लांट और वेंटिलेटर की पर्याप्त उपलब्धता, स्वास्थ्य सेवाओं में संक्रमण की रोकथाम के पर्याप्त उपाय इनमें शामिल हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने हाल के सप्ताहों में उत्तरी चीन में बच्चों में श्वसन संबंधी बीमारियों में वृद्धि का संकेत देने वाली हालिया रिपोर्टों के मद्देनजर पर्याप्त सावधानी बरतने के लिए, श्वसन संबंधी बीमारियों से निपटने के लिए तैयारियों के क्रम में किए जा रहे उपायों की विस्तृत समीक्षा करने का निर्णय लिया है। मौजूदा इन्फ्लूएंजा और सर्दी के मौसम को ध्यान में रखना महत्वपूर्ण है, जिसके परिणामस्वरूप श्वसन संबंधी बीमारी में वृद्धि हुई है। भारत सरकार इस पर बारीकी से नजर रख रही है। भारत सरकार ने कहा कि घबराने की कोई जरूरत नहीं है। सभी राज्यों और केंद्र-शासितप्रदेशों को कोविड-19 के संदर्भ में संशोधित निगरानी रणनीति, के लिए परिचालन दिशानिर्देश' लागू करने की सलाह दी गई है, जिसे इस वर्ष की शुरूआत में जारी किया गया था और जो इन्फ्लूएंजा जैसी बीमारी (आईएलआई) और गंभीर तीव्र श्वसन रोग (एसएआरआई) के मामलों के रूप में पेश होने वाले श्वसन रोगजनकों की एकीकृत निगरानी प्रदान करता है।

बेहतर सेवानिवृत्ति को वित्तीय साधन में करें निवेश, बाद में काम आएगा पैसा

एनटीवी, नई दिल्ली

कमाई के समय परिवार के सदस्यों की देखभाल करने के लिए लग्जरी जरूरत हो सकती है, लेकिन अपनी सेवानिवृत्ति से समझौता करके ऐसा नहीं करना चाहिए। कई प्रवासी भारत में घर बनाते हैं जो बुरा कदम नहीं है। पर वित्तीय साधनों के निवेश को नजरअंदाज नहीं करें। जैसे-जैसे आप सेवानिवृत्ति के करीब पहुंचें, गैर-वित्तीय परिसंपत्तियों में हिस्सा कम करें। सेवानिवृत्ति के करीब पहुंच रहे कई लोगों के बीच यह एक आम बात है कि उनके पास बहुत पैसा है। उनके पास पैसा तो है, लेकिन ये पैसे एक ऐसे साधन जैसे रियल एस्टेट और सोना में लगे हैं। इसका मतलब यह है कि आप रिटायरमेंट के बाद जरूरत पर इन दोनों संपत्तियों को बेच नहीं सकते हैं। ऐसे में अगर इन दोनों के साथ-साथ वित्तीय साधन में भी निवेश करते हैं तो रिटायरमेंट के समय आपको जरूरतें पूरी करने के लिए दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़ेगा। उदाहरण के तौर पर 57 वर्षीय संजय की छोटी बेटी भारत में तीन साल में डॉक्टरी की पढ़ाई पूरी कर लेगी। बेटा अमेरिका में स्नातकोत्तर की पढ़ाई कर रहा है। इस स्तर पर दोनों पूरी तरह से स्वतंत्र नहीं हैं। संजय को लगता है कि बच्चों को कुछ और वर्षों तक उनके मदद की जरूरत होगी। नोएडा और गाजियाबाद में उनके दो फ्लैट हैं। नोएडा के फ्लैट में उनके माता-पिता रहते हैं और दूसरा फ्लैट अब से एक साल में उनके पास आ जाएगा। पिछले कुछ वर्षों में उनकी पत्नी ने दो किलो सोना खरीदा है। उन्हें लगता है कि सोनो में किया गया निवेश अच्छा है। सात करोड़ की संपत्ति, फिर भी गरीब फिक्स्ड डिपॉजिट व बीमा पॉलिसियों के साथ उनकी संपत्ति 7 करोड़ रुपये है। दो फ्लैटों की कीमत 4.5 करोड़ रुपये है। 1.5 करोड़ का सोना, 60 लाख का एफडी और 40 लाख रुपये शेयर और म्यूचुअल फंड में हैं। मुझे पता है कि उन्होंने अच्छा किया है,पर दुर्भाग्यवश, वह वास्तव में गरीब हैं। गरीब इसलिए क्योंकि वह अपना घर नहीं बेच सकते। एक फ्लैट में उनके माता-पिता हैं और दूसरा अभी भी उनके कब्जे में नहीं है। उनकी पत्नी का सोना बेचने या गिरवी रखने की भी संभावना नहीं है। इसलिए, मूल रूप से कुल संपत्ति का 85 फीसदी जरूरत पड़ने पर भी उपयोग नहीं किया जा सकता है। इसके अलावा, बेटी की शिक्षा और अगले 5-6 वर्षों में दोनों बच्चों की शादी भी करनी है। बैंक जमा महंगाई को पीछे छोड़ने में असफल संजय यदि एक घर बेचते हैं, तो उन्हें पूंजीगत लाभ पर कर देना होगा। संजय की समस्या जटिल हो गई है। उनकी पत्नी की योजना बेटी की शादी में आधा सोना देने की है। बैंक जमा पर भी 6-7 फीसदी ब्याज मिल रहा है, जो महंगाई की दर के बराबर ही है। इसका अर्थ है कि जहां उन्हें वास्तव में फायदा हो सकता था वह शेयर और म्यूचुअल फंड था, जो उनके कुल निवेश का केवल 6 फीसदी ही है। करोड़ों की संपत्ति... खुशहाल जीवन की राह जटिल इन स्थितियों के बाद संजय के पास ऐसी कोई संपत्ति नहीं है जिससे सेवानिवृत्ति के बाद जरूरत के लिए कोई आय हो सके। इसलिए, वह सेवानिवृत्त होने के लिए तैयार नहीं हैं। आराम से सेवानिवृत्त के लिए एक ऐसे फंड की जरूरत होती है जो काम आए। बैंक जमा, शेयर और म्यूचुअल फंड में मिले एक करोड़ रुपये से बेटी की शिक्षा और शादी का खर्च पूरा हो सकेगा। संजय अपनी जरूरत के लिए एक घर बेच सकते थे। वह पत्नी से कम सोना खरीदने को कह सकते थे, पर उन्हें यकीन था कि पत्नी इस पर सहमत नहीं होगी। इन स्थितियों का सबक यह है कि हमें कुल संपत्ति का कम से कम आधा हिस्सा बैंकों, म्यूचुअल फंड और शेयरों जैसे वित्तीय साधनों में निवेश करना चाहिए, न कि इसे सोने और रियल एस्टेट में। मैं लोगों को सेवानिवृत्त होने का सपना देखने से हतोत्साहित नहीं कर रहा हूँ। मैं यह चाहता हूं कि वे यह समझें कि सेवानिवृत्ति के बाद खुश और तनाव मुक्त रहने के लिए सही वित्तीय समर्थन होना चाहिए।

'अगर आईपीओ मूल्यांकन पर खुलासे निरर्थक हैं तो इसपर गौर करेंगे' बोर्ड बैठक में बोलीं सेबी प्रमुख

एनटीवी, मुंबई

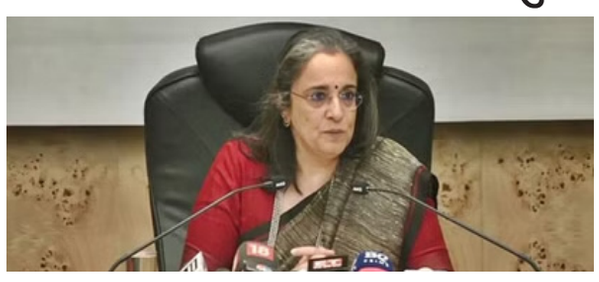

हाल ही में पूंजी बाजार में शेयर बिक्री में आई तेजी के बीच ये टिप्पणियां आई हैं। पिछले हफ्ते, टाटा टेक्नोलॉजीज सहित पांच कंपनियां अपने आईपीओ लेकर आईं, जिन्होंने आवेदन राशि में रिकॉर्ड 2.6 लाख करोड़ रुपये जुटाए। सेबी की बोर्ड बैठक शनिवार को पूरी होने के बाद संवाददाताओं से अध्यक्ष माधबी पुरी बुच रूबरू हुईं। इस दौरान कुछ आरंभिक सार्वजनिक पेशकशों के अत्यधिक मूल्यांकन पर कुछ हलकों में चिंताओं पर चर्चा की। उन्होंने कहा है कि यदि मूल्यांकन पर खुलासे निरर्थक हैं तो नियामक निश्चित रूप से इस मामले पर गौर करेंगे। हाल ही में पूंजी बाजार में शेयर बिक्री में आई तेजी के बीच ये टिप्पणियां आई हैं। पिछले हफ्ते, टाटा टेक्नोलॉजीज सहित पांच कंपनियां अपने आईपीओ लेकर आईं, जिन्होंने आवेदन राशि में रिकॉर्ड 2.6 लाख करोड़ रुपये जुटाए। आईपीओ में कुछ शेयरों के लिए उच्च प्रीमियम के बारे में एक प्रश्न पर, बुच ने कहा, 'बेशक, हम इस पर पूरी तरह से आपके साथ हैं क्योंकि उच्च प्रीमियम के लिए दिए गए तर्क और कुछ नहीं बल्कि कुछ अर्थहीन अंग्रेजी शब्द हैं।' उन्होंने कहा, 'हम निश्चित रूप से इस पर गौर करेंगे और मुद्दे का समाधान करेंगे।' आईपीओ की अधिक कीमतों पर कही ये बात कुछ हलकों में इस चिंता के बारे में पूछे जाने पर कि कुछ आईपीओ की कीमत अत्यधिक है, सेबी प्रमुख ने कहा, 'अगर मूल्यांकन पर खुलासे निरर्थक हैं तो हम निश्चित रूप से इस पर गौर करेंगे।' यह ध्यान दिया जा सकता है कि अल्पज्ञात कंपनियों के आईपीओ में निवेशकों की रुचि बढ़ाने के लिए, जारीकर्ता और उनके निवेश बैंकर कम अंकित मूल्य का हवाला देते हैं, लेकिन बहुत अधिक प्रीमियम का हवाला देते हुए इश्यू की कीमत अधिक रखी जाती है। ग्रीन-शू विकल्प की अनुमति पर क्या है राय यह पूछे जाने पर कि क्या सेबी ग्रीन-शू विकल्प की अनुमति देगा, जैसा कि अन्य बाजार गतिविधियों में अनुमति है, जिसमें जारीकर्ता को स्वतंत्रता है, उन्होंने कहा कि इसका उत्तर नहीं है क्योंकि इसे व्यावहारिक और वैचारिक दृष्टिकोण से संबोधित किया जाना चाहिए। व्यावहारिक पक्ष से, यह संभव है, लेकिन वैचारिक दृष्टिकोण से, यह संभव नहीं है क्योंकि ऋण मुद्दे या किसी अन्य बाजार उपकरण के विपरीत, जिसमें कोई इक्विटी कमजोरीकरण नहीं होता है, एक आईपीओ वास्तव में एक इक्विटी मुद्दा है। इसलिए यदि हम ग्रीन शू विकल्प की अनुमति देते हैं तो इससे इक्विटी में अवांछित कमी आएगी जिसके और अन्य प्रभाव होंगे।

संक्षिप्त खबरें

फिर से वापस आ रहा है यह फीचर, एक साल पहले कंपनी ने कर दिया था बंद

व्हाट्सएप के इस फीचर का नाम एक बार देखें है जिसके बारे में आप सभी जानते होंगे। इसके नाम से ही पता चल रहा है कि एक बार देखने के बाद यह खत्म हो जाएगा। इस फीचर के जरिए यूजर्स फोटो और वीडियो भेज सकते हैं जो कि एक बार देखने के बाद गायब हो जाते हैं। व्हाट्सएप आमतौर पर नए फीचर ही जारी करता है या फिर पुराने फीचर हमेशा के लिए बंद कर दिए जाते हैं, लेकिन अब इसका उल्टा होने जा रहा है।

व्हाट्सएप अपने एक फीचर को फिर से लॉन्च कर रहा है जिसे एक साल पहले बंद कर दिया गया था। व्हाट्सएप के इस फीचर का नाम एक बार देखें है जिसके बारे में आप सभी जानते होंगे। इसके नाम से ही पता चल रहा है कि एक बार देखने के बाद यह खत्म हो जाएगा। इस फीचर के जरिए यूजर्स फोटो और वीडियो भेज सकते हैं जो कि एक बार देखने के बाद गायब हो जाते हैं। इस फीचर को व्हाट्सएप ने डेस्कटॉप यूजर्स के लिए एक साल पहले खत्म कर दिया था और अब खबर है कि इस फीचर की फिर से वापसी हो रही है। WABetainfo की एक रिपोर्ट के मुताबिक यह फीचर कुछ बीटा यूजर्स को फिर से मिल रहा है और जल्द ही इसे सभी के लिए जारी किया जा सकता है।

बता दें कि व्हाट्सएप में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का भी सपोर्ट जल्द ही आने वाला है। इसकी टेस्टिंग बीटा वर्जन पर हो रही है। बीटा यूजर्स ने इसका स्क्रीनशॉट शेयर किया है। रिपोर्ट के मुताबिक व्हाट्सएप का यह नया अपडेट फिलहाल अमेरिका में बीटा यूजर्स के लिए उपलब्ध है। नए अपडेट को एंड्रॉयड के बीटा वर्जन 2.23.24.26 पर देखा जा सकता है। बीटा यूजर्स को एक व्हाइट बटन दिख रहा है जिस पर मल्टीकलर की रिंग भी है।

शार्क टैंक की तर्ज पर तमिलनाडु सराकर ने शुरू किया 'स्टार्टअप थमिझा' टीवी शो, 200 करोड़ की फंडिंग का मिला कमिटमेंट

एनटीवी, चेन्नई

तमिलनाडु सरकार ने देश में बढ़ते स्टार्टअप और उद्यमियों को समर्थन देने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। लोकप्रिय टीवी शो शार्क टैंक से प्रेरित होकर तमिलनाडु सरकार की एक नोडल एजेंसी स्टार्टअपटीएन ने एक रियलिटी शो स्टार्टअप थमिझा लॉन्च किया है। इस टीवी शो के लिए 200 करोड़ रुपये की फंडिंग की कमिटमेंट भी मिली है। इस टीवी शो के लिए 50 से अधिक स्टार्टअप को शॉर्टलिस्ट किया जाएगा देश में बढ़ते स्टार्टअप और उद्यमियों को सपोर्ट करने के लिए तमिलनाडु सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। लोकप्रीय टीवी शो शार्क टैंक (शार्क टैंक) से प्रेरित होकर तमिलनाडु सरकार की नोडल एजेंसी स्टार्टअपटीएन (स्टार्टअप तमिलनाडु) ने एक रियलिटी टेलीविजन शो 'स्टार्टअप थमिझा' (स्टार्टअप थमिझा) लॉन्च किया है। बिजनेसमेन और एंजल इन्वेस्टर ने 200 करोड़ के फंडिंग का किया कमिटमेंट तमिलनाडु सरकार द्वारा लॉन्च किए गए 'स्टार्टअप थमिझा' टीवी कार्यक्रम का उद्देश्य जमीनी स्तर पर उभरते उद्यमियों के लिए एक मंच प्रदान करना है। एक शीर्ष अधिकारी के मुताबिक 'स्टार्टअप थमिझा' को उद्यमियों और एंजेल निवेशकों से 200 करोड़ रुपये की फंडिंग का कमिटमेंट मिला है। कौन कितना करेगा निवेश? एक प्रेस रिलीज के मुताबिक रेफेक्स ग्रुप ने 100 करोड़ रुपये, थायरोकेयर के डॉ. वेलुमणि ने 50 करोड़ और पोंटाक ने 25 करोड़ रुपये का वादा किया है। एंजेल निवेश कंपनी नेटिव लीड एंजेल्स ने 10 करोड़ रुपये के निवेश की प्रतिबद्धता जताई है, जबकि शेष राशि का योगदान अन्य निवेशकों द्वारा किया जाएगा। पीटीआई को स्टार्टअपटीएन मिशन के निदेशक और सीईओ शिवराज रामनाथन ने कहा, स्टार्टअप थमिझा प्लेटफॉर्म का उद्देश्य जमीनी स्तर से स्टार्टअप के लिए एक अनुकूल पारिस्थितिकी तंत्र बनाना, महिला उद्यमिता को प्रोत्साहित करना और समन्वित विकास के लिए संस्थापकों, निवेशकों और सलाहकारों को एक साथ लाना है। कब से शुरू होगा शो? 'स्टार्टअप थमिझा' टीवी शो फरवरी 2024 तक शुरू हो जाएगा जिसका प्रसारण एक लोकप्रिय तमिल टेलीविजन चैनल पर होगा।

छोटी कंपनियों पर नकेल, कॉरपोरेट गवर्नेंस और मजबूत हुआ

एनटीवी, नई दिल्ली

बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) ने रविवार को कहा, एसएमई प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध होने के लिए आवेदक के पास पिछले दो वित्त वर्षों में कम से कम 15 करोड़ रुपये की नेटवर्थ होनी चाहिए। बीएसई के मुख्य प्लेटफॉर्म पर आने से पहले कंपनी के पास 250 पब्लिक शेयरधारक होने चाहिए। छोटे और मझोले (एसएमई) प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध और वहां से मुख्य प्लेटफॉर्म पर आने वाली कंपनियों के लिए नियम और सख्त हो गए हैं। अब इनको ज्यादा कॉरपोरेट गवर्नेंस का पालन करना होगा। ताजा मामले में बीएसई ने कहा है कि मुख्य प्लेटफॉर्म पर वही कंपनियां आ पाएंगी, जो तीन साल तक एसएमई प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध रहेंगी। नियम एक जनवरी, 2024 से लागू होगा। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) ने रविवार को कहा, एसएमई प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध होने के लिए आवेदक के पास पिछले दो वित्त वर्षों में कम से कम 15 करोड़ रुपये की नेटवर्थ होनी चाहिए। बीएसई के मुख्य प्लेटफॉर्म पर आने से पहले कंपनी के पास 250 पब्लिक शेयरधारक होने चाहिए। यह नियम पहले भी था, पर अब यह अनिवार्य हो गया है। तीन वित्त वर्षों में किसी दो वर्ष में परिचालन लाभ होना चाहिए। मुख्य प्लेटफॉर्म पर आने से पहले के वर्ष में शुद्ध मुनाफे में कंपनी होनी चाहिए। इसी तरह आवेदक की चुकता इक्विटी पूंजी 10 करोड़ रुपये से अधिक हो और बाजार पूंजीकरण 25 करोड़ रुपये हो। आवेदक कंपनी, उसके प्रमोटर और उसकी सहायक कंपनी पर सेबी का प्रतिबंध नहीं होना चाहिए। पिछले तीन वर्षों में किसी भी एक्सचेंज ने कंपनी और उसके प्रवर्तकों को निलंबित नहीं किया हो।464 कंपनियां बीएसई पर हुईं सूचीबद्ध अब तक 464 कंपनियां बीएसई एसएमई प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध हुई हैं। इसमें से 181 कंपनियां मुख्य प्लेटफॉर्म पर जा चुकी हैं। एनएसई और बीएसई ने मार्च, 2012 में छोटी कंपनियों को बाजारों में सूचीबद्ध करने के लिए इस प्लेटफॉर्म को शुरू किया था। 156 कंपनियों ने जुटाए 4,203 करोड़ इस साल एसएमई 156 कंपनियों ने 4,203 करोड़ जुटाए। पिछले साल 109 कंपनियों ने 1,980 करोड़ रुपये जुटाए थे। इस साल पैकेजिंग 730 गुना, मैत्रेय मेडिकेयर 446 गुना, मधुसूदन मसाला 444 गुना सब्सक्राइब हुए। सात कंपनियों पर 5.42-5.42 लाख का जुमार्ना निदेशक मंडल में स्वतंत्र निदेशकों की संख्या पूरी नहीं होने पर बीएसई और एनएसई ने इंडियन ऑयल और गेल सहित सरकारी क्षेत्र की सात तेल व गैस कंपनियों पर लगातार दूसरी तिमाही में 5.42-5.42 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया है।

इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन, ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी), ऑयल इंडिया, गेल, भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन और इंजीनियर्स इंडिया ने शेयर बाजार को अलग-अलग दी जानकारी में जुमार्ने का विवरण दिया। इन कंपनियों का दावा किया कि निदेशकों की नियुक्ति सरकार के अधीन है और इसमें उनकी कोई भूमिका नहीं है।

म्यूचुअल फंड बन रहा घरेलू बचत का पसंदीदा साधन

एनटीवी, नई दिल्ली

बैंक ऑफ बड़ौदा की रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2021 में म्यूचुअल फंडों में कुल निवेश 64,000 करोड़ रुपये आया था। 2022 में यह बढ़कर 1.60 लाख करोड़ और 2023 में यह 1.79 लाख करोड़ रुपये हो गया। वित्तीय बचत में घरेलू बचत का हिस्सा भी इसी तरह से वित्त वर्ष 2021 में 7.6 फीसदी था। हाल के समय में बाजार की तेजी से घरेलू बचत का हिस्सा अब बैंकों के जमा के बजाय म्यूचुअल फंडों में जा रहा है। निवेशक अब इक्विटी फंड में पैसे लगा रहे हैं। इस पर उनको अच्छा रिटर्न मिल रहा है। इस बदलाव और आकर्षण का गणित बताती अजीत सिंह की रिपोर्ट बैंक ऑफ बड़ौदा की रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2021 में म्यूचुअल फंडों में कुल निवेश 64,000 करोड़ रुपये आया था। 2022 में यह बढ़कर 1.60 लाख करोड़ और 2023 में यह 1.79 लाख करोड़ रुपये हो गया। वित्तीय बचत में घरेलू बचत का हिस्सा भी इसी तरह से वित्त वर्ष 2021 में 7.6 फीसदी था। 2022 में यह बढ़कर 8.5 फीसदी और 2023 में यह 8.4 फीसदी पर रहा। चालू वित्त वर्ष के पहले सात महीने (अप्रैल से अक्तूबर) में म्यूचुअल फंड में निवेशकों के निवेश का मूल्य यानी एयूएम बढ़कर 46.72 लाख करोड़ रुपये हो गया। यह इसलिए क्योंकि घरेलू बचत का हिस्सा अब म्यूचुअल फंड में आ रहा है। इक्विटी योजनाओं में आ रहा है पैसा अप्रैल से अक्तूबर के बीच इक्विटी और वृद्धि केंद्रित योजनाओं का म्यूचुअल फंड में सर्वाधिक हिस्सा रहा है। डेट स्कीम का मार्च, 2022 तक 34% हिस्सा था जो अक्तूबर तक घटकर 29% पर आ गया। इक्विटी और वृद्धि योजनाओं का हिस्सा 36.3% बढ़कर 40.2 फीसदी पर पहुंच गया। इसका मतलब निवेशक इक्विटी फंड में तेजी से पैसा लगा रहे हैं। इस वित्त वर्ष में तीन नवंबर तक बैंक जमा की वृद्धि दर 8.5 फीसदी रही, जबकि म्यूचुअल फंड की वृद्धि दर 18.5 फीसदी रही। इसमें भी इक्विटी की वृद्धि दर 23.9 फीसदी रही है। मल्टी एसेट फंड दे रहा बेहतर रिटर्न मल्टी एसेट एलोकेशन फंड एक ऐसा साधन है जो 100 रुपये के निवेश को कई क्षेत्रों में फैलाता है। यानी यह लार्ज कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप शेयरों में निवेश करने के साथ ही सोना और अन्य साधनों में भी निवेश करता है। इसका मकसद यह है कि एक साधन में घाटा है तो दूसरा उससे बचाता है। सोना एक सुरक्षित निवेश है वहीं डेट और एक्सचेंज ट्रेडेड कमोडिटी डेरिवेटिव्स/ गोल्ड ईटीएफ रिट और इनविट्स में भी निवेश किया जाता है। लंबी अवधि में रिटर्न उत्पन्न करने के प्रयास में इस फंड की निवेश रणनीति एक बेहतरीन रिटर्न देती है। यह फंड अपनी संपत्ति का कम से कम 10 फीसदी तीन या अधिक परिसंपत्ति वर्गों में निवेश करता है। नीरज जोशी, संस्थापक, एमएचएल मल्टीप्लायर का कहना है कि म्यूचुअल फंड के मल्टी एसेट एलोकेशन में निवेशकों का आकर्षण तेजी से बढ़ा है। यह ऐसी स्कीम है जिसने बाजार के हर चक्र व अन्य परिसंपत्तियों में निवेश कर अच्छा रिटर्न दिया है।

ऑडी इंडिया जनवरी 2024 से कीमतों में दो प्रतिशत तक की करेगी बढ़ोतरी

- ऑडी इंडिया की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, कीमतों में बढ़ोतरी एक जनवरी 2024 से प्रभावी होगी और सभी मॉडल रेंज में बढ़ोतरी होगी।

एनटीवी, नई दिल्ली

जर्मनी की लक्जरी कार निमार्ता कंपनी ऑडी ने कच्चे माल की मांग और परिचालन लागत बढ़ने का हवाला देते हुए सोमवार को कहा कि वह अगले साल जनवरी से भारत में अपने वाहनों की कीमतें दो प्रतिशत तक बढ़ाएगी। ऑडी इंडिया की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, कीमतों में बढ़ोतरी एक जनवरी 2024 से प्रभावी होगी और सभी मॉडल रेंज में बढ़ोतरी होगी। ऑडी इंडिया के प्रमुख बलबीर सिंह ढिल्लों ने एक बयान में कहा, आपूर्ति-श्रृंखला-संबंधित कच्चे माल की बढ़ती मांग और परिचालन लागत के कारण हमने ब्रांड की प्रीमियम मूल्य स्थिति को बनाए रखते हुए अपने मॉडल रेंज में मूल्य सुधार किया है। उन्होंने कहा, मूल्य सुधार का मकसद ऑडी इंडिया और हमारे डीलर भागीदारों की सतत वृद्धि सुनिश्चित करना है। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि मूल्य वृद्धि का प्रभाव ग्राहकों जितना हो सके कम से कम पड़े। ऑडी इंडिया ने क्यू3 एसयूवी से लेकर स्पोर्ट्स कार आरएसक्यू8 तक कई वाहन बेचती है, जिनकी कीमत 42.77 लाख रुपये से 2.22 करोड़ रुपये के बीच है।

यात्रा बीमा का दावा पाने के लिए ठीक से पूरी करें प्रक्रिया, यह सब कुछ कवर करतीं हैं कंपनियां

एनटीवी, नई दिल्ली

यात्रा रद्द या कम करने की सूचना बीमा कंपनी को दें। क्लेम फॉर्म में दस्तावेजों के साथ इमरजेंसी का विवरण भी दें। केवल होटल बुकिंग और फ्लाइट टिकट जैसे गैर वापसी, प्री-पेड खर्चों की लागत का रीइंबर्समेंट किया जाएगा। यात्रा के दौरान आपात परिस्थितियों में यात्रा बीमा सर्वोत्तम सुरक्षा कवच माना जाता है। यह मेडिकल आपातकालीन परिस्थितियों, ट्रिप के रद्द या बदलाव होने, चेक-इन किए गए सामान को पाने में देरी या खो जाने के साथ साथ पासपोर्ट के गुम होने जैसी कई परिस्थितियों को कवर करता है। दावा फाइल करते समय क्लेम प्रक्रिया के बारे में ठीक से पता होना चाहिए, ताकि दावा मिल सके। ऐसी स्थिति में दावा पाने के लिए आपको निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखना चाहिए। यात्रा का रद्द होना या छूटना यात्रा रद्द या कम करने की सूचना बीमा कंपनी को दें। क्लेम फॉर्म में दस्तावेजों के साथ इमरजेंसी का विवरण भी दें। केवल होटल बुकिंग और फ्लाइट टिकट जैसे गैर वापसी, प्री-पेड खर्चों की लागत का रीइंबर्समेंट किया जाएगा। मेडिकल इमरजेंसी आप विदेश में हों और कोई मेडिकल इमरजेंसी आ जाए तो ट्रैवल बीमा पॉलिसी ऐसी आपात स्थिति में क्वालिटी मेडिकल केयर की सुविधा देती है। किसी घटना और मेडिकल स्थिति की पूरी जानकारी बीमा कंपनी को दें। डॉक्टर के बयान आदि जैसे दस्तावेज जमा करें। बीमा कंपनी के पास उस देश में संबद्ध चिकित्सा सुविधाओं का नेटवर्क है, तो अस्पताल को पेमेंट होगा। कैशलेस दावा निपटान सुविधा नहीं है, तो पहले भुगतान कर बाद में रीइंबर्समेंट का आवेदन करें। सामान खो जाना सामान खो जाने पर यात्रा बीमा पॉलिसी आपातकाल से बचाती है। रीइंबर्समेंट सामान के पूरे नुकसान के मामले में लागू होता है। ट्रैवल एजेंट नुकसान के लिए कुछ मुआवजा देता है, तो बीमा कंपनी बाकी राशि देगी। चेक-इन बैगेज में देरी चेक इन बैगेज आप तक नहीं पहुंच पाया है तो एयरलाइंस को बताएं। सामान पहुंचने में कुछ घंटों से लेकर कुछ दिनों तक का समय लग सकता है। ट्रैवल इंश्योरेंस है तो बीमा कंपनी सामान आप तक पहुंचने तक जरूरी वस्तुओं को खरीदने के लिए तय राशि देगी। पासपोर्ट खोने पर भारतीय दूतावास आपातकालीन प्रमाणपत्र या पासपोर्ट फिर से जारी करेगा। इस पर जो खर्च होगा, वह मिल जाएगा। आशीष सेठी, हेल्थ एसबीयू एवं ट्रैवल कारोबार के प्रमुख, बजाज आलियांज का कहना है कि क्लेम लेने के लिए जरूरी दस्तावेज जुटाएं। इसमें मेडिकल रिपोर्ट, रसीदें, पुलिस रिपोर्ट आदि हो। फॉर्म को सही से भरें और प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए जरूरी विवरण दें। भरे हुए क्लेम फॉर्म और दस्तावेजों को बीमा कंपनी को दें।

हफ्ते के पहले दिन इन शहरों में बदली तेल की कीमत, यहां चेक करें लेटेस्ट रेट

नई दिल्ली। दरअसल मई 2022 से देश में तेल की कीमतें स्थिर बनी हुई हैं हालांकि तेल कंपनियां हर दिन तेल की कीमतों में संशोधन कर रही हैं जिसके बाद कुछ शहरों में तेल की कीमतों में कुछ पैसे का बदलाव देखा गया है। ऐसे में अगर आप वाहन चलाते हैं तो आपको तेल के ताजा भाव पता होने चाहिए। पढ़िए क्या है पटना में पेट्रोल 107.59 रुपये और डीजल 94.36 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। तिरुवनंतपुरम में पेट्रोल 109.42 रुपये और डीजल 98.24 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। नई दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। आज से नया कारोबारी हफ्ता शुरू हो रहा है। हर दिन तरह आज भी देश में मौजूद तेल कंपनियों ने सुबह 6 बजे देश के हर छोटे और बड़े शहरों के लिए पेट्रोल और डीजल की कीमतों को अपडेट कर दिया है। तेल कंपनियों ने राष्ट्रीय स्तर पर पेट्रोल और डीजल में आज भी स्थिर रखा है। दरअसल मई 2022 से तेल के दाम देश में स्थिर बने हुए हैं, हालांकि फिर भी तेल कंपनियां प्रतिदिन तेल की कीमतों को रिवाइज करती है जिसके बाद कुछ शहरों में तेल की कीमतों में कुछ पैसों का बदलाव देखने को मिला है।

पुणे-नागपुर इंडिगो फ्लाइट में सीट से कुशन गायब, एयरलाइन की लापरवाही पर उठे सवाल

- 'एयरलाइन वालों ने उनकी पत्नी को खिड़की वाली सीट 10ए आवंटित किया था, लेकिन जैसे ही वह अपने सीट पर पहुंची सीट की हालत देखकर वह दंग रह गई। उसने देखा की सीट पर कुशन ही गायब थे।

एनटीवी, मुंबई

विमान में सीट कुशन गायब होने के बाद यात्री के पति ने एयरलाइन पर सवाल उठाते हुए कहा कि इंडिगो जैसी एयरलाइन ब्रांड से ऐसी उम्मीद नहीं थी। पुणे से नागपुर जाने वाली इंडिगो 6इ-6798 विमान में एक चौकाने वाली घटना सामने आई है। दरअसल, किसी काम की वजह से पुणे से नागपुर जा रही यात्री सागरिका पटनायक ने देखा कि उनकी सीट का आधा कुशन गायब है। सागरिका के पति सुब्रत पटनायक ने मीडिया को बताया, 'एयरलाइन वालों ने उनकी पत्नी को खिड़की वाली सीट 10ए आवंटित किया था, लेकिन जैसे ही वह अपने सीट पर पहुंची सीट की हालत देखकर वह दंग रह गई। उसने देखा की सीट पर कुशन ही गायब थे।' उन्होंने आगे बताया कि उनकी पत्नी ने इसके बारे में वहां मौजूद कैबिन क्रू से बात की, लेकिन उन्होंने उसे सीट के नीचे देखने के लिए कहा। सागरिका ने हर जगह देखा, लेकिन उसे कुशन कहीं नहीं मिला। इसके बाद उन्होंने फिर एक बार केबिन क्रू से इसके बारे में पूछा। सागरिका के पति ने बताया, 'उस दौरान बोर्डिंग चल रही थी, और उसे मजबूरत आइल में खड़ा रहना पड़ा। इस वजह से अन्य यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

आखिरकार एक क्रू सदस्य ने दूसरे सीट से कुशन लाकर सागरिका को दिया।' एयरलाइन की तरफ से सफाई सागरिका के पति ने सवाल किया कि सीट कुशन ऐसे कैसे गायब हो सकता है।

इंडिगो जैसी एयरलाइन ब्रांड से ऐसी उम्मीद नहीं थी। हालांकि, इस पर एयरलाइन वालों ने सफाई पेश की है।

उन्होंने बताया कि कुशन को सफाई के लिए ले जाया गया था।

यात्री के पति को जवाब देते हुए एयरलाइन वालों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'कभी-कभी सीट कुशन वेलक्रो से अलग हो जाता है और कोबिन क्रू की मदद से उसे ठीक किया जाता है।

आपका फीडबैक टीम के साथ साझा किया जाएगा।' एयरलाइन ने आगे कहा कि उनकी फीडबैक को नोट कर लिया गया है और भविष्य में उन्हें अच्छी सुविधा देने की उम्मीद जताई है।

हालांकि इसके बाद सुब्रत ने रिप्लाई में कहा कि विमान उड़ान भरने के लिए तैयार थी।

सफाईकर्मी भी दोबारा जांच करके गए, लेकिन उन्हें भी यह नहीं दिखा। विमान में चढ़ने वाले केबिन क्रू की भी नजर इसपर नहीं गई।

विमानन मामलों के जानकार धैर्यशील वंडेकर ने इसे अस्वीकार्य बताया। नागरिक उड्डयन महानिदेशक (डीजीसीए) ने इस मामले में पिछले दिनों एयरलाइन को चेतावनी दी थी। उन्होंने कहा कि अगर ऐसे मामले सामने आते हैं तो डीजीसीए को सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।

पूर्व आईएएस अधिकारी वीके पांडियन ने थामा बीजद का दामन

- अक्तूबर माह में इस्तीफा स्वीकार होने के बाद वीके पांडियन को राज्य सरकार की 5टी (परिवर्तन पहल) और नवीन ओडिशा योजना के अध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया।

एनटीवी, भुवनेश्वर

ओडिशा के पूर्व आईएएस अधिकारी वीके पांडियन ने बीजेडी का दामन थामा है। भुवनेश्वर स्थित सीएम आवास पर मुख्यमंत्री नवीन पटनायक की मौजूदगी में उन्हें पार्टी में शामिल किया गया। बता दें स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति से पूर्व पांडियन नवीन पटनायक के निजी सचिव थे। भारतीय प्रशासिक सेवा से इस्तीफा देने के बाद उड़ीसा के पूर्व आईएएस वीके पांडियन अपनी राजनीतिक जीवन की शुरूआत करने जा रहे है। भुवनेश्वर में वीके पांडियन ने बीजेडी का दामन थामा है। जिसको लेकर राजनीतिक गलियारों में चचाएं तेज हो गई है। स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति से

पहले वीके पांडियन मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के निजी सचिव के तौर पर कार्यरत थे। अक्तूबर माह में इस्तीफा स्वीकार होने के बाद वीके पांडियन को राज्य सरकार की 5टी (परिवर्तन पहल) और नवीन ओडिशा योजना के अध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया। सोमवार सुबह भुवनेश्वर में वीके पांडियन बीजेडी में शामिल हो गए। इस दौरान ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक भी मौजूद रहे, उनके आवास पर उन्हें पार्टी में शामिल किया गया। अमर पटनायक बोले पार्टी होगी मजबूत बीजेडी में शामिल होने पर पार्टी नेता अमर पटनायक ने कहा, वीके पांडियन के आने से पार्टी मजूबत होगी साथ ही इससे पूरे राज्य को लाभ होगा। राज्य के मुख्यमंत्री की तरह वे भी राज्य के विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। पांडियन के पार्टी में शामिल होने से विकास कार्यों में तेजी आएगी। ऐसा कुछ नहीं है कि केवल इन्हें 2024 को देखते हुए शामिल किया गया है। सीएम का दीर्घकालिक दृष्टिकोण है। ओडिशा की जनता चाहती है कि मुख्यमंत्री अपने विजन को पूरा करें, पांडियन के रूप में हमें एक सक्षम सहयोगी मिलें। वीके पांडियन का करियर 2000 बैच के पांडियन ने अपने करियर की शुरूआत 2002 में कालाहांडी जिले के धर्मगढ़ के उप-कलेक्टर के रूप में की थी। 2005 में उन्हें मयूरभंज जिले का कलेक्टर नियुक्त किया गया। 2007 में उन्हें गंजम का कलेक्टर बनाया गया। गंजम में नियुक्ति के दौरान ही वे मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के करीबी बन गए। बता दें, पटनायक मूल रूप से गंजम जिले के रहने वाले हैं।

भाजपा-कांग्रेस ने किया था विरोध 2019 में पांडियन को सरकारी विभागों में नए पहल लागू करने के लिए 5ळ सचिव की जिम्मेदारी दी गई थी। भाजपा और कांग्रेस ने इस कारण विरोध किया था और कहा था कि वह पद से इस्तीफा दे दें और आधिकारिक रूप से बीजद में शामिल हो जाएं। इस दौरान पांडियन राज्य भर में ढेरों दौरे किए और जनता की शिकायत सुनने के लिए ताबड़तोड़ 190 बैठकें की थीं।

'मथुरा-आयोध्या किसी की जायदाद नहीं', आदित्य ठाकरे के ठाकुर श्यामा श्याम मंदिर दौरे पर बोले संजय राउत

मुंबई। आदित्य ठाकरे के मथुरा दौर पर मीडिया से बात करते हुए शिवसेना (यूबीटी) पार्टी के नेता संजय राउत ने कहा कि मथुरा, आयोध्या और द्वारका किसी की संपत्ति नहीं है। हम हिंदुत्व पार्टी हैं। शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे मथुरा का दौरा करने वाले हैं। उन्होंने अपने दौरे को लेकर बताया कि वह मथुरा में ठाकुर श्यामा श्याम मंदिर का उद्घाटन भी करेंगे। मीडिया से बात करते हुए आदित्य ठाकरे ने कहा, 'आज मैं मथुरा पूजा करने जाऊंगा।

सबसे महत्वपूर्ण यह है कि एक मंदिर का पुनर्विकास किया गया था, जिसका उट्घाटन किया जाएगा।' आदित्य ठाकरे के मथुरा दौर पर मीडिया से बात करते हुए शिवसेना (यूबीटी) पार्टी के नेता संजय राउत ने कहा, 'मथुरा, आयोध्या और द्वारका किसी की संपत्ति नहीं है। हम हिंदुत्व पार्टी हैं।

हमारे पार्टी के कई कार्यकर्ता मथुरा जा चुके हैं।'

पिता रिक्शा चलाते थे, मां ने ईंटें बनाईं, आईआईटियन बेटी दसारी अब चुनावी मैदान में

एनटीवी, हैदराबाद

उषा का कहना है कि वह अब अपने समाज के लोगों के लिए काम करना चाहती हैं। अभिवादन में ह्यजय भीम-जय फुलेह्न बोलने वाली 27 वर्षीय उषा चाहती हैं कि बहुजन समाज के लोग अपनी ताकत को पहचानें। बसपा की मुखिया मायावती प्रधानमंत्री बनें। तेलंगाना के पेद्दापल्ली विधानसभा क्षेत्र से बसपा की दसारी उषा नए अंदाज में चुनाव लड़ रही हैं। एक ओर जहां प्रदेश में कई उम्मीदवार रोजाना लाखों खर्च कर रहे हैं वहीं उषा घर-घर जाकर वोट मांगती हैं और साथ ही एक नोट भी। आईआईटी खड़गपुर से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में बीटेक करने के बाद उषा ने सिविल सेवा में जाने के लिए दिल्ली में तैयारी शुरू कर दी थी। इसी बीच वह कोरोना में वापस गांव आ गईं। दो साल से वह क्षेत्र में काम कर रही हैं। उषा का कहना है कि वह अब अपने समाज के लोगों के लिए काम करना चाहती हैं। अभिवादन में ह्यजय भीम- जय फुलेह्न बोलने वाली 27 वर्षीय उषा चाहती हैं कि बहुजन समाज के लोग अपनी ताकत को पहचानें। बसपा की मुखिया मायावती प्रधानमंत्री बनें। माता-पिता की शादी के बाद आईं समस्याएं उषा का कहना है कि उनके पिता बी हनुमैय्या अपनी युवा अवस्था में कम्युनिस्ट पार्टी के लिए काम करते थे। उनके पिता जो कि बैकवर्ड क्लास की पदमशाली जाति से आते हैं, उन्होंने वढेरा जाति की उनकी माता से अंतरजातीय विवाह किया। गांव के लोगों ने इसका विरोध किया। वह गांव के बाहर एक छोटे से घर में अपना जीवन यापन करने के लिए रिक्शा चलाने लगे। उनकी माता ने भी इस दौरान ईंट भटठे पर ईंट बनाने का काम किया। उषा ने आईआईटी खड़गपुर से इंजीनियरिंग पूरी की। बड़ी बहन आईआईटी धनबाद से एमएससी है और अब अमेरिका में हैं। छोटा भाई भी एमबीए करने के बाद अमेरिका में ही नौकरी कर रहा है। वे पैसे से हराना चाहते हैं, मेरी जनता का दिल जीतने की इच्छा उषा का कहना है कि उनके सामने वाले प्रतिद्वंदी चुनाव में खूब पैसा खर्च कर रहे हैं। वह पैसे से हराना चाहते हैं जबकि मैं जनता का दिल जीतना चाहती हूं। हर घर से वोट के साथ एक नोट मांगने के पीछे की मंशा भी यही है कि सबको यह चुनाव अपना लगे। ऐसा नहीं लगे कि उनकी वोट को कोई खरीद लेगा बल्कि उनके अहसास हो कि उनका छोटा सा योगदान बड़ा काम कर सकता है।

संक्षिप्त खबरें

कार्तिगई दीपम के मौके पर मिट्टी के दीपक से सजा कोयंबटूर, ईशा आश्रम ने जनता के साथ मनाया खास पर्व

ईशा आश्रम के कार्यकर्ता और स्थानीय लोगों ने मिलकर इस त्योहार को ध्यानलिंग और लिंग भैरवी मंदिर में मिट्टी के दीप जलाकर जलाकर मनाया। तीर्थकुंड, नंदी, आदियोगी आदि ईशा के अन्य स्थान है।

कोयंबटूर के ईशा आश्रम में कार्तिगई दीपम के मौके पर हजारों की संख्या में दीप जलाए गए। ईशा के कार्यकर्ता और स्थानीय लोगों ने मिलकर इस त्योहार को ध्यानलिंग और लिंग भैरवी मंदिर में मिट्टी के दीप जलाकर जलाकर मनाया। तीर्थकुंड, नंदी, आदियोगी आदि ईशा के अन्य स्थान है।

कार्तिगई दीपम को दक्षिणी भारत में बड़े ही धूमधाम से मनाया जाता है। इस दिन भगवान कार्तिकेय की पूजा करते हैं। यह त्योहार पूरे दस दिनों तक चलता है। इस दिन लोग मिट्टी के दीये जलाकर भगवान कार्तिकेय की पूजा करते हैं। कार्तिकेय दीपम प्रकाश का त्योहार है। यह तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश में मनाई जाने वाली मुख्य त्योहारों में से एक है। इस साल यह पर्व 26 नवंबर कार्तिक पूर्णिका के दिन मनाया गया।

चुनावों के कारण पूंजीगत खर्च से चूक सकते हैं कई राज्य, रिपोर्ट में दावा- 35 प्रतिशत तक बढ़ गया था खर्च

रिपोर्ट के अनुसार, अपने बजट अनुमानों को बनाए रखने के लिए 21 राज्यों को यह सुनिश्चित करना होगा कि दूसरी छमाही में पूंजीगत खर्च की दर 28 प्रतिशत पर बनी रहे। हालांकि, यह आचार संहिता के बाद से संभव नहीं है। राज्यों के चुनावों और अगले साल आम चुनाव के साथ राजस्व में गिरावट से चालू वित्त वर्ष में कई राज्य अपने पूंजीगत खर्च लक्ष्य से चूक सकते हैं। इक्रा की रिपोर्ट के अनुसार, पहली छमाही में राज्यों का पूंजीगर्त खर्च रिकॉर्ड 35 प्रतिशत तक बढ़ गया था। दूसरी छमाही में इसके घटने की आशंका है।

रिपोर्ट के अनुसार, अपने बजट अनुमानों को बनाए रखने के लिए 21 राज्यों को यह सुनिश्चित करना होगा कि दूसरी छमाही में पूंजीगत खर्च की दर 28 प्रतिशत पर बनी रहे।

चीन में फैल रही बीमारी को लेकर सरकार अलर्ट, बच्चों में निमोनिया की पहचान करने का निर्देश

एनटीवी, नई दिल्ली

केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव सुधांश पंत की ओर से जारी पत्र में कहा गया है कि इन्फ्लूएंजा संक्रमण के लक्षण कोरोना वायरस से काफी समानता रखते हैं। ऐसे में सभी राज्य कोरोना संक्रमण को लेकर पहले से जारी दिशानिदेर्शों का पालन करें। उन्होंने राज्यों से एक्शन रिपोर्ट जल्द साझा करने की अपील भी की है। चीन के उत्तरी क्षेत्र में तेजी से फैल रहे एवियन इन्फ्लूएंजा एच9एन2 के मामलों और बच्चों में सांस की बीमारी को लेकर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने अलर्ट जारी किया है। राज्यों को लिखे पत्र में मंत्रालय ने सभी सरकारी और निजी अस्पतालों में बच्चों में निमोनिया के मामलों का तत्काल पता लगाने का निर्देश दिया है। अस्पतालों में ऑक्सीजन व बेड की व्यवस्था दुरुस्त करने को कहा गया है। मंत्रालय ने इन्फ्लूएंजा व गंभीर श्वसन संक्रमण के मामलों की रिपोर्ट जल्द भेजने को कहा है। मंत्रालय ने साफ कहा कि देश में कहीं भी एच9एन2 के मामले की पुष्टि नहीं हुई है। संदिग्ध मरीजों को लेकर भी कोई सूचना नहीं है। स्थिति घबराने जैसी नहीं है, लेकिन एहतियात के लिए जिला और राज्य स्तर पर नजदीक से निगरानी रखने की जरूरत है। केंद्र लगातार निगरानी कर रहा है। अस्पतालों में नजर रखी जाए कि क्या किसी क्षेत्र में निमोनिया के मामलों में बढ़ोतरी तो नहीं हुई है। बच्चों के साथ-साथ किशोरों में भी निमोनिया के मामलों का पता लगाया जाए। कोरोना के दिशा-निदेर्शों का करें पालन केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव सुधांश पंत की ओर से जारी पत्र में कहा गया है कि इन्फ्लूएंजा संक्रमण के लक्षण कोरोना वायरस से काफी समानता रखते हैं। ऐसे में सभी राज्य कोरोना संक्रमण को लेकर पहले से जारी दिशानिदेर्शों का पालन करें। उन्होंने राज्यों से एक्शन रिपोर्ट जल्द साझा करने की अपील भी की है। चीन के इसी इलाके से फैला था कोरोना संक्रमण विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने भारत को भेजे ई-मेल में कहा कि चीन में फैले संक्रमण से बचाव के तरीके कोरोना जैसे ही हैं। डब्ल्यूएचओ ने चीन से अतिरिक्त जानकारी मांगी है। बताया जा रहा है कि चीन के इसी इलाके से कोरोना वायरस की शुरूआत हुई थी, जो दुनिया के दूसरे देशों तक पहुंच गया था।

बीआरएस सरकार को झटका, चुनाव आयोग ने रायथु बंधु योजना जारी रखने की इजाजत वापस ली

- चुनाव आयोग ने कहा है कि जब तक राज्य में चुनाव आचार संहिता लागू रहेगी तब तक योजना के तहत किसी प्रकार की वित्तीय मदद नहीं दी जाएगी।

एनटीवी, हैदराबाद

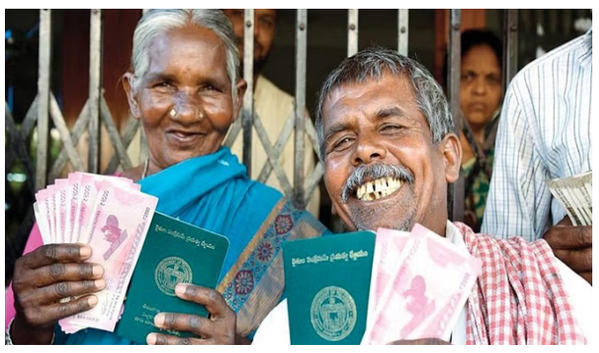

चुनाव आयोग ने कहा है कि जब तक राज्य में चुनाव आचार संहिता लागू रहेगी तब तक योजना के तहत किसी प्रकार की वित्तीय मदद नहीं दी जाएगी। चुनाव आयोग ने तेलंगाना सरकार की रायथु बंधु योजना को चालू रखने की इजाजत वापस ले ली है। बता दें कि इस योजना के तहत सरकार किसानों को आर्थिक मदद मुहैया करा रही है। चुनाव आयोग ने कहा है कि जब तक राज्य में चुनाव आचार संहिता लागू रहेगी तब तक योजना के तहत किसी प्रकार की वित्तीय मदद नहीं दी जाएगी। कांग्रेस पार्टी बीआरएस सरकार को मिली मंजूरी का विरोध कर रही थी।क्या है रायथु बंधु योजना बता दें कि तेलंगाना सरकार की रायथु बंधु योजना के तहत सरकार राज्य के हर किसान के बैंक खाते में 5000 रुपये प्रति एकड़ के हिसाब से पैसे स्थानांतरित करती है। ये रकम साल में दो बार यानी खरीफ और रबी की फसल के वक्त स्थानांतरित किए जाते हैं। इस तरह हर किसान के खाते में प्रति एकड़ 10 हजार रुपये जमा होते हैं। इस योजना के तहत अब तक तेलंगाना सरकार 70 हजार करोड़ रुपये राज्य के किसानों के खातों में जमा कर चुकी है और इससे 60 लाख किसानों को फायदा हुआ है।

बीआरएस ने रायथु बंधु योजना के तहत सहायता राशि बढ़ाकर 16 हजार रुपये प्रति वर्ष करने का एलान किया है।

चुनाव आयोग ने क्यों वापस ली मंजूरी तेलंगाना में 30 नवंबर को विधानसभा चुनाव होने हैं, जिसके चलते राज्य में चुनाव आचार संहिता लागू है।

- बीआरएस ने रायथु बंधु योजना के तहत सहायता राशि बढ़ाकर 16 हजार रुपये प्रति वर्ष करने का एलान किया है।

ऐसे में राज्य सरकार ने चुनाव आयोग से अपील की थी कि रायथु बंधु योजना के तहत राज्य के किसानों के बैंक खातों में 24 नवंबर से सब्सिडी का पैसा वितरित करने की मंजूरी मांगी थी। चुनाव आयोग ने इसकी मंजूरी दे भी दी थी लेकिन कांग्रेस और अन्य पार्टियों ने इसका विरोध किया।

कांग्रेस ने इसकी चुनाव आयोग से शिकायत की और तर्क दिया कि इससे मतदाता प्रभावित हो सकते हैं।

ऐसे में चुनाव आयोग ने बीआरएस सरकार को दी मंजूरी वापस ले ली है।

आज भारत को विश्वमित्र के रूप में देख रही पूरी दुनिया

एनटीवी, हैदराबाद

भारत को गुलाम बनाने वालों ने भी हमारी असली ताकत ज्ञान, ध्यान, योग, आयुर्वेद, ऐसी कई महत्वपूर्ण चीजों पर हमला बोला था और इसका देश को बहुत नुकसान उठाना पड़ा, लेकिन अब समय बदल रहा है। भारत भी बदल रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत खुद को विश्वमित्र के रूप में देखता है और दुनिया देश को अपना मित्र कहती है। उन्होंने कहा कि जिस तरह से हम कोरोना महामारी के दौरान दुनिया के साथ खड़े थे तो आज मुझे दुनिया को यह बताने की जरूरत नहीं है कि भारत आपका मित्र है, दुनिया स्वयं कहती है कि भारत हमारा मित्र है। पीएम मोदी ने ये बातें रविवार को हैदराबाद से 50 किमी दूर स्थित कान्हा शांति वनम में एक कार्यक्रम में कहीं। उन्होंने कहा कि इतिहास साक्षी है कि जब-जब, जहां-जहां गुलामी आई, वहां सबसे पहले उस समाज की असली ताकत पर चोट की गई। उसके चेतना तत्व को तहस-नहस करने का प्रयास हुआ, उसके चैतन्य को नष्ट करने के लिए उसके सभी मान बिंदुओं को खत्म करना, ये प्रवृत्ति रही। भारत को गुलाम बनाने वालों ने भी हमारी असली ताकत ज्ञान, ध्यान, योग, आयुर्वेद, ऐसी कई महत्वपूर्ण चीजों पर हमला बोला था और इसका देश को बहुत नुकसान उठाना पड़ा, लेकिन अब समय बदल रहा है। भारत भी बदल रहा है। सांस्कृतिक विरासत को हर तरह से सशक्त बनाने की कोशिश की पीएम ने कहा कि समृद्धि केवल धन दौलत से नहीं आती है बल्कि इसमें सांस्कृतिक उद्यम का भी उतना ही महत्व होता है। आज भारत आर्थिक, सामरिक और संस्कृति हर प्रकार के पुनर्जागरण के दौर में प्रवेश कर रहा है। पिछले 10 सालों में सरकार ने देश की सांस्कृतिक विरासत को हर तरह से सशक्त बनाने का प्रयास किया है, बात चाहे योग की हो या आयुर्वेद की, आज भारत की चर्चा नॉलेज हब के रूप में हो रही है। आज सरकार लाभार्थियों तक पहुंच रही पीएम ने कहा कि पहले लोगों को लाभ पाने के लिए सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ते थे, लेकिन आज सरकार लाभार्थियों तक पहुंच रही है। उन्होंने कहा कि विकास का लाभ सभी तक पहुंचना चाहिए और कोई भी पीछे नहीं रहना चाहिए। हमने ऐसी परंपरा बनाई, पुरस्कार स्वयं ही सम्मानित हो जाते हैं पीएम ने कहा कि कमलेश डी पटेल ने जो काम मानवता के लिए किए हैं, वे वाकई अद्भुत हैं। उनके इस योगदान को पद्म पुरस्कार से सम्मानित करने का सौभाग्य हमारी सरकार को मिला। हमने पद्म पुरस्कारों की परंपरा ऐसी बनाई है कि पुरस्कार स्वयं ही सम्मानित हो जाते हैं।

बेमौसम बरसात के दौरान बिजली गिरने से 20 की मौत

- वहीं भरूच में तीन, तापी में दो और अहमदाबाद, अमरेली, बनासकांठा, बोताड, खेड़ा, मेहसाणा, पंचमहल, सबरकांठा, सूरत, सुरेंद्रनगर, देवभूमि द्वारका में एक-एक व्यक्ति की मौत हुई है।

एनटीवी, अहमदाबाद

राज्य के आपात अभियान केंद्र के अधिकारी ने बताया कि गुजरात के अलग-अलग क्षेत्रों में बिजली गिरने की घटनाएं दर्ज हुईं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस घटना को लेकर दुख जाहिर किया। गुजरात में बेमौसम बरसात के दौरान बिजली गिरने की घटनाओं में 20 लोगों की मौत हुई है। अधिकारियों ने सोमवार को यह आंकड़ा जारी किया। घटना पर गृह मंत्री अमित शाह ने दुख जताया। उन्होंने कहा कि स्थानीय प्रशासन राहत-बचाव कार्यों में लगा है। राज्य के आपात अभियान केंद्र के अधिकारी ने बताया कि गुजरात के अलग-अलग क्षेत्रों में बिजली गिरने की घटनाएं दर्ज हुईं। इनमें कई लोगों की मौत हुई है। गुजरात के दाहोद में सबसे ज्यादा चार लोगों की जान गई। वहीं भरूच में तीन, तापी में दो और अहमदाबाद, अमरेली, बनासकांठा, बोताड, खेड़ा, मेहसाणा, पंचमहल, सबरकांठा, सूरत, सुरेंद्रनगर, देवभूमि द्वारका में एक-एक व्यक्ति की मौत हुई है। अधिकारियों के मुताबिक, फसलों के नुकसान के अलावा सौराष्ट्र के मोरबी जिले में सेरेमिक उद्योग को भी काफी नुकसान हुआ है, क्योंकि यहां तेज बारिश की वजह से फैक्ट्रियों को बंद कर दिया गया। मौसम विभाग ने कहा है कि सोमवार को बारिश कम रहेगी और गुजरात के दक्षिणी इलाके और सौराष्ट्र में ही सीमित होगी। बताया गया है कि बेमौसम बरसात की वजह उत्तर-पूर्व अरब सागर में चक्रवाती तूफान है, जो कि सौराष्ट्र और कच्छ के क्षेत्र पर असर डाल रहा है।

आज भारत आएंगे नासा प्रमुख बिल नेल्सन, अंतरिक्ष क्षेत्र में सहयोग गहरा करने पर करेंगे चर्चा

- जो पृथ्वी की बदलती जलवायु, सतह, हिम से ढके क्षेत्रों, जंगलों को मापेगा, प्राकृतिक आपदाओं से लेकर बढ़ते समुद्र स्तर व घटते भूजल स्तर की जानकारियां देगा।

एनटीवी, नई दिल्ली

नासा ने बताया कि अंतरिक्ष में मानव मिशन और पृथ्वी विज्ञान से जुड़े क्षेत्रों पर भी बातचीत होगी। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन की ओर से दोनों देशों के बीच उभरती और प्रमुख तकनीकों पर सहयोग की पहल के तहत यह दौरा हो रहा है। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के प्रशासक बिल नेल्सन की भारत और यूएई की यात्रा सोमवार से शुरू होने जा रही है। वह भारत में विभिन्न सरकारी एजेंसियों के प्रमुखों से मिलेंगे। इस दौरान नासा और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का साझा मिशन निसार उपग्रह बातचीत के केंद्र में रहेगा। दोनों देश इनोवेशन और शोध के लिए द्विपक्षीय सहयोग गहरा करने पर जोर देंगे। नासा ने बताया कि अंतरिक्ष में मानव मिशन और पृथ्वी विज्ञान से जुड़े क्षेत्रों पर भी बातचीत होगी। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन की ओर से दोनों देशों के बीच उभरती और प्रमुख तकनीकों पर सहयोग की पहल के तहत यह दौरा हो रहा है। नेल्सन बंगलूरू स्थित निसार मिशन के परीक्षण स्थल जाएंगे। यह मिशन साल 2024 में प्रक्षेपित होगा। निसार यानी नासा इसरो सिंथेटिक अपर्चर रडार दोनों के बीच पहला उपग्रह मिशन है, जो पृथ्वी की बदलती जलवायु, सतह, हिम से ढके क्षेत्रों, जंगलों को मापेगा, प्राकृतिक आपदाओं से लेकर बढ़ते समुद्र स्तर व घटते भूजल स्तर की जानकारियां देगा। इनके जरिये जलवायु परिवर्तन के खतरे कम करने व कृषि को नुकसान घटाने के प्रयास होंगे।

काउंटडाउन नहीं, काउंटअप घड़ी से हुआ था पहला रॉकेट प्रक्षेपण, 60 साल पहले घटे ऐतिहासिक क्षण दोहराये

- खास बात थी कि 21 नवंबर 1963 को हुए इस प्रक्षेपण का काउंटडाउन करने वाले प्रमोद पुरुषोत्तम काले ने फिर एक बार माइक्रोफोन थामा और रॉकेट प्रक्षेपण का 20 सेकंड का काउंटडाउन किया।

एनटीवी, तिरुवनंतपुरम

इस विशेष आयोजन में विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र (वीएसएससी) के पूर्व निदेशक 80 साल के काले को इसरो ने आमंत्रित किया था। काले ने बताया कि पहले प्रक्षेपण में यह गिनती एकदम सही समय पर रखना बेहद जरूरी था। छह दशक पहले थुम्बा से हुए भारत के पहले साउंडिंग रॉकेट प्रक्षेपण के क्षण दोहराए गए। खास बात थी कि 21 नवंबर 1963 को हुए इस प्रक्षेपण का काउंटडाउन करने वाले प्रमोद पुरुषोत्तम काले ने फिर एक बार माइक्रोफोन थामा और रॉकेट प्रक्षेपण का 20 सेकंड का काउंटडाउन किया। काले ने इस मौके पर कई रोचक बातें भी बताईं। जैसे, देश का पहला साउंडिंग रॉकेट प्रक्षेपण दिन में नहीं, सूर्यास्त के बाद हुआ था। इसके लिए घड़ी खुद काले ने बनाई, यह काउंटडाउन नहीं, काउंटअप करती थी। इसलिए उल्टी गिनती खुद काले ने पढ़ी और इसी के बाद भारत अंतरिक्ष विज्ञान क्षेत्र में काउंटअप यानी आगे ही बढ़ता गया। इस विशेष आयोजन में विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र (वीएसएससी) के पूर्व निदेशक 80 साल के काले को इसरो ने आमंत्रित किया था। काले ने बताया कि पहले प्रक्षेपण में यह गिनती एकदम सही समय पर रखना बेहद जरूरी था। उन्होंने प्रक्षेपण के बाद भी काफी वक्त इसे जारी रखा, ताकि प्रक्षेपण से अंतरिक्ष में बनी सोडियम वाष्प की तस्वीरें चार अलग-अलग अंतरिक्ष निगरानी केंद्रों से ली जा सकें। 1963 के प्रक्षेपण ने देश को अंतरिक्ष क्षेत्र में प्रगति के पथ पर आगे बढ़ाया, इसके महज 6 साल बाद 1969 में इसरो का जन्म हुआ। साइकल पर रॉकेट वाले दिन किए याद आयोजन के दौरान काले के कई सहकर्मी भी मौजूद थे। वह साथ बैठकर पुराने दिन याद करते करते नजर आए कि किस तरह साइकल पर रॉकेट के हिस्से ले जाकर उन्हें जोड़ते थे। फिर इन्हें साथ में लॉन्च भी किया। इस काम में शामिल रहे काले के कई सहकर्मी अब इस दुनिया में नहीं हैं।पहले बैच में केवल कलाम एयरोनॉटिकल इंजीनियर रॉकेट प्रक्षेपण के लिए विक्रम साराभाई के बनाए शुरूआती बैच में अहमदाबाद के रहने वाले काले शामिल थे। बैच को रॉकेट निर्माण, प्रक्षेपण और उपकरण बनाने के लिए जनवरी 1963 को प्रशिक्षण पर भेजा गया। काले ने बताया, उस बैच में एपीजे अब्दुल कलाम इकलौते एयरोनॉटिकल इंजीनियर थे। आज अवसर भरपूर, सरकार का साथ भी शानदार काले ने कहा कि आज युवा पीढ़ी के पास उनके समय के मुकाबले भरपूर अवसर हैं। बाधाएं बहुत कम बची हैं। शिक्षण संस्थानों और उद्योगों ने अंतरिक्ष विज्ञान में देश की प्रगति के लिए अहम योगदान दिया है। सरकार का भी शानदार साथ मिल रहा है। चंद्रयान-3 व आदित्य एल1 ने घरेलू तकनीकी क्षमताएं साबित की इस अवसर पर केंद्रीय विज्ञान व तकनीक मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जितेंद्र सिंह ने कहा कि चंद्रयान-3 और आदित्य एल1 मिशन की सफलता ने भारत की घरेलू तकनीकी क्षमताएं साबित की हैं। घरेलू तकनीकी क्षमता हासिल करना इसरो के पहले अध्यक्ष व भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के संस्थापक विक्रम साराभाई का सपना था।

टैंपल स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम- डील- 0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण रजिस्टर्ड

कार्यालय : 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए-4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063, कॉरपोरेट, कार्यालय : 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड़, नियर बैक ऑफ बडौदा दिल्ली110042